भारती कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

विवरण-पत्रिका

2024 – 25

प्राचार्या की कलम से...

प्रिय छात्राओं,

मुझे इस प्रतिष्ठित संस्थान, भारती कॉलेज की प्राचार्या के रूप में आप सभी का स्वागत करते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। मुझे आपको हमारे कॉलेज और कॉलेज में पढ़ाए जाने वाले विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला से परिचित कराने में बहुत खुशी हो रही है। हमारा कॉलेज शैक्षिक उत्कृष्टता का प्रकाशस्तंभ रहा है, युवा मस्तिष्क को आकार दे रहा है और पिछले 53 वर्षों से अपने सपनों को प्राप्त करने के लिए छात्राओं को सशक्त बना रहा है। मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि मैं आपके समक्ष अपनी प्रवेश विवरणिका प्रस्तुत कर रही हूँ, जो हमारे कॉलेज में उपलब्ध असाधारण शैक्षिक अवसरों का व्यापक अवलोकन प्रदान करती है।

भारती कॉलेज में, हम दृढ़ता से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को अक्षरश: लागू करने में विश्वास करते हैं। एनईपी एक परिवर्तनकारी कदम है जो शिक्षा के लिए एक समग्र और छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण की कल्पना करता है, जो तेजी से बदलती दुनिया में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और मूल्यों वाले व्यक्तियों को सशक्त बनाता है। हमारा कॉलेज एनईपी दिशानिर्देशों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे छात्राओं को एक अच्छी शिक्षा मिले जो उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करे।

संस्कृत के क्षेत्र में, भारती कॉलेज ने उल्लेखनीय पहचान हासिल की है और इंडिया टुडे द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित सर्वेक्षण में अखिल भारतीय स्तर पर 10वीं रैंक हासिल की है। देश के शीर्ष संस्थानों के बीच यह सम्मानित स्थिति समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और संस्कृत के ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को मान्य करती है। हम इस प्राचीन भाषा की गहरी समझ और समकालीन समय में इसकी प्रासंगिकता को बढ़ावा देने में बहुत गर्व महसूस करते हैं।

वाणिज्य के क्षेत्र में, भारती कॉलेज ने इंडिया टुडे और आउटलुक पत्रिकाओं द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में लगातार सराहनीय रैंकिंग हासिल की है। शैक्षणिक उत्कृष्टता और हमारे छात्राओं के

समग्र विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ने हमें इंडिया टुडे में वाणिज्य में 40वीं रैंक और आउटलुक में 51वीं रैंक दिलाई है, जिससे हम देश के शीर्ष संस्थानों में शामिल हो गए हैं।

इसी तरह, कला के क्षेत्र में भारती कॉलेज ने उल्लेखनीय प्रगति की है, इंडिया टुडे में 60वाँ स्थान और आउटलुक में 59वाँ स्थान प्राप्त किया है। ये रैंकिंग हमारे छात्रों में रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और बौद्धिक अन्वेषण को बढ़ावा देने के लिए हमारे अटूट समर्पण का प्रमाण है।
शैक्षणिक उपलब्धियों के अलावा, हम एक समग्र शैक्षिक अनुभव प्रदान करने में विश्वास करते हैं। हमारा कॉलेज विभिन्न सांस्कृतिक, पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यचर्या सोसाइटी में भागीदारी को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है। ये सोसाइटी छात्रों को अपनी रुचियों का पता लगाने, नई प्रतिभाओं की खोज करने और नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए मंच के रूप में काम करते हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि इस तरह की भागीदारी छात्रों के व्यक्तित्व को आकार देने और उन्हें वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हमारा कॉलेज प्रतिभाओं को निखारने और छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करने में सबसे आगे रहा है। मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि भारती कॉलेज ने असाधारण व्यक्तियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिन्होंने राष्ट्रीय मंच पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। ऐसी ही एक प्रतिभा मैथिली ठाकुर हैं, जो एक लोकप्रिय गायिका हैं, जिन्होंने हमारे संस्थान में अध्ययन करते हुए अपने कौशल को निखारा और अपनी पहचान बनाई। उनकी सफलता हमारे छात्रों को दिए जाने वाले पोषण के माहौल और समर्थन का प्रमाण है, जो उन्हें अपनी कलात्मक प्रतिभाओं को तलाशने और अपने सपनों को हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इसके अलावा, हमारा कॉलेज निशी भारद्वाज की उपलब्धियों पर बहुत गर्व करता है, जिन्हें 2018 में मिस अर्थ का ताज पहनाया गया था। निशि भारद्वाज की उपलब्धियाँ उत्कृष्टता, आत्मविश्वास और नेतृत्व के मूल्यों का उदाहरण हैं जिन्हें हम अपने सभी छात्राओं में स्थापित करने का प्रयास करते हैं। उनकी सफलता वर्तमान और भविष्य के छात्राओं के लिए एक प्रेरणा के रूप में कार्य करती है, जो उन्हें समाज और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालते हुए अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करती है। हमारे कॉलेज के उच्च उपलब्धि वाले पूर्व छात्राओं की कई अन्य प्रेरक कहानियाँ हैं, जो हमें संतुष्टि और गर्व की भावना देती हैं।

इसके अलावा, हमारा कॉलेज छात्राओं को टिकाऊ पर्यावरण प्रथाओं में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। इको-क्लब से लेकर सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों तक, हम अपने छात्राओं को संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने वाली पहलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ये अनुभव न केवल एक स्वस्थ और हरित

पर्यावरण में योगदान करते हैं बल्कि हमारे छात्राओं में सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना भी पैदा करते हैं।

अंत में, मैं आपको हमारे द्वारा तैयार किए गए व्यापक विवरण-पत्रिका को देखने के लिए आमंत्रित करता हूँ, जिसमें हमारे द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की विविधता, हमारी अकादमिक रैंकिंग, फीस संरचना, छात्रावास में प्रवेश की प्रक्रिया और भारती कॉलेज द्वारा प्रदान किए जाने वाले सांस्कृतिक और व्यक्तिगत विकास के अवसरों पर प्रकाश डाला गया है। हमें दृढ़ विश्वास है कि हमारे संस्थान के साथ आपका जुड़ाव परिवर्तनकारी होगा, और हम आपको हमारे जीवंत समुदाय में स्वागत करने के लिए तत्पर हैं।

आपके ज्ञान और सफलता की खोज में आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

प्रोफेसर (डॉ.) सलोनी गुप्ता
प्राचार्या
भारती कॉलेज

भारती कॉलेज
BHARATI COLLEGE
न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

विषय-सूची

क्र.सं.	शीर्षक	पृष्ठ सं.
1.	**कॉलेज प्रोफाइल**	6
2.	**प्रवेश 2024 – 25** प्रवेश सूचना के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट लिंक प्रवेश अनुसूची पात्रता मानदंड प्रवेश प्रक्रिया आरक्षण नीतियाँ	8 – 34
3.	**शुल्क संरचनाएँ और धनवापसी**	35
4.	**प्रस्तावित पाठ्यक्रम**	40
5.	**ऐड-ऑन कंप्यूटर और विदेशी भाषा पाठ्यक्रम**	41
6.	**ऐड-ऑन शॉर्ट-टर्म सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम**	43
7.	**सीट उपलब्धता**	44
8.	**स्नातक पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2024**	48
9.	**छात्राओं** के लिए कॉलेज के नियम	63
10.	छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना	66
11.	यौन उत्पीड़न और **लैंगिक दुर्व्यवहार** के विरुद्ध नीति	67
12.	रैगिंग के लिए सजा	70
13.	**पुरस्कार और ईनाम**	71
14.	बुनियादी ढाँचा और सुविधाएँ	74
15.	पाठ्येतर गतिविधियाँ (ईसीए)	83
16.	**अकादमिक सोसाइटी**	104
17.	विश्वविद्यालय शैक्षणिक कैलेंडर	113
18.	**छात्राओं को सहायता**	114
19.	संकाय के सदस्य	120
20.	समन्वयक और नोडल अधिकारी	125

कॉलेज प्रोफाइल

भारती कॉलेज, पश्चिमी दिल्ली के शीर्ष महिला कॉलेजों में से एक, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक कॉलेज है। कॉलेज की स्थापना 1971 में हुई थी और इसका परिसर करोल बाग में है। जुलाई 1998 में यह जनकपुरी में अपने वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित हो गया। 130 से अधिक योग्य और समर्पित शिक्षकों से समृद्ध यह कॉलेज लगभग 3000 छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है। हमारे पूर्व छात्रों में शिक्षाविद, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, राजनेता, अभिनेत और प्रशासनिक कर्मचारियों के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हमें विश्वास है कि भारती कॉलेज में शामिल होने वाले सभी छात्र महान ऊँचाईयों तक पहुँचेंगे।

कॉलेज लगभग 8.6 एकड़ भूमि पर स्थित है, जिसमें एक नया अत्याधुनिक ऑडिटोरियम, एक महिला छात्रावास, एक नया शैक्षणिक ब्लॉक, ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के साथ 150 से अधिक कंप्यूटरों वाली 4 कंप्यूटर लैब, एक सेमिनार रूम, एक कॉन्फ्रेंस रूम, एक थिएटर रूम और एक बड़ी, अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय है। पुस्तकालय ई-जर्नल, किताबें और अन्य जानकारी तक पहुँच प्रदान करती है जिसका उपयोग छात्र और प्राध्यापक स्वतंत्र रूप से कर सकते हैं।

डिग्री पाठ्यक्रमों के साथ-साथ, कॉलेज, कॉलेज के अंदर और बाहर के सभी इच्छुक छात्रों के लिए बहुत किफायती शुल्क पर अनेक अतिरिक्त, अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। इनमें जर्मन, फ्रेंच, रूसी, चीनी जैसी कई विदेशी भाषाओं में पाठ्यक्रम; 'O' और 'A' स्तर पर आईटी पाठ्यक्रम और एनआईईएलआईटी के सहयोग से तीन और कंप्यूटर पाठ्यक्रम (प्रमाणित वेब डेवलपर, प्रमाणित डेटा एंट्री और कार्यालय सहायक और कंप्यूटर अवधारणाएँ) और कर और लेखांकन के साथ-साथ डिजिटल मार्केटिंग जैसे विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में दो अतिरिक्त पाठ्यक्रम शामिल हैं।

छात्रों को सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों (एनएसएस, एनसीसी और खेल) में भाग लेना आवश्यक है। कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना का एक बहुत ही सक्रिय प्रकोष्ठ है और साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर की एक बहुत ही सक्षम और उत्साही शाखा है। एनएसएस शारीरिक और दृष्टिबाधित छात्रों, तिहाड़ जेल के कैदियों, पास के दीन दयाल अस्पताल के लिए सहायक कर्मचारियों और कई अन्य एजेंसियों के साथ काम करता है। एनसीसी परेड गुरुवार दोपहर और शनिवार को होती है। हमारे कई एनसीसी कैडेट 'C' और 'B' सर्टिफिकेट के लिए बैठते हैं, जिससे वे सेना और सरकार की अन्य शाखाओं में रोजगार के लिए पात्र हो जाते हैं।

खेल के क्षेत्र में, कॉलेज में अत्याधुनिक बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, खो-खो और थ्रो बॉल के मैदान और पूरी तरह से विकसित क्रिकेट मैदान हैं। खेलों में रुचि रखने वाले किसी भी छात्र का विभिन्न टीमों में शामिल होने का स्वागत है, भले ही उसे खेल कोटे से प्रवेश न मिला हो।

विभिन्न विभाग अपनी विभागीय सोसाइटी के माध्यम से व्याख्यान, सेमिनार, कार्यशालाएँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भ्रमण आदि आयोजित करके विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम से परे छात्रों का मार्गदर्शन और प्रशिक्षण करने का लक्ष्य रखते हैं। छात्रों के लिए वार्षिक दिवस, खेल दिवस, एनसीसी दिवस और एनएसएस दिवस जैसे वार्षिक समारोहों में भाग लेना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, उनके समग्र विकास के लिए विद्यार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे कॉलेज में आयोजित कम से कम पाँच अन्य कार्यक्रमों में भाग लें।

कॉलेज कई पाठ्येतर विकल्प भी प्रदान करता है। इसमें एक जीवंत नाट्य सोसाइटी चिलमन, अद्वैत, समकालीन नृत्य के लिए एक सोसाइटी है; एलांट्रे, जहाँ छात्र फैशन की दुनिया में अपना हाथ आजमाते हैं; चिंतन, एक वाद-विवाद सोसाइटी, शास्त्रीय संगीत और नृत्य के लिए मृदंग; मंथन, नुक्कड़ नाटक सोसाइटी; जागृति, महिला विकास प्रकोष्ठ, काव्य: अभिव्यक्ति का साझा मंच, उन लोगों के लिए जिन्हें कविता लेखन का शौक है। आर्ट्सविला अपनी प्रतिभा को उजागर करने और अपनी रचनात्मकता को तलाशने के लिए एक मंच प्रदान करता है, पलाश, एक इको-क्लब जो कॉलेज को हरा-भरा रखता है और उपक्रम, ई-सेल अपने छात्रों को उद्यमिता में प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने और नवाचार को बढ़ावा देने में सक्षम बनाता है। विवरण के लिए आप आगामी पृष्ठों पर सोसाइटी अनुभाग देख सकते हैं।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की एक स्वायत्त संस्था) ने विधिवत नियुक्त सहकर्मी दल की सिफारिश पर भारती कॉलेज को चार-पॉइंट पैमाने पर बी++ पर 2.98 सीजीपीए के साथ मान्यता प्राप्त घोषित किया।

वैसे लोग, जो परिवर्तनकारी शैक्षिक अनुभव की तलाश में हैं जो सीमाओं से परे है और असीमित संभावनाओं को खोलता है, उनके लिए भारती कॉलेज एक गंतव्य है। कॉलेज महत्वाकांक्षी विद्वानों को खोज, विकास और सशक्तिकरण की यात्रा पर निकलने के लिए आमंत्रित करता है। भारती कॉलेज में आपका स्वागत है, जहाँ मस्तिष्क सशक्त होते हैं, जीवन समृद्ध होता है और भविष्य को आकार मिलता है।

प्रवेश 2024 – 25

प्रवेश सूचना के लिए विश्वविद्यालय वेब लिंक

पूर्ण प्रवेश विवरण, यूजी प्रवेश पोर्टल 2024 के लिए यहाँ क्लिक करें

कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (यूजी) के लिए यहाँ क्लिक करें – 2024)

स्नातक पाठ्यक्रम (2024-25) के तहत प्रवेश के लिए सूचना का बुलेटिन (अंग्रेजी में)

स्नातक पाठ्यक्रम (2024-25) के तहत प्रवेश के लिए सूचना का बुलेटिन (हिंदी में)

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक प्रवेश से संबंधित प्रश्नों के लिए लिखें: ug@admission.du.ac.in

पात्रता मानदंड

सामान्य न्यूनतम पात्रता

अभ्यर्थी को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

** न्यूनतम पात्रता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केवल एक बोर्ड की मार्कशीट/डिग्री पर विचार किया जाएगा। (उदाहरण के लिए, यदि कोई अभ्यर्थी गणित को छोड़कर पाँच विषयों के साथ सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उपस्थित हुआ है और बाद में किसी अन्य बोर्ड जैसे राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से गणित में परीक्षा देकर उत्तीर्ण हो जाता है, तो न्यूनतम पात्रता केवल सीबीएसई द्वारा जारी उसकी मार्कशीट से ही सुनिश्चित की जाएगी)। कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रताएँ दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) - 2024 में चुनी जाने वाली भाषाओं और डोमेन विशिष्ट विषयों की सूची। सूची ए: सीयूईटी (यूजी) – 2024 के खंड 1ए खंड 1बी की भाषाएँ।*

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रताएँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) - 2024 में चुनी जाने वाली भाषाओं और डोमेन विशिष्ट विषयों की सूची।

सूची ए: सीयूईटी (यूजी) – 2024 के खंड 1ए खंड 1बी की भाषाएँ

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से कम से कम एक भाषा में उपस्थित होना चाहिए			
अरबी	गुजराती	मणिपुरी	सिन्धी
आसामी	हिंदी	मराठी	स्पैनिश
बांग्ला	इटैलियन	नेपाली	तमिल
बोडो	जापानी	उड़िया	तेलुगु
चीनी	कन्नड़	फ़ारसी	तिब्बती
डोगरी	कश्मीरी	पंजाबी	उर्दू
अंग्रेज़ी	कोंकणी	रूसी	जर्मन
फ्रेंच	मैथिली	संथाली	मलयालम
संस्कृत			

सूची बी: सीयूईटी (यूजी) - 2024 के खंड II में उल्लिखित डोमेन विशिष्ट विषयों को सूची बी1 और सूची बी2 के तहत वर्गीकृत किया गया है। अभ्यर्थी को उन विषयों को चुनने के लिए कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता का संदर्भ लेना चाहिए जिनमें उसे सीयूईटी (यूजी)-2024 में शामिल होना चाहिए।

सूची बी1	सूची बी2
1. अकाउंटेंसी	1. कृषि
2. नृविज्ञान	2. इंजीनियरिंग ग्राफिक्स
3. जीवविज्ञान/जैविक अध्ययन/ जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन	3. ललित कला / दृश्य कला (मूर्तिकला / पेंटिंग/कमर्शियल आर्ट्स)
4. बिजनेस स्टडीज	
5. रसायन विज्ञान	
6. कंप्यूटर विज्ञान / सूचना विज्ञान अभ्यास	
7. अर्थशास्त्र/व्यावसायिक अर्थशास्त्र	
8. पर्यावरण अध्ययन	
9. भूगोल / भूविज्ञान	
10. इतिहास	
11. गृह विज्ञान	

12. कानूनी अध्ययन	
13. गणित	
14. भौतिकी	
15. राजनीति विज्ञान	
16. मनोविज्ञान	
17. संस्कृत	
18. समाजशास्त्र	

प्रवेश अनुसूची

सीएसएएस यूजी - 2024 आवंटन सह प्रवेश अनुसूची

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पात्रता मानदंड

पाठ्यक्रम	प्रोग्राम विशिष्ट पात्रता
बी.कॉम (ऑनर्स) बी.कॉम. (ऑनर्स) दिल्ली विश्वविद्यालय का कार्यक्रम छात्रों को व्यवसाय से संबंधित समकालीन वास्तविकताओं का विश्लेषण और संश्लेषण करने के लिए ज्ञान, कौशल और क्षमताओं को प्राप्त करने में सक्षम और सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पाठ्यक्रम परिवर्तन और प्रतिस्पर्धा की हवाओं और सतत विकास के सख्त आवश्यक परिप्रेक्ष्य के सामने मौजूदा व्यवसायों को बनाए रखने और बनाए रखने का प्रावधान करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आज की व्यावसायिक वास्तविकताओं से निपटने के लिए छात्रों को लैस करने और उन्हें ड्राइव करने और कल की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार करने के लिए वैचारिक समझ पैदा करना है। यह छात्रों को संबंधित क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण की दुनिया के लिए भी उजागर करता है जैसा कि विद्वानों और नीति निर्माताओं द्वारा परिकल्पित किया गया है। जैसा कि भारत सरकार द्वारा अनिवार्य किया गया है, यह पाठ्यक्रम एक उद्यमशील मानसिकता और कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है।	**उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:** **संयोजन I**: सूची ए से कोई एक भाषा + गणित + कोई भी दो विषय जिनमें से कम से कम एक सूची बी 1 से होना चाहिए या **संयोजन II**: सूची ए से कोई एक भाषा + एकाउंटेंसी + कोई भी दो विषय जिनमें से कम से कम एक सूची बी 1 से होना चाहिए योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
बी.कॉम. वाणिज्य को समाज और व्यवसाय के बीच एक कड़ी के रूप में देखा जाता है। दोनों के बीच परस्पर क्रिया की प्रकृति और उद्देश्य में समय के साथ जबरदस्त बदलाव आया है। सूचना प्रौद्योगिकी ने व्यवसाय के आकार और डिजाइन को फिर से तैयार किया है, जो इसकी प्रकृति के कायापलट और सामाजिक कामकाज के मैट्रिक्स को उत्पन्न	**उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:** **संयोजन I**: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 से कोई एक विषय या

करता है। इस परिवर्तन के निहितार्थों को स्वीकार करते हुए, बी.कॉम कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में व्यावसायिक दुनिया के कामकाज और आधार की समझ बनाना है। इसे प्राप्त करने के लिए, कार्यक्रम छात्रों को संगठनात्मक कार्य, वित्तीय प्रणाली, अर्थव्यवस्था की समझ, व्यवसाय को नियंत्रित करने वाले कानून, समाज तक पहुँचने के लिए व्यवसायों द्वारा अपनाई गई रणनीतियों आदि के विभिन्न पहलुओं को जानने का अवसर प्रदान करता है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को अन्वेषण, प्रयोग और स्वयं को रोजगार चाहने वाले के रूप में नहीं, बल्कि एक उद्यमी और रोजगार सृजक के रूप में समाज की सेवा करने के लिए तैयार करने का अवसर प्रदान करता है।	**संयोजन II**: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 या सूची बी2 से कोई एक विषय + सीयूईटी (सामान्य परीक्षण) की खंड III योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी। नोट: चूँकि सीयूईटी अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित आनुपातिक अनुपात की जाएगी।
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित बी.एससी. (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम का उद्देश्य आलोचनात्मक, तार्किक और विश्लेषणात्मक रूप से सोचने की क्षमता विकसित करना है और इसलिए रोजमर्रा की जिंदगी में गणितीय तर्क का उपयोग करना है। गणित में डिग्री प्राप्त करने से छात्रों को शिक्षा, अनुसंधान, सरकारी क्षेत्र, व्यवसाय क्षेत्र और उद्योग में कई गणित करियर की तैयारी में कई दिलचस्प और मूल्यवान विचारों से परिचित कराया जाएगा। बी.एससी. (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम में शास्त्रीय कैलकुलस से लेकर आधुनिक क्रिप्टोग्राफी, सूचना सिद्धांत और नेटवर्क सुरक्षा तक गणित की पूरी श्रृंखला शामिल है। पाठ्यक्रम कैलकुलस, वास्तविक और जटिल विश्लेषण, अमूर्त बीजगणित, विभेदक समीकरणों (गणितीय मॉडलिंग सहित), संख्या सिद्धांत, ग्राफ सिद्धांत और विशेष रूप से गणित के लिए C ++ प्रोग्रामिंग की एक संरचित नींव रखता है।	**उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:** सूची ए से कोई एक भाषा + गणित + कोई भी दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी यह पाठ्यक्रम छात्रों को साहित्य की श्रेणी को परिभाषित/आलोचना करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है; और साहित्यिक अध्ययन, पाठ्यसामग्री और कैनन के उद्भव को समझें। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अनुकरणात्मक प्रस्तुतीकरण के रूप में साहित्य की पूर्व-धारणाओं का विरोध करना और रहस्योद्घाटन करना, साहित्य को सांस्कृतिक उत्पादन के भाग के रूप में रेखांकित करना, ऐतिहासिक विशिष्टता में दृढ़तापूर्वक अंतर्निहित होना, निर्धारित पाठों के साथ गहन संलग्नता के माध्यम से एकीकृत तरीके से भाषा कौशल विकसित करना और शिक्षार्थियों को इन कौशलों के उपयोग का व्यावहारिक अभ्यास कराना है।	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए: सूची ए से अंग्रेजी + सूची बी**1** से कोई दो विषय + सूची बी**1** या सूची बी**2** से कोई एक विषय। योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
बीए (ऑनर्स) हिन्दी यह पाठ्यक्रम हिंदी के छात्रों को भाषा की क्षमता की व्यापक समझ के साथ परिचित कराता है, साथ ही स्थानीय और वैश्विक स्तर पर समाज की चुनौतियों के संदर्भ में उन्हें जोड़ने की क्षमता विकसित करता है। यह हिंदी साहित्य और भाषा की व्यावहारिकता और व्यावसायिक क्षमता की एक नई समझ भी विकसित कर रहा है।	उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए: सूची ए से हिंदी + सूची बी**1** से कोई दो विषय + सूची बी**1** या सूची बी**2** से कोई एक विषय योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
बीए (ऑनर्स) संस्कृत इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को शास्त्रीय ग्रंथों के माध्यम से शास्त्रीय संस्कृत साहित्य (काव्य) की सामान्य रूपरेखा से परिचित कराना, महान संस्कृत कवियों की रचनाओं के बारे में उचित जानकारी विकसित करना, व्यक्तिगत कवियों की शैलियों और विचारों की सराहना करना तथा उनके कार्यों के काव्यात्मक, कलात्मक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना है। यह	**उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए**: **संयोजन I**: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी**1** से संस्कृत + कोई भी दो विषय जिनमें से एक सूची बी**1** से होना चाहिए **या** **संयोजन II**:

कार्यक्रम शुद्ध शास्त्रीय संस्कृत में दक्षता बढ़ाएगा और उन्हें काव्य रचनाओं के अनुवाद और व्याख्या में कौशल प्रदान करेगा।	सूची ए से कोई एक भाषा + सूची ए से संस्कृत + कोई भी दो विषय जिनमें से एक सूची बी**1** से होना चाहिए **या** **संयोजन III**: सूची ए से संस्कृत + सूची बी**1** से कोई दो विषय + सूची बी**1** या सूची बी**2** से कोई एक विषय **या** **संयोजन IV**: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी**1** से कोई दो विषय + सूची बी**1** या सूची बी**2** से कोई एक विषय योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी। प्रवेश के लिए संयोजन **IV** का विकल्प चुनने वाले उम्मीदवारों पर तभी विचार किया जाएगा जब सभी उम्मीदवारों पर विचार करने के बाद सीटें खाली रहेंगी जिन्होंने संयोजन **I/II/III** का विकल्प चुना है
बीए (ऑनर्स) इतिहास यह पाठ्यक्रम स्नातक स्तर पर छात्रों में खुशहाली, भावनात्मक स्थिरता, आलोचनात्मक सोच, सामाजिक न्याय और रोजगार कौशल जैसे गुण विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। बीए इतिहास (ऑनर्स) छात्रों को इस क्षेत्र में हाल ही में हुए इतिहासलेखन तक पहुँच प्रदान करता है, जिसे शैक्षणिक रूप में व्यवस्थित किया गया है, जो सुलभ और दिलचस्प है। यह अंत:विषयक कार्यक्रम में छात्रों के लिए संरचित है, जो उन्हें इतिहास के अनुशासन का संक्षिप्त और संपूर्ण परिचय प्रदान करता है और उस समान अनुशासन के प्रति संवेदनशील रहता है जिसका वे अध्ययन कर रहे हैं। यह मानविकी और सामाजिक विज्ञान में	**उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:** सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी**1** से कोई दो विषय + सूची बी**1** या सूची बी**2** से कोई एक विषय। योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

विषयों के साथ कई प्रतिच्छेदन बिंदु प्रदान करने का प्रयास करता है ताकि संचार के खुले तरीके हों जिससे ऐतिहासिक संवेदनशीलता एक समृद्ध अनुभव बन सके।	
बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को राजनीति के उन सवालों से परिचित कराना है, जिनका समाज में विचार और अस्तित्व के अधिक महत्वपूर्ण सवालों पर प्रभाव पड़ता है और जिनका समाधान किया जा रहा है। विभिन्न परंपराओं के दार्शनिकों से परिचय कराकर, छात्र कुछ मौलिक राजनीतिक सवालों के जवाब दे सकते हैं: हम राजनीतिक समुदायों में क्यों रहते हैं? सरकार का 'सबसे अच्छा' तरीका क्या है? मानव स्वभाव राजनीतिक निर्णय लेने को कैसे प्रभावित करता है? हमें बुरे शासकों का विरोध कैसे और किन परिस्थितियों में करना चाहिए? पाठ्यक्रम के अंत तक, छात्र आधुनिकता के विचार को समझने और आधुनिकता के माध्यम से उत्पन्न सामाजिक परिवर्तनों और इसके निर्धारित राजनीतिक सुझावों के बीच संबंध स्थापित करने में सक्षम हो जाते हैं।	**उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:** सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी**1** से कोई दो विषय + या सूची बी**2** सूची बी**1** या सूची बी**2** से कोई एक विषय। योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
बीए (ऑनर्स) पत्रकारिता यह कार्यक्रम पत्रकारिता, जनसंचार और मीडिया अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान, कौशल और दक्षता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। प्रारंभिक पाठ्यक्रम के रूप में, छात्र अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय परिप्रेक्ष्य से मीडिया के विकास के ऐतिहासिक, राजनीतिक, आर्थिक, समाजशास्त्रीय और सांस्कृतिक महत्व को सीखते हैं। भावी पत्रकार के रूप में, छात्रों को विभिन्न माध्यमों में समाचार की प्रकृति को समझने तथा विभिन्न प्लेटफार्मों के लिए समाचार तैयार करने हेतु आवश्यक विशिष्ट कौशलों से लैस किया जाएगा।	**उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:** **संयोजन I**: सूची ए से अंग्रेजी + सूची बी**1** से कोई दो विषय + सूची बी**1** या सूची बी**2** से कोई एक विषय या **संयोजन II**: सूची ए से अंग्रेजी + सीयूईटी की (सामान्य परीक्षण) खंड **III**

सिनेमा अध्ययन, फिल्म प्रशंसा और वृत्तचित्र फिल्म निर्माण पर पाठ्यक्रम छात्रों को फिल्म निर्माता बनने और सैद्धांतिक रूप से काल्पनिक और गैर-काल्पनिक फिल्मों से जुड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं। फोटोग्राफी, दृश्य डिजाइन और दृश्य संचार पर पाठ्यक्रम मीडिया उद्योग में नए और उभरते रास्ते खोलेंगे। विपणन के दृष्टिकोण से, छात्र विज्ञापन, जनसंपर्क और कॉर्पोरेट संचार के सिद्धांतों और प्रथाओं को सीखेंगे और बाजार के लिए नौकरी के लिए तैयार होंगे। इसके अतिरिक्त, मीडिया के दृष्टिकोण से शोध पद्धति में प्रशिक्षण छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे के अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए शोध की मूल बातें सीखने में सक्षम करेगा।	योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी। नोट: चूँकि सीयूईटी अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित आनुपातिक अनुपात की जाएगी।
बीए (ऑनर्स) समाजशास्त्र कार्यक्रम का लक्ष्य विविध पृष्ठभूमि और क्षमताओं वाले छात्रों को इस विषय से परिचित कराना है। इसके अलावा, पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को समाजशास्त्रीय मानसिकता से परिचित कराना है। यह अधिक उन्नत और विशिष्ट समाजशास्त्र पाठ्यक्रमों की नींव के रूप में भी कार्य करता है।	**उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:** सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी**1** से कोई दो विषय + सूची बी**1** या सूची बी**2** से कोई एक विषय योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
बीए (ऑनर्स) मनोविज्ञान मनोविज्ञान का विषय अकादमिक अध्ययन और अन्वेषण का एक अपेक्षाकृत नया और गतिशील क्षेत्र है। ऐतिहासिक प्रभावों को समझने और सीखने के साथ-साथ पाठ्यक्रम विषय-वस्तु में तेजी से हो रहे बदलावों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। मनोविज्ञान का पाठ्यक्रम और शिक्षण मनोविज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान, अनुप्रयोग और शोध संभावनाओं में प्रगति के प्रति संवेदनशील है। मनोविज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रम में इस अनुशासन के विविध क्षेत्रों को शामिल किया जाता है, जिसमें जैवमनोविज्ञान, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान,	**उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:** सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 से कोई एक विषय योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

मनोविज्ञान का इतिहास, अनुसंधान विधियाँ, सामाजिक मनोविज्ञान, औद्योगिक/संगठनात्मक मनोविज्ञान, परामर्श मनोविज्ञान, स्वास्थ्य मनोविज्ञान और अन्य शामिल हैं।	
बीए प्रोग्राम बीए प्रोग्राम छात्रों को उनकी पसंद के विषयों में स्नातक करने के लिए आकर्षित करने के लिए विषय संयोजनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। कॉलेज कई तरह के संयोजन प्रदान करते हैं, जिनमें से एक छात्र उन विषयों को चुन सकता है जिनमें वह अपनी आगे की पढ़ाई करना चाहता है। दिल्ली विश्वविद्यालय **180** से अधिक बीए प्रोग्राम संयोजन प्रदान करता है, जिससे विभिन्न विषयों का समामेलन होता है।	**उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:** **संयोजन I**: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी**1** से कोई दो विषय + सूची बी**1** या सूची बी**2** से कोई एक विषय या **संयोजन II**: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी**1** या सूची बी**2** से कोई एक विषय + सीयूईटी (सामान्य परीक्षण) की खंड **III** योग्यता विषयों के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी। नोट: चूँकि सीयूईटी अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित आनुपातिक अनुपात की जाएगी।

क्र.सं.	बीए प्रोग्राम संयोजनों की सूची
1.	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर अनुप्रयोग + अर्थशास्त्र)
2.	बीए प्रोग्राम (कंप्यूटर अनुप्रयोग + राजनीति विज्ञान)
3.	बीए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + कार्यालय प्रबंधन और सचिवीय अभ्यास (ओएमएसपी))
4.	बीए प्रोग्राम (अर्थशास्त्र + राजनीति विज्ञान)
5.	बीए प्रोग्राम (इतिहास + संगीत)
6.	बीए प्रोग्राम (इतिहास + ओएमएसपी)
7.	बीए प्रोग्राम (इतिहास + राजनीति विज्ञान)
8.	बीए प्रोग्राम (मानव विकास और परिवार सशक्तिकरण (एचडीएफई) + राजनीति विज्ञान)
9.	बीए प्रोग्राम (संगीत + राजनीति विज्ञान)
10.	बीए प्रोग्राम (पंजाबी + इतिहास)
11.	बीए प्रोग्राम (पंजाबी + अर्थशास्त्र)
12.	बीए प्रोग्राम (संस्कृत + अर्थशास्त्र)
13.	बीए प्रोग्राम (संस्कृत + इतिहास)

भारती कॉलेज
BHARATI COLLEGE
न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

प्रवेश प्रक्रिया

सभी कार्यक्रमों में प्रवेश एक केंद्रीकृत ई- काउंसलिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। काउंसलिंग के दौर की संख्या को कम करने और शैक्षणिक सत्र को समय पर शुरू करने के लिए, विश्वविद्यालय काउंसलिंग के शुरुआती दौर में स्वीकृत क्षमता से अधिक उम्मीदवारों को प्रवेश देने की संभावनाओं का पता लगा सकता है। प्रवेश प्रक्रियाओं से संबंधित अन्य विवरण जैसे ई-परामर्श, टाई ब्रेकिंग नियम आदि को अलग से अधिसूचित किया जाएगा।

कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम-2024 (सीएसएएस-2024) से संबंधित विवरण के लिए यहाँ क्लिक करें:

https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/29052024_CSAS-UG_compressed.pdf

प्रवेश समिति के सदस्य

क्र.सं.		नाम	संपर्क सूत्र
1.	संयोजक, प्रवेश समिति	डॉ. सरिता कादियान	9268967366
2.	संयोजक, हेल्पडेस्क	डॉ. अनुरंजिता वाधवा	9811868970
3.	संयोजक, शिकायत निवारण समिति	डॉ. राखी जैन	9891982817
4.	संयोजक, आरक्षित श्रेणियों (एससी, एसटी, ओबीसी-एनएल/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी, अल्पसंख्यक उम्मीदवार) का शिकायत निवारण	श्री प्रदीप कुमार (ईडब्ल्यूएस संपर्क अधिकारी) डॉ. गोल्डी कुमारी (पीडब्ल्यूबीडी संपर्क अधिकारी) डॉ. अर्शी जरीन (ओबीसी संपर्क अधिकारी) सुश्री चित्रांगदा (एससी/एसटी संपर्क अधिकारी)	8882227052 8527115532 9811118781 9953132681

आरक्षण नीतियाँ

अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) उम्मीदवारों के लिए सीटों का आरक्षण कुल सीटों का 22.5% अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है (अनुसूचित जाति के लिए 15% और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5%, यदि आवश्यक हो तो अदला-बदली की जा सकती है)।

पंजीकरण और प्रवेश के समय अभ्यर्थी के पास अपने नाम का जाति/जनजाति प्रमाण पत्र होना चाहिए। जाति प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए:

(क) उसकी जाति/जनजाति का नाम

(ख) क्या अभ्यर्थी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है

(ग) अभ्यर्थी के निवास स्थान का जिला और राज्य या केंद्र शासित प्रदेश, और

(घ) भारत सरकार की उचित अनुसूची जिसके तहत उसकी जाति/जनजाति को अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के रूप में अनुमोदित किया गया है।

उम्मीदवार को प्रवेश के समय वैध मूल एससी या एसटी जाति/जनजाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

निम्नलिखित को अपेक्षित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार है:

क. जिला मजिस्ट्रेट / अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट / कलेक्टर / डिप्टी कमिश्नर / अपर डिप्टी कमिश्नर / डिप्टी कलेक्टर / प्रथम श्रेणी वेतनभोगी मजिस्ट्रेट / सिटी मजिस्ट्रेट / सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट / तालुका मजिस्ट्रेट / कार्यकारी मजिस्ट्रेट / अतिरिक्त सहायक आयुक्त।

ख. मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट / अपर मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट / प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट।

ग. राजस्व अधिकारी, जो तहसीलदार के पद से नीचे का न हो।

घ. उस क्षेत्र का उप-मंडल अधिकारी जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार सामान्य रूप से रहता है।

ड. प्रशासक/प्रशासक के सचिव/विकास अधिकारी (लक्षद्वीप द्वीप समूह)।

उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि किसी अन्य व्यक्ति/प्राधिकरण से एससी/एसटी प्रमाण पत्र किसी भी मामले में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है, तो उम्मीदवार की जाति/जनजाति भारत सरकार की उपयुक्त अनुसूची में सूचीबद्ध होनी चाहिए।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटों को भरना कॉलेजों का वैधानिक दायित्व है।

कॉलेज किसी भी एससी/एसटी उम्मीदवार को शिक्षा के माध्यम के आधार पर प्रवेश देने से मना नहीं करेंगे। किसी विशेष भाषा के ज्ञान में किसी भी कमी को दूर किया जाना चाहिए; इस उद्देश्य के लिए कॉलेज द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से उपलब्ध अनुदान का उपयोग करके सुधारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था की जा सकती है।

अन्य पिछड़े वर्गों के लिए सीटों का आरक्षण (ओबीसी, गैर-क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची)

27% सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी - गैर-क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) से संबंधित उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।

ओबीसी उम्मीदवार को प्रवेश देते समय, कॉलेज यह सुनिश्चित करेगा कि जाति ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल है (ओबीसी का दर्जा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ओबीसी की केंद्र (भारत सरकार) सूची के आधार पर निर्धारित किया जाना है। (वेबसाइट http://ncbc.nic.in/backward classes/index.html पर उपलब्ध है)

प्रमाण पत्र में उम्मीदवार की गैर-क्रीमी लेयर स्थिति का उल्लेख होना चाहिए (डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93- स्थापना (एससीटी) दिनांकित 15.11.1993 में उल्लिखित प्राधिकारी द्वारा जारी गैर-क्रीमी लेयर स्थिति)।

ओबीसी उम्मीदवार जो 'नॉन-क्रीमी लेयर' से संबंधित हैं और जिनकी जाति केवल ओबीसी की केंद्रीय सूची में दिखाई देती है, वे ओबीसी श्रेणी के तहत प्रवेश के लिए विचार किए जाने के पात्र होंगे (डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36036/2/2013-स्था. (आरक्षण- I) दिनांकित 31 मार्च 2016 के अनुसार उम्मीदवारों की 'नॉन-क्रीमी लेयर' स्थिति के संबंध में ओबीसी प्रमाण पत्र की वैधता अवधि)। प्रमाण पत्र 31 मार्च, 2024 को या उसके बाद जारी किया जाना चाहिए।

ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटों को भरना कॉलेज का वैधानिक दायित्व है।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण नीति

दिल्ली विश्वविद्यालय की अधिसूचनाओं (संदर्भ संख्या Aca. I/ईडब्ल्यूएस का आरक्षण/2019/63 दिनांकित 28 मार्च 2019 और संदर्भ संख्या Aca. I/ईडब्ल्यूएस का आरक्षण/2019/101 दिनांकित 15 मई 2019) के अनुसार, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के लिए आरक्षण के लिए, विश्वविद्यालय के विभागों/केंद्रों/कॉलेजों ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के प्रवेश के लिए 10% सीटें आरक्षित की हैं। प्रमाण पत्र 31 मार्च, 2024 को या उसके बाद जारी किया जाना चाहिए।

अधिसंख्य सीटों पर प्रवेश

सभी अधिसंख्य सीटों पर प्रवेश सीयूईटी 2024 के माध्यम से होगा। अतिरिक्त सीटों पर प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवार सीयूईटी 2024 में उपस्थित होने चाहिए।

श्रेणी	
पीडब्ल्यूबीडी	बेंचमार्क विकलांग व्यक्ति
सीडब्ल्यू	अर्ध-सैनिक बलों सहित सशस्त्र बलों के कर्मियों के बच्चे/विधवाएं
ईसीए	पाठ्येतर गतिविधियाँ
खेल-कूद	खेल-कूद
केएम	कश्मीरी प्रवासी
पीएमएसएस	प्रधानमंत्री की जम्मू और कश्मीर के लिए विशेष छात्रवृत्ति
एसएस	नामित सिक्किमी छात्र
डब्ल्यूक्यू	दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वार्ड कोटा
ओक्यू	अनाथ कोटा

बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति (पीडब्ल्यूबीडी)

क. लोकोमोटर विकलांगता

लोकोमोटर विकलांगता (किसी व्यक्ति की स्वयं और वस्तुओं की गति से जुड़ी विशिष्ट गतिविधियों को निष्पादित करने में असमर्थता, जो मस्कुलोस्केलेटल या तंत्रिका तंत्र या दोनों के विकार के परिणामस्वरूप होती है), जिसमें शामिल हैं-

1. **"कुष्ठ रोग उपचारित व्यक्ति"** से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो कुष्ठ रोग से ठीक हो गया है किन्तु उससे पीड़ित है -
   i) हाथों या पैरों में संवेदना की हानि के साथ-साथ आँख और पलक में भी संवेदना की हानि और पक्षाघात, लेकिन विकृति का कोई लक्षण नहीं;
   ii) प्रकट विकृति और पक्षाघात, लेकिन उनके हाथों और पैरों में पर्याप्त गतिशीलता होती है जिससे वे सामान्य आर्थिक गतिविधि में संलग्न हो सकें;
   iii) अत्यधिक शारीरिक विकृति तथा अधिक आयु, जो उसे कोई लाभकारी व्यवसाय करने से रोकती हो, तथा "कुष्ठ रोग ठीक हो जाना" की व्याख्या तदनुसार की जाएगी;
2. **"सेरेब्रल पाल्सी"** का अर्थ है शरीर की गतिविधियों और मांसपेशियों के समन्वय को प्रभावित करने वाली गैर-प्रगतिशील न्यूरोलॉजिकल स्थिति का समूह, जो मस्तिष्क के एक या अधिक विशिष्ट क्षेत्रों को नुकसान के कारण होता है, जो आमतौर पर जन्म से पहले, जन्म के दौरान या उसके तुरंत बाद होता है;
3. **"बौनापन"** का अर्थ है एक चिकित्सीय या आनुवंशिक स्थिति जिसके परिणामस्वरूप वयस्क की ऊँचाई 4 फीट 10 इंच (147 सेंटीमीटर) या उससे कम होती है;

4. **"मांसपेशियों की डिस्ट्रॉफी"** का अर्थ वंशानुगत आनुवंशिक मांसपेशियों की बीमारी का एक समूह है जो मानव शरीर को स्थानांतरित करने वाली मांसपेशियों को कमजोर करता है और कई डिस्ट्रॉफी वाले व्यक्तियों के जीन में गलत और लापता जानकारी होती है, जो उन्हें स्वस्थ मांसपेशियों के लिए आवश्यक प्रोटीन बनाने से रोकती है। यह प्रगतिशील कंकाल मांसपेशियों की कमजोरी, मांसपेशियों के प्रोटीन में दोषों और मांसपेशियों की कोशिकाओं और ऊतकों की मृत्यु की विशेषता है;

5. **"एसिड हमले के पीड़ित"** से तात्पर्य एसिड या इसी तरह के संक्षारक पदार्थ फेंकने से हिंसक हमले के कारण विकृत हुए व्यक्ति से है।

ख. दृष्टिदोष

6. **"अंधापन"** का अर्थ ऐसी स्थिति से है, जिसमें किसी व्यक्ति में सर्वोत्तम सुधार के बाद भी निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति हो-
   i) दृष्टि की पूर्ण अनुपस्थिति; या
   ii) सर्वोत्तम संभव सुधार के साथ बेहतर आँख में 3/60 से कम या 10/200 (स्नेलन) से कम दृश्य तीक्ष्णता; या
   iii) दृष्टि क्षेत्र की सीमा 10 डिग्री से कम का कोण होना।

7. **"कम दृष्टि"** से तात्पर्य ऐसी स्थिति से है, जिसमें व्यक्ति में निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति हो, अर्थात्:
   i) दृश्य तीक्ष्णता 6/18 से अधिक नहीं या 20/60 से कम नहीं, 3/60 तक या 10/200 (स्नेलन) तक बेहतर आँख में सर्वोत्तम संभव सुधार के साथ; या
   ii) दृष्टि क्षेत्र की सीमा 40 डिग्री से कम 10 डिग्री तक का कोण बनाती है।

ग. श्रवण हानि

8. **"बधिर"** का तात्पर्य ऐसे व्यक्तियों से है जिनके दोनों कानों में वाक् आवृत्तियों में 70 डीबी श्रवण हानि है;

9. **"सुनने में कठिनाई"** से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसके दोनों कानों में वाक् आवृत्तियों में 60 डीबी से 70 डीबी तक सुनने की क्षमता में कमी हो;

10. **"भाषण और भाषा विकलांगता"** का अर्थ है एक स्थायी विकलांगता जो कार्बनिक या न्यूरोलॉजिकल कारणों से भाषण और भाषा के एक या अधिक घटकों को प्रभावित करने वाली स्वरयंत्र या अफेसिया जैसी स्थितियों से उत्पन्न होती है।

घ. बौद्धिक विकलांगता

एक ऐसी स्थिति जिसमें बौद्धिक कार्यप्रणाली (तर्क, अधिगम, समस्या समाधान) और अनुकूली व्यवहार दोनों में महत्वपूर्ण सीमाएं होती हैं, जो दैनिक, सामाजिक और व्यावहारिक कौशल की एक श्रृंखला को कवर करती है, जिसमें शामिल हैं-

11. **"विशिष्ट अधिगम विकलांगता"** से तात्पर्य विषम स्थितियों के समूह से है, जिसमें बोली जाने वाली या लिखित भाषा के प्रसंस्करण में कमी होती है, जो समझने, बोलने, पढ़ने, लिखने, वर्तनी करने या गणितीय

गणना करने में कठिनाई के रूप में प्रकट हो सकती है और इसमें अवधारणात्मक विकलांगता, डिस्लेक्सिया, डिसग्राफिया, डिस्कैलकुलिया, डिसप्रैक्सिया और विकासात्मक वाचाघात जैसी स्थितियाँ शामिल हैं;

12. **"ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार"** का अर्थ एक न्यूरो-विकासात्मक स्थिति है जो आमतौर पर जीवन के पहले तीन वर्षों में दिखाई देती है जो किसी व्यक्ति की संवाद करने, रिश्तों को समझने और दूसरों से संबंध बनाने की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है, और अक्सर असामान्य या रूढ़िवादी अनुष्ठानों या व्यवहारों से जुड़ी होती है।

ड. मानसिक बिमारी

"मानसिक बीमारी" से आशय सोच, मनोदशा, धारणा, अभिविन्यास या स्मृति का ऐसा गंभीर विकार है जो निर्णय, व्यवहार, वास्तविकता को पहचानने की क्षमता या जीवन की सामान्य मांगों को पूरा करने की क्षमता को बुरी तरह से क्षीण कर देता है, लेकिन इसमें मंदबुद्धि शामिल नहीं है जो किसी व्यक्ति के मस्तिष्क के विकास में रुकावट या अपूर्णता की स्थिति है, जो विशेष रूप से बुद्धि की अल्पसामान्यता से चिह्नित होती है।

च. क्रोनिक न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के कारण होने वाली विकलांगता, जैसे:

13. **"मल्टीपल स्क्लेरोसिस"** का अर्थ है एक सूजन संबंधी, तंत्रिका तंत्र रोग जिसमें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के तंत्रिका कोशिकाओं के अक्षतंतुओं के चारों ओर माइलिन आवरण क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, जिससे डिमाइलिनेशन होता है और मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका कोशिकाओं की एक दूसरे के साथ संवाद करने की क्षमता प्रभावित होती है;
14. **"पार्किंसंस रोग"** का अर्थ तंत्रिका तंत्र का एक प्रगतिशील रोग है, जिसमें कंपन, मांसपेशियों में कठोरता और धीमी, अनिश्चित गति होती है, जो मुख्य रूप से मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग लोगों को प्रभावित करती है, जो मस्तिष्क के बेसल गैन्लिया के अध:पतन और न्यूरोट्रांसमीटर डोपामाइन की कमी से जुड़ी होती है।

छ. रक्त विकार

15. **"हीमोफिलिया"** का अर्थ एक वंशानुगत बीमारी है, जो आमतौर पर केवल पुरुष को प्रभावित करती है लेकिन महिलाओं द्वारा अपने पुरुष बच्चों को संचारित करती है, जिसमें रक्त की सामान्य थक्के की क्षमता का नुकसान या हानि होती है ताकि एक मामूली घाव के परिणामस्वरूप घातक रक्तस्राव हो सके।
16. **"थैलेसीमिया"** का अर्थ वंशानुगत विकारों का एक समूह है, जिसमें हीमोग्लोबिन की मात्रा कम या अनुपस्थित होती है।
17. **"सिकल सेल रोग"** का अर्थ है एक रक्तसंलायी विकार, जिसमें दीर्घकालिक रक्ताल्पता, दर्दनाक घटनाएं, तथा संबंधित ऊतकों और अंगों की क्षति के कारण विभिन्न जटिलताएं होती हैं; "रक्तसंलायी" का अर्थ है लाल रक्त कोशिकाओं की कोशिका झिल्ली का विनाश, जिसके परिणामस्वरूप हीमोग्लोबिन का स्राव होता है।

ज. एकाधिक विकलांगताएं (उपर्युक्त निर्दिष्ट विकलांगताओं में से एक से अधिक)

भारती कॉलेज BHARATI COLLEGE
न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।

बहरा अंधापन सहित कई विकलांगताएं जिसका अर्थ है एक ऐसी स्थिति जिसमें किसी व्यक्ति के पास गंभीर संचार, विकास और शैक्षिक समस्याओं का कारण बनने वाली श्रवण और दृश्य हानि का संयोजन हो सकता है।

झ. कोई अन्य श्रेणी जो केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित की जाए।

बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) के संबंध में शुल्क की रियायत/छूट

क) विश्वविद्यालय के संकायों, विभागों, केंद्रों और संस्थानों/कॉलेजों में अध्ययन के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने वाले शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को प्रवेश शुल्क, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ की सदस्यता और पहचान पत्र शुल्क (विश्वविद्यालय के अध्यादेश X(4) में संशोधन के अनुसार) को छोड़कर **परीक्षा शुल्क और अन्य विश्वविद्यालय शुल्क सहित शुल्क के भुगतान से छूट दी जाएगी।**

ख) पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार जो अनारक्षित श्रेणी की योग्यता को पूरा करते हैं और अनारक्षित श्रेणी (यूआर) में प्रवेश लेंगे, उन्हें पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार के लिए प्रासंगिक शुल्क का भुगतान करना होगा।

ग) कार्यकारी परिषद के संकल्प संख्या 50 दिनांकित 03.11.2012 के अनुसार, विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों/हॉल में रहने वाले शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को वापसी योग्य सावधानी शुल्क और मेस शुल्क को छोड़कर **सभी छात्रावास शुल्क और प्रभारों के भुगतान से छूट दी गई है।** शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति जो छात्र हैं, उन्हें मेस शुल्क का 50% भुगतान करना होगा और उनकी मेस फीस का शेष 50% दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाएगा। **कॉलेजों द्वारा कॉलेजों के विभिन्न छात्रावासों में रहने वाले दिव्यांग छात्रों के संबंध में इसी तरह के मानदंड अपनाए जाने हैं।**

घ) जिन पीडब्ल्यूबीडी छात्रों को फैलोशिप / वित्तीय सहायता मिल रही है, उन्हें निम्नलिखित शर्तों के अधीन फीस/शुल्क/ मेस शुल्क के भुगतान से छूट दी जाएगी।

फेलोशिप का मूल्य	शुल्क माफी आदि से छूट
3000/- प्रति माह तक	फीस माफी + 50% मेस सब्सिडी
3001/- से 8000/- प्रति माह	फीस माफी लेकिन मेस सब्सिडी नहीं
8001/- और उससे अधिक प्रति माह	कोई फीस माफी नहीं और कोई छात्रावास सब्सिडी नहीं

उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पीडब्ल्यूबीडी प्रमाण पत्र अभ्यर्थी के नाम पर हो तथा किसी मान्यता प्राप्त सरकारी अस्पताल द्वारा जारी किया गया हो, तथा उस पर अभ्यर्थी का विधिवत् सत्यापित फोटोग्राफ लगा हो।

सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चे/विधवाएँ (सीडब्ल्यू)

सभी कॉलेजों में कार्यक्रमवार इस श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए पाँच प्रतिशत (5%) सीटें आरक्षित हैं। विश्वविद्यालय के सीडब्ल्यू कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2024 में उपस्थित होना होगा।

ऐसे सभी उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी प्राधिकारी द्वारा जारी शैक्षिक रियायत प्रमाण पत्र (ईसीसी) को उचित पत्रशीर्ष पर अपलोड करना होगा:

(a) सचिव, केंद्रीय सैनिक बोर्ड, दिल्ली।
(b) सचिव, राज्य जिला सैनिक बोर्ड।
(c) प्रभारी अधिकारी, रिकॉर्ड कार्यालय।
(d) प्रथम श्रेणी वजीफा मजिस्ट्रेट।
(e) गृह मंत्रालय (वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुलिस कर्मियों के लिए)

किसी अन्य प्रारूप की अनुमति नहीं होगी। माता-पिता या आश्रित, चिकित्सा कार्ड, राशन कार्ड, सीएसडी कार्ड आदि के आईडी कार्ड के रूप में सीडब्ल्यू श्रेणी के प्रमाण सही प्रारूप में प्रमाण पत्र के बदले स्वीकार्य नहीं हैं। प्रमाणपत्र में प्राथमिकता का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए। जिन प्रमाणपत्रों में प्रासंगिक प्राथमिकता का उल्लेख नहीं है, उन पर विचार नहीं किया जाएगा*।

सशस्त्र बलों (प्राथमिकता IX तक) के कार्मिकों के बच्चों/विधवाओं को, जिनमें अर्धसैनिक कार्मिक भी शामिल हैं (केवल प्राथमिकता I से V तक), निम्नलिखित वरीयता क्रम में प्रवेश दिया जा सकता है:

प्राथमिकता I	युद्ध में मारे गए रक्षा कार्मिकों की विधवाएँ/ आश्रित;
प्राथमिकता II	युद्ध में विकलांग हुए और विकलांगता के कारण सेवा से बाहर हुए रक्षा कार्मिकों के आश्रितों को सैन्य सेवा में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी;
प्राथमिकता III	रक्षा कार्मिकों की विधवाएँ/आश्रित जिनकी सेवा के दौरान मृत्यु हो गई, सैन्य सेवा के लिए पात्र;
प्राथमिकता IV	सेवा के दौरान विकलांग हुए और विकलांगता के कारण सेवा से बाहर किए गए रक्षा कार्मिकों के आश्रितों को सैन्य सेवा के लिए सक्षम माना जाता है;
प्राथमिकता V	भूतपूर्व सैनिकों और सेवारत कर्मियों के बच्चे, जिनमें वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुलिस बल के कर्मी भी शामिल हैं; परमवीर चक्र

	अशोक चक्र महावीर चक्र कीर्ति चक्र वीर चक्र शौर्य चक्र वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक/अग्निशमन सेवा कर्मियों के लिए राष्ट्रपति वीरता पदक सेना पदक (वीरता), नौ सेना पदक (वीरता), वायु सेना पदक (वीरता) प्रेषण में उल्लेख वीरता के लिए पुलिस पदक/अग्निशमन सेवाओं के लिए वीरता पदक
प्राथमिकता VI	भूतपूर्व सैनिकों के आश्रित।
प्राथमिकता VII	पत्नियां: कार्रवाई में अक्षम रक्षा कर्मी और सेवा से बाहर निकल गए। सेवा में अक्षम रक्षा कर्मी और सैन्य सेवा में सक्षम विकलांगता विशेषता के साथ बोर्डिंग। भूतपूर्व सैनिक और सेवारत कार्मिक जो वीरता पुरस्कार प्राप्त कर रहे हैं।
प्राथमिकता VIII	सेवारत कार्मिकों के आश्रित
प्राथमिकता IX	सेवारत कार्मिकों की पत्नियाँ

*विश्वविद्यालय ईसीसी के साथ सहायक दस्तावेज माँग सकता है।

कश्मीरी प्रवासी

कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए सभी कॉलेजों में कार्यक्रम के अनुसार 5% तक सीटें आरक्षित हैं। कश्मीरी प्रवासियों के सभी बच्चों को संभागीय आयुक्त/राहत आयुक्त द्वारा जारी कश्मीरी प्रवासियों के रूप में पंजीकरण का प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा।
कश्मीरी प्रवासियों के कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2024 में शामिल होना होगा।

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी)-2024 में शामिल होना होगा।

सिक्किमी छात्रों के लिए सीटों का नामांकन

सिक्किम नामांकन योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2024 में उपस्थित होना होगा।

सिक्किम सरकार द्वारा नामित सिक्किमी छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा उन कॉलेजों में प्रवेश के लिए विचार किया जाएगा जहाँ छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है (एसी संकल्प 51 दिनांकित 05/06/1980 और 122 दिनांकित 17/12/1990)। संबंधित कॉलेजों में प्रवेश के साथ-साथ छात्रावास आवास के लिए सिक्किमी छात्रों का आवंटन कुलपति द्वारा अपने विवेक पर किया जाएगा।

इन मनोनीत सीटों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है:

कार्यक्रम	**सीटें**	**कार्यक्रम**	**सीटें**
बीए प्रोग्राम	3	बी.कॉम.	4
बीए (ऑनर्स)	1	बी.एससी. फिजीकल साइंस/ एप्लाइड फिजीकल साइंस	2
बी.कॉम. (ऑनर्स)	2	बी.एससी. लाइफ साइंस/ एप्लाइड लाइफ साइंस	2

भारती कॉलेज
BHARATI COLLEGE
न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वार्ड कोटा

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के वार्ड कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2024 में उपस्थित होना होगा।

विश्वविद्यालय और उसके कॉलेज कर्मचारियों के शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों वार्डों में प्रवेश अकादमिक परिषद के संकल्प 9 ए और बी दिनांकित 27.11.2020 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार किया जाएगा।

अकादमिक परिषद संकल्प 9 (ए और बी) दिनांकित 27.11.2020

दिल्ली विश्वविद्यालय
University of Delhi

परिषद शाखा / Council Branch-I
कमरा संख्या / Room No.- 212
नया प्रशासनिक खंड / New Administrative Block,
दिल्ली / Delhi-110007
दूरभाष / Telephone-27001155
Email: councilbranch@gmail.com

Ref. No. CNC-I/ A.C.(1)Res/2020/ Dated : 07.12.2020

Enclosed please find herewith the following Academic Council Resolutions for information and necessary action at your end.

A.C. Res. No. 08, 09 and 11 (11-1), (11-2), (11-3), (11-5), (11-6), (11-7), (11-8), (11-10), (11-11), dated 27.11.2020.

Relevant documents / Original files are enclosed.

Yours faithfully,

7-12-2020

Section Officer (Council-I)

The Section Officer
Academic Branch-I
University of Delhi,
Delhi-110007.

CNC-I/Res-02
07.12.2020

UNIVERSITY OF DELHI

ACADEMIC COUNCIL
RESOLUTION NO. - 09
DATED : 27.11.2020

Resolution No. - 09

9/- The Council considered the recommendations of the Committee constituted by the Competent Authority with regard to enhancement of seat for admission under Ward Quota. The Council resolved that the wards of the employees {(Teaching, Non-teaching (on rolls and superannuated); (Temporary, Adhoc, Contractual) with three years of service} of the University of Delhi and its colleges in the various Under-Graduate, Post-Graduate and Professional Courses (subject to the approval of the concerned professional bodies as applicable, if any), in the University Departments and its Colleges shall be in the order of preference as under.

1. Permanent Staff: Teaching and Non-Teaching
2. Retired Staff: Teaching and Non-Teaching
3. Temporary/Ad-hoc and Contractual Staff: Teaching and Non-Teaching { with three years of service}

The procedure for granting admission in the Under-graduate, Post-graduate and Professional Courses in the University Departments and its Colleges shall be as under:

a. **For admission of the Wards (Sons/ daughters) of the employees at the college where employees are working:**

Admission to the sons/ daughters of employees (teaching and non-teaching separately) who are working in the college, in courses including Professional courses (subject to the approval of the concerned professional bodies as applicable, if any) be given on the basis of merit (Qualifying Examination and/or Entrance Test) among such candidates subject to ordinarily one seat for every unit of up to sixty students in a course and subject to fulfillment of minimum eligibility conditions.

b. For admission of the Wards (sons/ daughters) of the employees of the University/ other colleges (teaching/ non-teaching):

The total number of seats for admission for the sons/ daughters of the University/ other colleges' employees (teaching and non-teaching) who are working in the University/ other colleges, in courses including Professional courses (subject to the approval of the concerned professional bodies as applicable, if any) will not exceed Sixteen (Eight for the teaching and Eight for the non-teaching employees) on the basis of merit (Qualifying Examination and/or Entrance Test) among such candidates subject to a maximum of ordinarily one seat for every unit of up to sixty students in a course and subject to fulfillment of minimum eligibility conditions.

The admission of the above norms will be against seats over and above the normal strength.

पंजीकरण के समय उम्मीदवारों के पास उचित अधिकारियों द्वारा जारी वैध रोजगार प्रमाणपत्र होना चाहिए। पंजीकरण के समय अपलोड किए गए रोजगार प्रमाणपत्र पर ही विचार किया जाएगा। पहचान पत्र, आधार कार्ड और/या कोई अन्य दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनाथ कोटा

अनाथ बच्चों के लिए अतिरिक्त कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी)-2024 में उपस्थित होना होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर अध्ययन के प्रत्येक कार्यक्रम में दो उम्मीदवारों (एक पुरुष और एक महिला) को प्रवेश देगा। ये दोनों सीटें अतिरिक्त होंगी। विश्वविद्यालय की परिषद ने आगे संकल्प किया कि विश्वविद्यालय या उसके कॉलेजों में ऐसे छात्रों के प्रवेश और अध्ययन को जारी रखने के लिए किए गए व्यय को विश्वविद्यालय कल्याण कोष या कॉलेज छात्र कल्याण कोष, जैसा भी मामला हो, विश्वविद्यालय या कॉलेज में प्रवेश के लिए पूरा किया जाएगा।

पाठ्येतर गतिविधियाँ (ईसीए) और खेल कोटा

ईसीए और/या खेल के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी)-2024 में उपस्थित होना चाहिए।

ईसीए और खेल अधिसंख्य सीटों में प्रवेश के लिए सीयूईटी स्कोर को 25% और प्रमाण पत्र/परीक्षण/प्रदर्शन को 75% का वेटेज दिया जाएगा।

खेल और पाठ्येतर गतिविधियाँ

खेल गतिविधियों के आधार पर प्रवेश

क्र.सं.	खेल	सीटों की संख्या
1.	मुक्केबाजी	3
2.	क्रिकेट	6
3.	हॉकी	11
4.	फुटबॉल	7
6.	खो-खो	8
6.	टेबल-टेनिस	3
7.	ताइक्वांडो	4
8.	वॉलीबॉल	5
कुल		47

पाठ्येतर गतिविधियों के आधार पर प्रवेश

क्र.सं.	श्रेणी	उप-श्रेणी	उप-श्रेणी	सीटों की संख्या
1.	नृत्य	2a.	भारतीय शास्त्रीय	4
		2d.	नृत्यकला	1
2.	डिजीटल मीडिया	4b.	फिल्म निर्माण	1
		4c.	एनिमेशन	1
3.	ललित कला	5a.	स्केचिंग और पेंटिंग	1

4.	संगीत (गायन)	6a.	भारतीय (शास्त्रीय और हल्का)	1
5.	संगीत (वाद्य: भारतीय)	7a.	तबला	1
		7f.	हारमोनियम	1
6.	संगीत (वाद्य: पश्चिमी)	8d.	गिटार (लीड)	1
		8g.	कीबोर्ड	1
कुल				13

भारती कॉलेज
BHARATI COLLEGE
न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

शुल्क संरचना

भारती कॉलेज

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए शुल्क संरचना

क्र.सं.	विवरण	शुल्क ₹ में
1	शिक्षा शुल्क	180.00
2	कॉलेज विकास निधि	1,000.00
3	कॉलेज छात्रसंघ निधि	300.00
4	छात्र सुरक्षा शुल्क (वापसी योग्य)	1,000.00
5	कॉलेज सुविधाएं और सेवा शुल्क	2,775.00
6	कॉलेज छात्र कल्याण कोष	8,000.00
7	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	250.00
8	विश्वविद्यालय विकास निधि	1,200.00
9	विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क	1,250.00
10	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सहायता विश्वविद्यालय निधि	200.00
	कुल:	**16,155.00**

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों की शुल्क संरचना

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	शुल्क ₹ में
1	बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	16,155.00
2	बीए (ऑनर्स) हिंदी	16,155.00
3	बीए (ऑनर्स) संस्कृत	16,155.00
4	बीए (ऑनर्स) इतिहास	16,155.00
5	बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी	16,155.00

6	बीए (ऑनर्स) पत्रकारिता	16,155.00
7	बीए (ऑनर्स) समाजशास्त्र	16,155.00
8	बी.एससी (ऑनर्स) गणित	16,155.00
9	बीए (ऑनर्स) मनोविज्ञान	17,665.00
10	बी.कॉम (ऑनर्स)	16,255.00
11	बीए (प्रोग्राम) नियमित	16,155.00
12	बीए (प्रोग्राम) ओएमएसपी	16,455.00
13	बीए (प्रोग्राम) एचडीएफई	16,755.00
14	बीए (प्रोग्राम) संगीत	17,355.00
15	बीए (प्रोग्राम) कंप्यूटर एप्लीकेशन	18,555.00
16	बी.कॉम (प्रोग्राम)	16,255.00

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए पीडब्ल्यूबीडी छात्रों के लिए शुल्क संरचना

क्र.सं	विवरण	शुल्क ₹ में
1	प्रवेश शुल्क	5.00
1	छात्र संघ	300.00
2	पहचान पत्र एवं आईटी सेवा शुल्क	870.00
	कुल:	**1,175.00**

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए अनाथ छात्रों के लिए शुल्क संरचना

क्र.सं.	विवरण	शुल्क ₹ में
1.	प्रवेश शुल्क	10
2.	परीक्षा शुल्क	10
3.	छात्रावास शुल्क	10

भाषा पाठ्यक्रमों के लिए शुल्क संरचना

1.	फ्रेंच/जर्मन भाषा में सर्टिफिकेट	₹ 12,500.00
2.	रूसी भाषा में प्रमाणपत्र	₹ 1,772.00
3.	चीनी भाषा में प्रमाणपत्र	₹ 17,000.00
4.	जर्मन/फ्रेंच में डिप्लोमा	₹ 15,000.00
5.	चीनी भाषा में डिप्लोमा	₹ 17000.00
6.	फ्रेंच/जर्मन में एडवांस डिप्लोमा	₹ 20,000.00

एनआईईएलआईटी 'O' और 'A' स्तर के लिए शुल्क संरचना

1.	'O' स्तर	₹ 15,000.00
2.	'A' स्तर	₹ 38,000.00

शार्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स के लिए शुल्क संरचना

1.	डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया में डिप्लोमा	₹ 18,000.00
2.	कर और लेखांकन में सर्टिफिकेट कोर्स	₹ 30,000.00
3.	प्रमाणित डाटा एंट्री और कार्यालय सहायक	₹ 9,246.00
4.	कंप्यूटर अवधारणाओं पर कोर्स	₹ 5,800.00
5.	प्रमाणित वेब डेवलपर	₹ 12,810.00

शुल्क वापसी

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए निम्नलिखित शुल्क वापसी नीति:

क किसी भी दिशा-निर्देश/विवरण/अधिसूचना/अनुसूची में निहित किसी भी बात के बावजूद, 30 सितंबर 2024 तक छात्रों के सभी प्रवेश रद्दीकरण/स्थानांतरण के कारण उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा शुल्क की पूरी वापसी की जाएगी और 31 अक्टूबर 2024 तक प्रसंस्करण शुल्क के रूप में 1,000 रुपये से अधिक की कटौती नहीं की जाएगी।

ख यह सभी उच्च शिक्षा संस्थाओं पर लागू होगा, चाहे वे केन्द्रीय अधिनियम या राज्य अधिनियम द्वारा या उसके अंतर्गत स्थापित या निगमित हों, तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 2 के खंड (एफ) के अंतर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त प्रत्येक संस्था और धारा 3 के अंतर्गत विश्वविद्यालय माने जाने वाले सभी संस्थानों तथा विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी उच्च शिक्षा संस्थाओं पर लागू होगा।

ग ये दिशानिर्देश उन संगठनों, संकायों, समितियों, संघों आदि पर भी लागू होंगे, जो भाग लेने वाले उच्च शिक्षा संस्थानों की ओर से परामर्श या प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क एकत्र करने के उद्देश्य से गठित किए गए हैं, और संबंधित उच्च शिक्षा संस्थान शुल्क वापसी के लिए जिम्मेदार होगा।

घ 31 अक्टूबर 2024 के बाद शुरू होने वाले प्रवेश कार्यक्रम के लिए, शुल्क वापसी और मूल प्रमाण पत्रों को न रखने पर अक्टूबर 2018 में जारी यूजीसी अधिसूचना में निहित प्रावधान लागू होंगे (तत्काल संदर्भ के लिए नीचे पुन: प्रस्तुत)।

श्रेणी	शुल्क वापसी का प्रतिशत	वह समय जब उच्च शिक्षा संस्थान में प्रवेश वापसी की सूचना प्राप्त होती है
1	100%	प्रवेश की औपचारिक रूप से अधिसूचित अंतिम तिथि से 15 दिन या उससे अधिक
2	90%	प्रवेश की औपचारिक रूप से अधिसूचित अंतिम तिथि से 15 दिन से कम समय पहले
3	80%	प्रवेश की औपचारिक रूप से अधिसूचित अंतिम तिथि के 15 दिन या उससे कम समय बाद
4	50%	प्रवेश की औपचारिक रूप से अधिसूचित अंतिम तिथि के 30 दिन या उससे कम, किन्तु 15 दिन से अधिक समय बाद
5	00%	प्रवेश की औपचारिक रूप से अधिसूचित अंतिम तिथि के 30 दिन से अधिक समय बाद

ड. यह नीति यूजीसी द्वारा संशोधित नीति जारी होने तक आगामी शैक्षणिक सत्रों के लिए लागू रहेगी।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि यूजीसी ने छात्र शिकायत निवारण विनियम, 2023 को अधिसूचित किया है, जिसमें "समय-समय पर आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों, यदि कोई हो, के अधीन, विवरणिका में उल्लिखित समय के भीतर प्रवेश वापस लेने वाले छात्र को देय शुल्क की वापसी में देरी या इनकार" को शिकायतों में से एक के रूप में परिभाषित किया गया है।

उच्च शिक्षा संस्थानों से अनुरोध है कि वे शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए शुल्क वापसी नीति का अनुपालन सुनिश्चित करें और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (छात्रों की शिकायतों का निवारण) विनियम, 2023 के प्रावधानों द्वारा किसी भी शिकायत का निवारण करें।

सत्र 2024-25 के लिए यूजीसी शुल्क वापसी नीति के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले किसी भी उच्च शिक्षा संस्थान पर अक्टूबर 2018 में जारी शुल्क वापसी और मूल प्रमाण पत्र न रखने पर यूजीसी अधिसूचना के खंड 5 में अधिसूचित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

भारती कॉलेज
BHARATI COLLEGE
न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

एम.ए. हिंदी
बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी
बीए (ऑनर्स) हिंदी
बीए (ऑनर्स) इतिहास
बीए (ऑनर्स) पत्रकारिता
बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान
बीए (ऑनर्स) मनोविज्ञान
बीए (ऑनर्स) संस्कृत
बीए (ऑनर्स) समाजशास्त्र
बी.कॉम. (ऑनर्स)
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित
बीए प्रोग्राम
बी.कॉम प्रोग्राम

बीए प्रोग्राम के लिए विकल्प के रूप में शैक्षणिक विषय	**बीए प्रोग्राम के लिए विकल्प के रूप में व्यावसायिक विषय**
अर्थशास्त्र राजनीति विज्ञान इतिहास संस्कृत पंजाबी	कंप्यूटर एप्लीकेशन मानव विकास और परिवार सशक्तिकरण (एचडीएफई) संगीत कार्यालय प्रबंधन और सचिवीय अभ्यास (ओएमएसपी)

ऐड-ऑन पाठ्यक्रम

1. कंप्यूटर: एनआईईएलआईटी 'O' और 'A' स्तर

भारती कॉलेज ने एमबीआईटी कम्प्यूट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड (एनआईईएलआईटी से मान्यता प्राप्त संस्थान) के साथ हाथ मिलाया है और एनआईईएलआईटी 'O' और 'A' स्तर के डिप्लोमा कम्प्यूटर पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिनकी नियमित कक्षाएं पिछले 18 वर्षों से कॉलेज परिसर में आयोजित की जा रही हैं।
इन पाठ्यक्रमों का विवरण कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध है:
https://www.bharaticollege.du.ac.in/bc/du/computer-courses

2. विदेशी भाषा पाठ्यक्रम

भारती कॉलेज फ्रेंच, जर्मन, चीनी और रूसी भाषाओं में अंशकालिक सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है। हालांकि पाठ्यक्रम कॉलेज द्वारा चलाए और प्रशासित किए जाते हैं, पाठ्यविवरण दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किया जाता है। छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई और प्रशासित परीक्षा और छात्रों को प्राप्त होने वाला प्रमाण पत्र दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिया जाता है।

कॉलेज निम्नलिखित विदेशी भाषा पाठ्यक्रम प्रदान करता है:

- जर्मन, फ्रेंच, चीनी और रूसी भाषा में सर्टिफिकेट
- चीनी, फ्रेंच और जर्मन भाषा में डिप्लोमा
- फ्रेंच और जर्मन भाषा में एडवांस डिप्लोमा

फ्रेंच और जर्मन - दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग के सहयोग से, कॉलेज **फ्रेंच और जर्मन भाषा पाठ्यक्रम** प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम कॉलेज द्वारा स्व-वित्तपोषित आधार पर चलाया और संचालित किया जाता है और पाठ्यविवरण दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किया जाता है। छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा तैयार और संचालित परीक्षा देते हैं।

चीनी - दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग के सहयोग से, कॉलेज **सर्टिफिकेट स्तर पर चीनी भाषा** प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम कॉलेज द्वारा स्व-वित्तपोषित आधार पर चलाया और प्रशासित किया जाता है और पाठ्यविवरण दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किया जाता है। छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा तैयार और प्रशासित परीक्षा देते हैं।

रूसी - दिल्ली विश्वविद्यालय के स्लावोनिक और फिनो-उग्रियन अध्ययन विभाग के सहयोग से, कॉलेज **रूसी भाषा** में एक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम कॉलेज द्वारा स्व-वित्तपोषित आधार पर

चलाया और संचालित किया जाता है और पाठ्यविवरण दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किया जाता है। छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा तैयार और संचालित परीक्षा देते हैं।

पात्रता मानदंड और प्रवेश प्रक्रिया का विवरण कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध है:

https://www.bharaticollege.du.ac.in/bc/du/foreign-language-courses

भारती कॉलेज
BHARATI COLLEGE
न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

शार्ट टर्म सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

1. डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया विज्ञापन में डिप्लोमा
2. कर और लेखांकन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
3. प्रमाणित डाटा एंट्री और कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग)
4. कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम
5. प्रमाणित वेब डेवलपर

भारती कॉलेज अपने छात्रों के समग्र विकास के लिए प्रयासरत है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, छात्रों को कई तरह के अल्पकालिक पाठ्यक्रमों का विकल्प दिया जाता है। ये पाठ्यक्रम न केवल बाजार-उन्मुख हैं, जो छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाते हैं, बल्कि बहुत ही लागत प्रभावी भी हैं, यानी काफी कम शुल्क पर प्रदान किए जाते हैं।

पाठ्यक्रम बाहरी संगठनों के सहयोग से संचालित किए जाते हैं और सामग्री का चयन बाजार विशेषज्ञों के परामर्श से किया जाता है। अनुभवात्मक शिक्षा को सक्षम बनाने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इसका उद्देश्य छात्रों को विभिन्न बाजार कौशल से लैस करने के लिए सिद्धांत और व्यावहारिक प्रशिक्षण का एक आदर्श मिश्रण प्रदान करना है।

चूँकि ये पाठ्यक्रम नियमित कक्षाओं (मौजूदा स्थिति के आधार पर ऑनलाइन या ऑफ़लाइन) के बाद आयोजित किए जाते हैं, इसलिए छात्रों को अपनी डिग्री पूरी करने और अपने प्रोफाइल को बेहतर बनाने के लिए कई अतिरिक्त कौशल हासिल करने का दोहरा लाभ मिलता है। छात्रों को पाठ्यक्रम के सफल समापन पर भारती कॉलेज और भाग लेने वाले संगठन द्वारा जारी एक संयुक्त प्रमाण पत्र मिलता है।

एम.ए. हिंदी

एम.ए. हिंदी में प्रवेश के लिए, उम्मीदवारों को कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता को पूरा करना चाहिए और संबंधित सीयूईटी पेपर में उपस्थित होना चाहिए। सीयूईटी पेपर के पाठ्यविवरण के लिए pgcuet.samarth.ac.in देखें। नोट: पूर्ण विवरण के लिए कृपया दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा **स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु जारी सूचना बुलेटिन** देखें।

BHARATI COLLEGE

(UNVIERSITY OF DELHI)

SANCTIONED STRENGTH FOR 2024-2025

S. NO.	COURSES	SANCTIONED STRENGTH CATEGORY WISE					Total Sanctioned Seats	SUPERNUMERARY SEATS								
		General	SC	ST	OBC	EWS		KM	PwD	CW	Ward Quota	Sikki-mese	Foreign Students	SPORTS	ECA	Grand Total
	B. A. (Programme)															
1	B. A. (Programme)	93	36	17	62	23	231	12	12	12		3	12	21	2	305
	Total	**93**	**36**	**17**	**62**	**23**	**231**	**12**	**12**	**12**		**3**	**12**	**21**	**2**	**305**
	B. A. (Hons.)															
2	B.A. (Hons.) English	31	12	6	21	8	78	4	4	4			4	2	1	97
3	B.A. (Hons.) Hindi	31	12	6	21	8	78	4	4	4			4	2	0	96
4	B.A. (Hons.) Sanskrit	31	12	6	21	8	78	4	4	4			4	0	0	94
5	B.A. (Hons.) History	31	12	6	21	8	78	4	4	4		1	4	3	1	98
6	B.A. (Hons.) Political Science	31	12	6	21	8	78	4	4	4			4	3	1	98
7	B. A. (Hons.) Journalism	23	9	4	15	6	57	3	3	3			3	2	1	72
8	B. A. (Hons.) Psychology	23	9	4	15	6	57	3	3	3			3	2	1	72
9	B. A. (Hons.) Sociology	23	9	4	15	6	57	3	3	3			3	2	1	72
10	B. Sc. (Hons.) Mathematics	23	9	4	15	6	57	3	3	3		-	3	2	1	72
	Total	**247**	**96**	**46**	**165**	**64**	**618**	**32**	**32**	**32**		**1**	**32**	**18**	**7**	**772**
	B. Com.															
11	B. Com. (Hons)	61	23	11	41	15	151	8	8	8		2	8	3	2	190
12	B. Com. (Prog.)	78	29	14	52	19	192	10	10	10		4	10	5	2	243
	Total	**139**	**52**	**25**	**93**	**34**	**343**	**18**	**18**	**18**		**6**	**18**	**8**	**4**	**433**
	GRAND TOTAL	**479**	**184**	**88**	**320**	**121**	**1192**	**62**	**62**	**62**	**16**	**10**	**62**	**47**	**13**	**1526**

SC-15% OBC-27% Sports/ECA-5% Foreign Students-upto 5% EWS - 10%

ST-7.5% PwD-5% KM-Upto 5% CW-Upto 5%

Ward Quota 1. Total Number of seats for admission will not exceed 16 (Sixteen)
(Eight for the Teaching Staff and Eight for Non-Teaching Staff Employees)

Prof. Saloni Gupta
Principal

BHARATI COLLEGE

(UNVIERSITY OF DELHI)

B. A. (Programme) SANCTIONED STRENGTH FOR 2024-2025

S. NO.	COURSES	SANCTIONED STRENGTH CATEGORY					Total Sanctioned Seats	SUPERNUMERARY SEATS								
		General	OBC	SC	ST	EWS		KM	PwD	CW	Ward Quota	Sikki-mese	Foreign Students	Sports	ECA	Grand Total
	B. A. (Programme)	**93**	**62**	**36**	**17**	**23**	**231**	**12**	**12**	**12**		**3**	**12**	**21**	**2**	**305**
1	B.A Programme (History + Political Science)	10	7	4	2	3	26	1	1	1			1	4	0	34
2	B.A Programme (Sanskrit + History)	11	7	4	2	3	27	1	1	1			1	1	0	32
3	**B.A Programme (Sanskrit + Economics)**	**3**	**2**	**1**	**1**	**1**	8	1	1	1			1	0	0	12
4	**B.A Programme (Punjabi + Economics)**	**3**	**3**	**2**	**1**	**1**	10	1	1	1			1	0	0	14
5	B.A Programme (History + Music)	7	4	2	1	1	15	1	1	1			1	1	0	20
6	B.A Programme (Computer Applications + Political Science)	9	6	4	2	2	23	1	1	1			1	2	0	29
7	B.A Programme (Music + Political Science)	6	4	2	1	1	14	1	1	1			1	2	1	21
8	B.A Programme (Punjabi + History)	2	2	1	0	1	6	0	0	0			0	0	0	6
9	B.A Programme (History + OMSP)	4	3	2	1	1	11	1	1	1			1	2	0	17
10	B.A Programme (Economics + Political Science)	9	7	4	2	3	25	1	1	1			1	3	0	32
11	B.A Programme (HDFE + Political Science)	12	8	5	2	3	30	1	1	1			1	2	0	36
12	B.A Programme (Economics + OMSP)	7	4	2	1	1	15	1	1	1			1	2	0	21
13	B.A Programme (Computer Applications + Economics)	10	5	3	1	2	21	1	1	1			1	2	1	28
	Total	**93**	**62**	**36**	**17**	**23**	**231**	**12**	**12**	**12**	**16**	**3**	**12**	**21**	**2**	**305**

SC-15% OBC-27% Sports/ECA-5% Foreign Students-upto 5% EWS - 10%
ST-7.5% PwD-5% KM-Upto 5% CW-Upto 5%
Ward Quota
1. Total Number of seats for admission will not exceed 16 (Sixteen)
(Eight for the Teaching Staff and Eight for Non-Teaching Staff Employees)

Prof. Saloni Gupta
Principal

भारती कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

2024-2025 के लिए स्वीकृत संख्या

S. NO.	COURSES	SPORTS	ECA	Grand Total
	B. A. (Programme)			
1	B. A. (Programme)	10	2	12
	Total	**10**	**2**	**12**
	B. A. (Hons.)			
2	B.A. (Hons.) English	3	1	4
3	B.A. (Hons.) Hindi	3	-	3
4	B.A. (Hons.) Sanskrit	3	-	3
5	B.A. (Hons.) History	3	1	4
6	B.A. (Hons.) Political Science	3	1	4
7	B. A. (Hons.) Journalism	2	1	3
8	B. A. (Hons.) Psychology	2	1	3
9	B. A. (Hons.) Sociology	2	1	3
10	B. Sc. (Hons.) Mathematics	2	1	3
	Total	**23**	**7**	**30**
	B. Com.			
11	B. Com. (Hons)	6	2	8
12	B. Com. (Prog.)	8	2	10
	Total	**14**	**4**	**18**
	GRAND TOTAL	**47**	**13**	**60**

स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा यूजीसीएफ – 2022

यूजीसीएफ - 2022 राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी - 2020) में निहित उच्च शिक्षा के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, दार्शनिक आधार और समकालीन वास्तविकताओं को रेखांकित करता है और उच्च शिक्षा की स्थिति के लिए आगे की राह तैयार करते हुए इन आधारशिलाओं को समन्वित करने का प्रयास करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय, जो उच्च शिक्षा में शिक्षण, अधिगम और शोध का एक प्रमुख केंद्र है, जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा जाता है, ने शिक्षा के हर क्षेत्र में शिखर तक पहुँचने की चाहत को सही मायने में, राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान के रूप में पोषित किया है। इसके अलावा, उच्च शिक्षा के विस्तार के माध्यम से मानव संसाधन विकास के क्षितिज का विस्तार करने में मशाल वाहक के रूप में कार्य करने के लिए अधिकृत एक केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते, इसने वर्षों से अपने स्नातक पाठ्यक्रम विकास में एक नियमित विशेषता के रूप में रचनात्मक और सार्थक नवाचार के लिए हमेशा पर्याप्त प्रीमियम का भुगतान किया है।

इस तरह के सतत और निरंतर प्रयास का प्रतिबिंब पिछले दशकों में स्नातक पाठ्यक्रम ढांचे के क्रमिक संशोधन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है, जो वैश्विक स्तर पर नई सहस्राब्दी में उच्च शिक्षा में उभरते रुझानों के साथ तालमेल रखता है और हमारे देश के युवाओं को समृद्ध बनाने में इसके महत्वपूर्ण महत्व को दर्शाता है, जो किसी भी अन्य चीज से अधिक नवीन और व्यावहारिक उन्मुख शिक्षण-अधिगम के माध्यम से कौशल विकास की मौजूदा प्राथमिकताओं से सुसज्जित हैं।

एनईपी-2020 में स्पष्ट रूप से सामने आए महान उद्देश्य को साकार करने के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने स्नातक पाठ्यक्रम ढांचे के पुनर्गठन और परिष्कार की संभावना का पता लगाने का प्रयास किया है, जो हमारे राष्ट्र के युवाओं की कल्पना को पकड़ने के लिए एनईपी-2020 के उद्देश्य और अंतर्निहित दर्शन के अनुरूप है, जो वैश्विक स्तर पर हमारे जनसांख्यिकीय लाभ की समकालीन वास्तविकताओं को दर्शाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किए गए इस व्यापक अभ्यास का फलस्वरूप परिणाम यूजीसीएफ - 2022 है, जो न केवल एनईपी-2020 के सार और आत्मा को अक्षरशः रेखांकित करता है, बल्कि दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके घटक कॉलेजों के वास्तविक शैक्षणिक वातावरण को आत्मसात करते हुए अनुसंधान, नवाचार, प्रशिक्षुता, सामाजिक आउटरीच, उद्यमिता और मानव ज्ञान और प्रयास के ऐसे ही क्षेत्रों के प्रति युवा दिमागों को आकर्षित करने के लिए स्नातक स्तर पर एक शिक्षण-अधिगम ढांचा भी तैयार करता है।

UNIVERSITY OF DELHI

Ref. No. Exam.VII/(Conduct)/01
Dated: 06.03.2023

NEP-UGCF 2022-GUIDELINES

1. The entire evaluation process for Ability Enhancement Course (AEC), Skill Enhancement Course (SEC) & Value Addition Course (VAC) papers shall be undertaken by each college where the AEC/SEC/VAC are being taught and the teacher responsible for the conduct of learning of the AEC/SEC/VAC shall be responsible for the evaluation.

   The Examination of the Ability Enhancement Course (AEC), Skill Enhancement Course (SEC) & Value Addition Course (VAC) papers studied under the Cluster Colleges, shall take place at the College of admission/enrollment. The answer-scripts of these papers shall be evaluated at the Cluster College and the awards will be provided to the College of admission/enrollment for further upload on the Samarth Portal.

2. There shall be no REVALUATION in respect of Ability Enhancement Course (AEC), Skill Enhancement Course (SEC) & Value Addition Course (VAC) papers as these papers are evaluated by the teachers who taught the said papers. However, Examination Wing may allow rechecking in these papers as per prescribed procedure and payment of requisite fee.

3. The General Elective Courses offered by the department will be taught by teachers of the same department. A student admitted in a particular programme offered by a department can opt for General Elective Courses offered by other department, for example, a student admitted under B.A. (Hons) History / B.A. (Programme) with History as one discipline cannot opt for any General Elective Courses offered by Department of History.

4. A student who appears in an odd-semester examinations or who was eligible to appear in the odd semester examinations but remains absent in any or all the papers of the said semester, shall move on to the next even semester irrespective of his/her result in the said examinations provided examination form for both the odd and even semester examination is duly submitted and requisite fee paid by the candidate.

5. Student who do not fulfill the promotion criteria mentioned above shall be declared fail in the promotion examination of the academic year concerned. However, they shall have the option to retain the marks in the papers in which they want to retain.

6. A student who wants to re-appear for improvement in marks in a paper prescribed for semester I/III/V/VII may do so only in the semester examinations to be held in November/December. A student who wants to re-appear for improvement in a paper prescribed in semester II/IV/VI/VIII may do so only in the examinations to be held in May/June.

7. A student may re-appear in any theory paper prescribed for a semester, on foregoing in writing her/his previous performance in the appear/s concerned. This can be done in the immediate subsequent semester examination only (for example, a student re-appearing in paper prescribed for semester I examination may do so along with subsequent semester III examination and not along with papers for semester V).

8. A candidate who has cleared examinations of Part-3 (Semester- V & VI) /Part-4 (Semester- VII & VIII) may re-appear in any paper of V/VII or VI/VIII semester only once, at the immediate subsequent examinations on foregoing in writing her/his previous performance in the paper/s concerned, within the prescribed span period.

   Note: The candidate of this category will not be allowed to join any post-graduate courses.

9. In the case of re-appearance in paper, the result will be prepared on the basis of candidate's current performance in the examinations.

10. The awards of the Practical/Tutorial/Internal Assessment shall be uploaded on the Samarth Portal as per the marks distribution table below: -

Practical	Credit	Maximum Marks
	1	40
	2	80
	3	120
	4	160
Tutorial	Credit	Maximum Marks
	1	40
Internal Assessment	Credit of Theory Paper	Maximum Marks
	1	10
	2	20
	3	30

Duration of end semester theory examinations of subjects shall be as per the following Table:-

Credit	**Duration of end term theory examinations**
1	1 Hour
2	2 Hour
3	3 Hour

11. There shall be no supplementary examinations.

12. **Letter Grades and Grade Points-** A student who becomes eligible for the certificate/diploma, or Bachelor's degree as per Ordinance IX, 12(1). Such a student shall be categorized on the basis of the combined result of semester I to semester II/IV/VI/VIII examination under NEP-UGCF-2022 on a 10-point grading system with the following Letter Grades as given below:

Letter Grade	Grade Points
O (Outstanding)	10 (TEN)
A+ (Excellent)	9 (Nine)
A (Very Good)	8 (Eight)
B+ (Good)	7 (Seven)
B (Above Average)	6 (Six)
C (Average)	5 (Five)
D (Pass)	4 (Four)
F (Fail)	0 (Zero)
Ab (Absent)	0 (Zero)

13. **Passing/Promotion Criteria**

a. A Student shall be eligible for promotion from Part-1 to Part-2 of the Course provided S/he has passed at least 50% papers of Semester-I and Semester-II taken together.

b. Similarly, a student (irrespective of the Part-1 results) shall be eligible for promotion from Part-2 to Part-3 of the course provided s/he has passed 50% papers of Semester III and IV taken together.

c. Similarly, a student (irrespective of the Part-1 and Part- 2 results) shall be eligible for promotion from Part-3 to Part-4 of the course provided s/he has passed 50% papers of Semester V and VI taken together.

d. Students who do not fulfill the promotion criteria a, b, and c above shall be declared fail in the Part Concerned. However , they shall have the option to retain the marks in the papers in which they have secured Pass marks as per applicable rules.

14. **Issue of Marksheet/Grade Certificate/Transcript**: Based on the grades earned, a Grade Certificate shall be issued to all the registered students by the University after every semester and a consolidated Marksheet/Grade Certificate indicating the performance in all semesters. The Grade Certificate will display the course details (code, title of the paper, number of credits, grade secured) along with SGPA of each semester and CGPA earned based on each academic year.

15. Letter Grades calculation shall be as per formula provided for all the undergraduate courses as provided in the Ordinance IX except that the formula for calculating the final percentage of marks will be as follows:-

- Final Percentage= Grand CGPA based on all semesters X 10

Note: The percentage of marks will not be displayed on the Grade Certificate/Marksheet/Transcript.

16. Eligibility for award of Certificate/Diploma/Degree and Division Criteria: -

A Student who passes all the papers (minimum 'Numerical Grade 4) prescribed for semester I to semester II/IV/VI/VIII examination under UGCF-2022, would be eligible for the award of UG certificate/UG diploma/Bachelor's degree. Such a student shall be categorized on the basis of the combined result of examinations as follows: -

60% or more *	First Division
50% or more but less than 60% *	Second Division
Less than 50% & declared passed *	Third Division

*based on the conversion formula from the Grand CGPA to final percentage as-

Final Percentage= Grand CGPA based on all semesters X 10

O.S.D. (Examinations) **Dean (Examinations)**

4

तालिका – 3 स्नातक (अध्ययन का क्षेत्र/विषय) (ऑनर्स)								
सेमेस्टर	मुख्य (डीएससी) (4 क्रेडिट)	ऐच्छिक (डीएसई) (4 क्रेडिट)	सामान्य ऐच्छिक (जीई) (4 क्रेडिट)	क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) (2 क्रेडिट)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) (2 क्रेडिट)	इंटर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/ सामुदायिक	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी) (2 क्रेडिट)	कुल क्रेडिट
I	डीएससी - 1 डीएससी – 2 डीएससी – 3		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जीई-1	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	22 क्रेडिट
II	डीएससी – 4 डीएससी – 5 डीएससी - 6		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जीई-2	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	22 क्रेडिट
	सेमेस्टर ***I*** और ***II*** में अपेक्षित 44 क्रेडिट हासिल करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को (अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) स्नातक प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा							कुल = 44
III	डीएससी – 7 डीएससी – 8 डीएससी -9	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, डीएसई – 1 या पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, जीई -3 **		एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	एक एसईसी या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) चुनें *		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	22 क्रेडिट
	डीएससी – 10							

IV	डीएससी – 11 डीएससी – 12	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, डीएसई – 2 या	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक	एक एसईसी या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	22 क्रेडिट
	अपेक्षित 88 क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक डिप्लोमा (अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) प्रदान किया जाएगा					कुल = 88
V	डीएससी – 13 डीएससी – 14 डीएससी - 15	पाठ्यक्रम डीएसई - 3 के समूह में से एक चुनें	पाठ्यक्रम जीई-5 के समूह में से एक चुनें		एक एसईसी या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) चुनें***	22 क्रेडिट
VI	डीएससी – 16 डीएससी -17 डीएससी -18	पाठ्यक्रम डीएसई – 4 के समूह में से एक चुनें	पाठ्यक्रम जीई-6^ के समूह में से एक चुनें		एक एसईसी या 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ रिसर्च/सामुदायिक आउटरीच चुनें***	22 क्रेडिट
	सेमेस्टर ***VI*** के पूरा होने पर अपेक्षित ***132*** क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को (अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) स्नातक ऑनर्स (***3*** वर्ष) की उपाधि प्रदान की जाएगी।					कुल = 132

भारती कॉलेज BHARATI COLLEGE न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।

VII	डीएससी -19	तीन डीएसई पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई और एक जीई^ पाठ्यक्रम चुनें या एक डीएसई और दो जीई पाठ्यक्रम चुनें (कुल = 12)#				प्रमुख विषय पर शोध प्रबंध या लघु विषय पर शोध प्रबंध या शैक्षणिक प्रोजेक्ट/उद्यमिता	22 क्रेडिट
VIII	डीएससी -20	तीन डीएसई पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई और एक जीई^ पाठ्यक्रम चुनें या एक डीएसई और दो जीई पाठ्यक्रम चुनें (कुल = 12)#				प्रमुख विषय पर शोध प्रबंध या लघु विषय पर शोध प्रबंध या शैक्षणिक प्रोजेक्ट/उद्यमिता	22 क्रेडिट
सेमेस्टर **VIII** पूरा होने पर अपेक्षित 176 क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक (बहुविषयक अध्ययन के क्षेत्र में) (ऑनर्स या अकादमिक प्रोजेक्ट/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) की उपाधि प्रदान की जाएगी।							कुल = 176

प्रदान किए जाने वाले डिग्री का प्रकार

क्र. सं.	अवार्ड का प्रकार	निकास का चरण	अवार्ड के लिए अनिवार्य क्रेडिट प्राप्त करना होगा
1	अध्ययन/विषय के क्षेत्र में स्नातक प्रमाण पत्र	सेमेस्टर *II* के सफलतापूर्वक समापन के बाद	44
2	अध्ययन/विषय के क्षेत्र में स्नातक डिप्लोमा	सेमेस्टर *IV* के सफलतापूर्वक समापन के बाद	88
3	स्नातक (अध्ययन का क्षेत्र) (ऑनर्स) विषय (अध्ययन के एकल मुख्य विषय पाठ्यक्रम के लिए)	सेमेस्टर VI के सफलतापूर्वक समापन के बाद	132
4	स्नातक (अध्ययन के बहुविषयक पाठ्यक्रमों के क्षेत्र में) (अध्ययन के एकाधिक मुख्य विषयों के पाठ्यक्रमों के लिए)	सेमेस्टर *VI* के सफलतापूर्वक समापन के बाद	132
5	स्नातक (अध्ययन क्षेत्र/विषय) (शोध/शैक्षणिक परियोजनाओं/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) विषय (अध्ययन के एकल कोर विषय पाठ्यक्रम के लिए)	सेमेस्टर *VIII* के सफलतापूर्वक समापन के बाद	176
6	स्नातक (अध्ययन के बहुविषयक पाठ्यक्रमों के क्षेत्र में) (ऑनर्स)	सेमेस्टर *VIII* के सफलतापूर्वक समापन के बाद	176

तालिका -6

चित्रण - 1: बहुविषयक अध्ययन पाठ्यक्रमों के लिए नमूना यूजीसीएफ @#

सेमेस्टर	मुख्य (डीएससी) (4 क्रेडिट)	ऐच्छिक (डीएसई) (4 क्रेडिट)	सामान्य ऐच्छिक (जीई) (4 क्रेडिट)	क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) (2 क्रेडिट)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) (2 क्रेडिट)	इंटर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी) (2 क्रेडिट)	कुल क्रेडिट
I	विषय A1 विषय B1 विषय C1		पाठ्यक्रमों के समूह जीई-1 में से एक चुनें	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	22 क्रेडिट
II	विषय A 2 विषय B 2 विषय C 2		पाठ्यक्रमों के समूह जीई-2 में से एक चुनें	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	22 क्रेडिट
	सेमेस्टर **I** और **II** में अपेक्षित **44** क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक प्रमाणपत्र (बहुविषयक अध्ययन के क्षेत्र में) प्रदान किया जाएगा							कुल = 44
III	विषय A 3 विषय B 3 विषय C 3	पाठ्यक्रमों के समूह में से चुनें, डीएसई A/B/C या पाठ्यक्रमों के समूह में से चुनें, जीई -3		एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	एक एसईसी या 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच चुनें		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	22 क्रेडिट
IV	विषय A 4 विषय B 4 विषय C 4	पाठ्यक्रमों के एक सेट में से चुनें, डीएसई A/B/C या वैकल्पिक रूप से जीई - 4		एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	एक एसईसी या 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच चुनें		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	22 क्रेडिट

	सेमेस्टर **IV** पूरा होने पर अपेक्षित **88** क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक डिप्लोमा (बहुविषयक अध्ययन के क्षेत्र में) प्रदान किया जाएगा						कुल = 88
V	विषय A 5 विषय B 5 विषय C 5	पाठ्यक्रमों के समूह डीएसई A/B/C में से एक चुनें	पाठ्यक्रमों के समूह जीई-5 में से एक चुनें		एक एसईसी या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच में से कोई चुनें		22 क्रेडिट
VI	विषय A 6 विषय B 6 विषय C 6	पाठ्यक्रमों के समूह डीएसई A/B/C में से एक चुनें	पाठ्यक्रमों के समूह जीई-6 में से एक चुनें		एक एसईसी या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच में से कोई चुनें		22 क्रेडिट
	सेमेस्टर ***VI*** पूरा होने पर अपेक्षित ***132*** क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को (बहुविषयक अध्ययन के क्षेत्र में) स्नातक की उपाधि प्रदान की जाएगी।						कुल= 132
VII	डीएससी	तीन डीएसई पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई और एक जीई पाठ्यक्रम चुनें या एक डीएसई और दो जीई पाठ्यक्रम चुनें (कुल = 12)				प्रमुख विषय पर शोध प्रबंध (4+2) या लघु विषय पर शोध प्रबंध (4+2) या शैक्षणिक प्रोजेक्ट/उद्यमिता (4+2)	22 क्रेडिट

VIII	डीएससी	तीन डीएसई पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई एक जीई पाठ्यक्रम चुनें या एक डीएसई और दो जीई पाठ्यक्रम चुनें (कुल = 12)	पाठ्यक्रम (एईसी)	पाठ्यक्रम (एसईसी)	उद्यमिता/प्रोजेक्ट	प्रमुख विषय पर शोध प्रबंध (4+2) या लघु विषय पर शोध प्रबंध (4+2) या शैक्षणिक प्रोजेक्ट/उद्यमिता (4+2)	22 क्रेडिट
सेमेस्टर ***VIII*** के पूरा होने पर अपेक्षित ***176*** क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक (बहुविषयक अध्ययन के क्षेत्र में) (ऑनर्स या अकादमिक परियोजनाओं/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) की उपाधि प्रदान की जाएगी।							कुल = 176

@# यह रूपरेखा तालिका-3 में दिए गए सामान्य यूजीसीएफ पर आधारित है और उन कार्यक्रमों के लिए प्रासंगिक है जहाँ एक से अधिक विषयों को मुख्य पाठ्यक्रम के रूप में प्राथमिकता दी जाती है, जैसे कि लाइफ साइंस, भौतिक विज्ञान में स्नातक और अध्ययन के ऐसे अन्य बहुविषयक क्षेत्र।

भारती कॉलेज BHARATI COLLEGE
न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।

तालिका -7

चित्रण - 2: मुख्य विषय से अधिक के साथ अध्ययन के पाठ्यक्रमों के लिए यूजीसीएफ का नमूना

सेमेस्टर	मुख्य (डीएससी) (4 क्रेडिट)	ऐच्छिक (डीएसई) (4 क्रेडिट)	सामान्य ऐच्छिक (जीई) (4 क्रेडिट)	क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) (2 क्रेडिट)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) (2 क्रेडिट)	आईएपीसी (2 क्रेडिट)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी) (2 क्रेडिट)	कुल क्रेडिट
I	डीएससी - 1 (A/B) विषय - A1 विषय - B1		जीई भाषाओं के समूह में से एक चुनें भाषा - 1* जीई-1	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	22 क्रेडिट
II	डीएससी-2 (A/B) विषय-A2 विषय - B2		जीई भाषाओं के समूह में से एक चुनें भाषा-2* जीई -2	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	22 क्रेडिट
सेमेस्टर **I** और **II** में अपेक्षित **44** क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक प्रमाणपत्र (बहुविषयक अध्ययन के क्षेत्र में) प्रदान किया जाएगा								कुल = 44
III	डीएससी -3 (A/B) विषय - A3 विषय - B3		जीई भाषाओं के समूह में से एक चुनें, भाषा-3* जीई - 3	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	एक एसईसी या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच में से चुनें		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	22 क्रेडिट
IV	डीएससी–4 (A/B) विषय - A4 विषय - B4		जीई भाषाओं के समूह में से एक चुनें, भाषा -4* जीई - 4	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	एक एसईसी या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच में से चुनें		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें	22 क्रेडिट

सेमेस्टर **IV** पूरा होने पर अपेक्षित **88** क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक डिप्लोमा (बहुविषयक अध्ययन के क्षेत्र में) प्रदान किया जाएगा							कुल = 88
V	डीएससी – 5 (A/B) विषय – A5 विषय – B5	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें डीएसई-1	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जीई-5		एक एसईसी या 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट /रिसर्च/सामुदायिक आउटरीच चुनें		22 क्रेडिट
VI	डीएससी – 6 (A/B) विषय – A6 विषय – B6	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें डीएसई-2	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जीई-6		एक एसईसी या 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/रिसर्च/सामुदायिक आउटरीच चुनें		22 क्रेडिट
सेमेस्टर **VI** पूरा होने पर अपेक्षित **132** क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को (बहुविषयक अध्ययन के क्षेत्र में) स्नातक की उपाधि प्रदान की जाएगी।							कुल=132
VII	डीएससी -13	तीन डीएसई पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई और एक जीई पाठ्यक्रम चुनें या एक डीएसई और दो जीई पाठ्यक्रम चुनें (कुल=12)				प्रमुख विषय पर शोध प्रबंध या लघु विषय पर शोध प्रबंध या शैक्षणिक प्रोजेक्ट/उद्यमिता	22 क्रेडिट

VIII	डीएससी -14	तीन डीएसई पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई और एक जीई पाठ्यक्रम चुनें या एक डीएसई और दो जीई पाठ्यक्रम चुनें (कुल=12)				प्रमुख विषय पर शोध प्रबंध या लघु विषय पर शोध प्रबंध या शैक्षणिक प्रोजेक्ट/उद्यमिता (6)	22 क्रेडिट
सेमेस्टर **VIII** के पूरा होने पर अपेक्षित **176** क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक (बहुविषयक अध्ययन के क्षेत्र में) (ऑनर्स या अकादमिक परियोजना/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) की उपाधि प्रदान की जाएगी।							कुल= 176

* क्रमशः सेमेस्टर I, II, III और IV में प्रस्तावित भाषाएँ 1, 2, 3 और 4 दो अलग-अलग भाषाओं (जिनमें से एक भारतीय भाषा होगी) के पाठ्यक्रम हैं, जिन्हें जीई के रूप में प्रस्तावित भाषाओं के समूह से चुना जाना है। एक छात्र को प्रत्येक भाषा के दो पाठ्यक्रम पढ़ने होंगे।

डीएससी-1 से डीएससी-6 या तो विषय A या B के मुख्य पाठ्यक्रम होंगे।

यदि कोई छात्र विषय A में प्रमुखता प्राप्त करना चाहता है, तो उसे विषय A के डीएससी और डीएसई से कम से कम 80 क्रेडिट अर्जित करने चाहिए। यदि विषय A के डीएससी और डीएसई का कुल योग 80 क्रेडिट से कम है, तो विषय A के टॉपिक पर लिखे गए शोध प्रबंध में अर्जित क्रेडिट को भी अपेक्षित 80 क्रेडिट पूरा करने के लिए ध्यान में रखा जाएगा।

छात्राओं के लिए कॉलेज के नियम

- सभी छात्रों को हर दिन नोटिस बोर्ड पढ़ना चाहिए या नियमित रूप से कॉलेज की वेबसाइट पर जाना चाहिए।

- कॉलेज की सभी संपत्ति को सावधानी से संभाला जाना चाहिए।

- **विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे कॉलेज परिसर को साफ-सुथरा रखें। यदि कोई विद्यार्थी कॉलेज परिसर या बगीचे में गंदगी फैलाता हुआ पकड़ा जाता है तो उसका पहचान पत्र जब्त कर लिया जाएगा, जो 50 रुपये जुर्माना भरने के बाद ही लौटाया जाएगा।**

- कॉलेज परिसर में आगंतुकों को आने की अनुमति नहीं है। असाधारण मामलों को प्राचार्य को भेजा जाना चाहिए।

- अभिभावकों से अनुरोध है कि वे अपने बच्चों के प्रस्तावित भ्रमण और पर्यटन के बारे में कॉलेज से सभी जानकारी प्राप्त कर लें।

- छात्रों को कक्षाओं से फर्नीचर हटाकर गलियारों में नहीं बैठना चाहिए। गलियारों में बैठे पाए जाने पर 50 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

- संघ महोत्सव, वार्षिक दिवस और खेल दिवस के उद्घाटन पर उपस्थिति अनिवार्य है।

- **चिकित्सा अवकाश लेने वाले छात्र को कॉलेज लौटने के बाद 5 कार्य दिवसों के भीतर चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।**

- छात्रों को यह सुनिश्चित करना होगा कि थिएटर रूम, सेमिनार रूम और ऑडिटोरियम में मेहमानों के अलावा कोई भी भोजन या पेय पदार्थ न लाया जाए। उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अगर ऑडिटोरियम को 100 से कम छात्रों वाले कार्यक्रमों के लिए बुक किया जाता है, तो भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

- **परीक्षा में बैठने के लिए छात्रों की 66% उपस्थिति अनिवार्य है।**

पहचान पत्र के लिए निर्देश

सभी छात्रों को प्रतिदिन कॉलेज अपना पहचान पत्र साथ लाना होगा तथा मांगे जाने पर उसे प्रस्तुत करना होगा।

पहचान पत्र जारी करने की प्रक्रिया:

प्रथम वर्ष के छात्र:

नए शैक्षणिक सत्र के लिए कॉलेज के पुनः खुलने के बाद, प्रत्येक प्रथम वर्ष के छात्र को स्मार्टप्रोफ वेब पोर्टल के माध्यम से अपना पहचान पत्र फॉर्म ऑनलाइन भरना होगा। (URL: https://erp.bharati.du.ac.in/smartprof/).

खोया/डुप्लीकेट आईडी कार्ड:

1. कॉलेज रोल नंबर दर्शाने वाले पहचान पत्र के खो जाने की एफआईआर की प्रति।
2. संस्थान प्रमुख को संबोधित एक आवेदन जिसमें संपर्क सूत्र दर्शाते हुए अनुरोध किया गया हो।
3. अपेक्षित शुल्क 100/- रु. की प्रति (आप https://www.bharaticollege.du.ac.in/ से भुगतान कर सकते हैं

नोट: छात्र आवेदन जमा करने से पहले स्मार्टप्रोफ वेब पोर्टल (URL: https://erp.bharati.du.ac.in/smartprof/) पर अपना पहचान पत्र सत्यापित करेंगे ताकि जारी करने में किसी भी देरी से बचा जा सके।

आंतरिक मूल्यांकन

- जहाँ भी ट्यूटोरियल के सतत मूल्यांकन (सीए) के लिए चालीस अंक आवंटित किए जाते हैं, पाँच अंक उपस्थिति के लिए होंगे, जिन्हें निम्नानुसार वितरित किया जाएगा:
    - 67% से अधिक लेकिन 70% से कम उपस्थिति - 1 अंक
    - 70% से अधिक लेकिन 75% से कम उपस्थिति - 2 अंक
    - 75% से अधिक लेकिन 80% से कम उपस्थिति - 3 अंक
    - 80% से अधिक लेकिन 85% से कम उपस्थिति - 4 अंक
    - 85% से अधिक उपस्थिति - 5 अंक

  प्रैक्टिकल के लिए सतत मूल्यांकन में उपस्थिति के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

- आंतरिक मूल्यांकन (आईए) में कक्षा परीक्षण, असाइनमेंट/प्रस्तुतिकरण और उपस्थिति में प्राप्त अंक शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, 25 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन, कक्षा परीक्षण के लिए 10 अंक, असाइनमेंट/प्रस्तुतिकरण के लिए 10 अंक और उपस्थिति के लिए 5 अंक होंगे। इसी तरह, 30 अंकों के

आंतरिक मूल्यांकन, 6 अंक उपस्थिति के लिए, 12 अंक कक्षा परीक्षण के लिए और 12 अंक असाइनमेंट/प्रस्तुतिकरण के लिए होंगे।

- उपस्थिति के लिए छह अंक निम्नानुसार वितरित किए जाएंगे:
  - 67% से अधिक लेकिन 70% से कम उपस्थिति - 1.2 अंक
  - 70% से अधिक लेकिन 75% से कम उपस्थिति - 2.4 अंक
  - 75% से अधिक लेकिन 80% से कम उपस्थिति - 3.6 अंक
  - 80% से अधिक लेकिन 85% से कम उपस्थिति - 4.8 अंक
  - 85% से अधिक उपस्थिति - 6.0 अंक

भारती कॉलेज
BHARATI COLLEGE
न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना

(प्रॉक्टर कार्यालय अध्यादेश XV-B)

अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियाँ कुलपति में निहित हैं।

कुलपति सभी या ऐसी शक्तियाँ, जिन्हें वह उचित समझें, प्रॉक्टर को तथा ऐसे अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें वह इस संबंध में निर्दिष्ट करें, सौंप सकेंगे।

अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्नलिखित कृत्य घोर अनुशासनहीनता के माने जाएंगे:
दिल्ली विश्वविद्यालय में किसी भी संस्थान/विभाग के शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य और किसी भी छात्र के खिलाफ शारीरिक हमला या शारीरिक बल का प्रयोग करने की धमकी; कोई भी हथियार ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी; नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई उल्लंघन; अनुसूचित जातियों और जनजातियों के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन; महिलाओं के लिए मौखिक या अन्यथा कोई भी अपमानजनक व्यवहार; किसी भी तरह से रिश्वत देने या भ्रष्टाचार करने का प्रयास; संस्थागत संपत्ति को जानबूझकर नष्ट करना; धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर दुर्भावना या असहिष्णुता पैदा करना; विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी तरह से व्यवधान पैदा करना; अध्यादेश XV-C के अनुसार रैगिंग;

अनुशासन बनाए रखने से संबंधित अपनी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करने के लिए जो उसे उचित लगे, कुलपति अपनी पूर्वोक्त शक्तियों के प्रयोग में आदेश या निर्देश दे सकता है कि: किसी छात्र या छात्रों को निष्कासित किया जाए; या किसी छात्र या छात्रों को एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित किया जाए; या विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज, विभाग या संस्था में किसी पाठ्यक्रम या अध्ययन पाठ्यक्रम में एक निश्चित अवधि के लिए प्रवेश न दिया जाए; या उस पर निर्दिष्ट रुपए का जुर्माना लगाया जाए; या उसे एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या कॉलेज या विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में बैठने से वंचित किया जाए; या संबंधित छात्र या छात्रों का उस परीक्षा या परीक्षाओं का परिणाम, जिसमें वह या वे उपस्थित हुए हैं, रद्द कर दिया जाए।

कॉलेजों के प्राचार्य, हॉल के प्रमुख, संकायों के डीन, विश्वविद्यालय में शिक्षण विभागों के प्रमुख, पत्राचार पाठ्यक्रम और सतत शिक्षा स्कूल के प्रिंसिपल और लाइब्रेरियन को विश्वविद्यालय में अपने संबंधित कॉलेजों, संस्थानों, संकायों और शिक्षण विभागों में छात्रों पर ऐसी सभी अनुशासनात्मक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार होगा, जो संबंधित विभागों में संस्थानों, हॉल और शिक्षण के उचित संचालन के लिए आवश्यक हो सकती हैं। वे अपने कॉलेजों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं जिन्हें वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं।

कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। इन नियमों को, जहाँ आवश्यक हो, कॉलेजों के प्राचार्यों, हॉल के प्रमुखों, संकायों के डीन और विश्वविद्यालय में शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक बनाया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह इन नियमों की एक प्रति स्वयं उपलब्ध कराए।

प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी कि प्रवेश के समय वह स्वयं को कुलपति और विश्वविद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन करता है, जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अधिनियमों, परिनियमों, अध्यादेशों और उनके अधीन बनाए गए नियमों के अंतर्गत अनुशासन लागू करने का प्राधिकार प्राप्त हो सकता है।

यौन उत्पीड़न के खिलाफ और लैंगिक मुख्यधारा के प्रति नीति

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013, जो अब लागू है, यौन उत्पीड़न को "निम्नलिखित में से किसी एक या अधिक अवांछित कार्य या व्यवहार (चाहे प्रत्यक्ष रूप से या निहितार्थ द्वारा) के रूप में परिभाषित करता है, अर्थात्: शारीरिक संपर्क और लाभ; या यौन अनुग्रहों की मांग या अनुरोध; या यौन रूप से रंजित टिप्पणी करना; या पोर्नोग्राफी दिखाना; या यौन प्रकृति का कोई अन्य अवांछित शारीरिक, मौखिक या गैर-मौखिक आचरण।

यह भी घोषित करते हुए कि: "निम्नलिखित परिस्थितियाँ, अन्य परिस्थितियों के साथ, यदि यह यौन उत्पीड़न के किसी भी कार्य या व्यवहार के संबंध में होती है या मौजूद होती है, तो यौन उत्पीड़न की श्रेणी में आ सकती है: उसके रोजगार में अधिमान्य उपचार का निहित या स्पष्ट वादा; या उसके रोजगार में हानिकारक उपचार की निहित या स्पष्ट धमकी; या उसकी वर्तमान या भविष्य की रोजगार स्थिति के बारे में निहित या स्पष्ट धमकी; या उसके काम में हस्तक्षेप या उसके लिए डराने वाला या आक्रामक या शत्रुतापूर्ण कार्य वातावरण बनाना; या अपमानजनक व्यवहार जो उसके स्वास्थ्य या सुरक्षा को प्रभावित करने की संभावना है।"

भारती कॉलेज ने यौन उत्पीड़न के विरुद्ध अपनी मौजूदा नीति और तंत्र को अधिनियम के प्रावधानों के साथ-साथ यूजीसी (उच्च शिक्षण संस्थानों में महिला कर्मचारियों और छात्रों के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण) विनियम, 2015 के अनुरूप बनाया है और इसके लिए एक कठोर, समग्र दृष्टिकोण विकसित किया है।
हमारी आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) में शामिल हैं:

प्रो. अनुपमा महाजन - पीठासीन अधिकारी
डॉ. कल्पना कटारिया
डॉ. दिव्या शर्मा
डॉ. भावना शिवन
सुश्री प्रीति वत्स
श्री चरणजीत सिंह

सुश्री कीर्ति दुआ (बाहरी सदस्य)
सुश्री गरिमा (द्वितीय वर्ष प्रतिनिधि)
सुश्री प्रियांशी सिंह (प्रथम वर्ष प्रतिनिधि)

रैगिंग के विरुद्ध नीति

कॉलेजों/विभागों या संस्थानों के परिसरों और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी भाग के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन में किसी भी रूप में रैगिंग सख्त वर्जित है।

रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कृत्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और उससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।

रैगिंग क्या है: - रैगिंग में निम्नलिखित में से कोई एक या अधिक कार्य शामिल हैं: किसी भी छात्र या छात्रों द्वारा बोले गए या लिखित शब्दों के माध्यम से कोई भी आचरण या ऐसा कार्य जिसका प्रभाव किसी नए छात्र या किसी अन्य छात्र के साथ छेड़छाड़, अशिष्ट व्यवहार या व्यवहार करने के रूप में पड़ता हो;

किसी भी छात्र या छात्रों द्वारा उपद्रवी या अनुशासनहीन गतिविधियों में लिप्त होना, जिससे किसी नए छात्र या किसी अन्य छात्र को परेशानी, कठिनाई, शारीरिक या मनोवैज्ञानिक नुकसान हो या डर या आशंका पैदा हो;

किसी छात्र को ऐसा कार्य करने के लिए कहना, जो वह छात्र सामान्यतः नहीं करेगा और जिसका प्रभाव शर्म, पीड़ा या परेशानी की भावना उत्पन्न करने या उत्पन्न करने का हो, जिससे ऐसे नए छात्र या किसी अन्य छात्र के शरीर या मानस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े;

किसी वरिष्ठ छात्र द्वारा किया गया कोई भी कार्य जो किसी अन्य छात्र या नए छात्र की नियमित शैक्षणिक गतिविधि को रोकता है, बाधित करता है या परेशान करता है;

किसी व्यक्ति या छात्रों के समूह को सौंपे गए शैक्षणिक कार्यों को पूरा करने के लिए किसी नए छात्र या किसी अन्य विद्यार्थी की सेवाओं का शोषण करना।
किसी नए छात्र या किसी अन्य छात्र पर छात्रों द्वारा जबरन आर्थिक वसूली या जबरन व्यय का बोझ डालना;

शारीरिक दुर्व्यवहार का कोई भी कार्य, इसके सभी रूपों सहित: यौन दुर्व्यवहार, समलैंगिक हमले, नग्न करना, अश्लील और कामुक कार्य करने के लिए मजबूर करना, इशारे, शारीरिक नुकसान पहुँचाना या स्वास्थ्य या व्यक्ति को कोई अन्य खतरा पहुँचाना;

बोले गए शब्दों, ईमेल, पोस्ट, सार्वजनिक अपमान के माध्यम से कोई भी कृत्य या दुर्व्यवहार जिसमें नए या किसी अन्य छात्र को असुविधा पहुँचाने में सक्रिय या निष्क्रिय रूप से भाग लेने से विकृत आनंद, अप्रत्यक्ष या परपीड़क रोमांच प्राप्त करना भी शामिल होगा;

कोई भी कार्य जो किसी नए छात्र या किसी अन्य छात्र के मानसिक स्वास्थ्य और आत्मविश्वास को प्रभावित करता है, चाहे उसका उद्देश्य परपीड़क आनंद प्राप्त करना हो या किसी नए छात्र या किसी अन्य विद्यार्थी पर किसी छात्र द्वारा शक्ति, अधिकार या श्रेष्ठता का प्रदर्शन करना हो।

रंग, नस्ल, धर्म, जाति, जातीयता, लिंग (ट्रांसजेंडर सहित), यौन अभिविन्यास, उपस्थिति, राष्ट्रीयता, क्षेत्रीय मूल, भाषाई पहचान, जन्म स्थान, निवास स्थान या आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर किसी अन्य छात्र (नए छात्र या अन्य) पर लक्षित शारीरिक या मानसिक दुर्व्यवहार (धमकाना और बहिष्कार सहित) का कोई भी कार्य।

किसी कॉलेज के प्राचार्य, किसी संस्थान के विभागाध्यक्ष, कॉलेज या विश्वविद्यालय के छात्रावास या आवास गृह के प्राधिकारी रैगिंग की घटना की किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।

उपरोक्त धारा (4) में किसी बात के होते हुए भी, प्रॉक्टर रैगिंग की किसी घटना की स्वप्रेरणा से जाँच कर सकता है तथा रैगिंग में शामिल व्यक्तियों की पहचान तथा घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट दे सकता है।

प्रॉक्टर रैगिंग करने वालों की पहचान तथा घटना की प्रकृति स्थापित करने वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है।

यदि किसी महाविद्यालय के प्राचार्य या विभागाध्यक्ष या संस्था के कुलानुशासक या प्रॉक्टर को यह विश्वास हो कि किसी कारणवश, जिसे लिखित रूप में दर्ज किया जाएगा, ऐसी जाँच करना व्यावहारिक रूप से उचित नहीं है, तो वे कुलपति को भी तदनुसार परामर्श दे सकते हैं।

जब कुलपति इस बात से संतुष्ट हो जाएँ कि ऐसी जाँच कराना उचित नहीं है, तो उनका निर्णय अंतिम होगा।

धारा (5) या (6) के अन्तर्गत रिपोर्ट प्राप्त होने पर या धारा (7) के अन्तर्गत सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा धारा 3(क), (ख) और (ग) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं के घटित होने का खुलासा करने पर कुलपति किसी छात्र या छात्रों को एक निश्चित संख्या में वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश दे सकेगा।

कुलपति, रैगिंग के अन्य मामलों में आदेश या निर्देश दे सकते हैं कि किसी छात्र या छात्रों को निष्कासित कर दिया जाए, या उन्हें कॉलेज में अध्ययन के किसी पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट अवधि के लिए प्रवेश न दिया जाए, या उन्हें एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा देने से रोक दिया जाए, या संबंधित छात्र या छात्रों के उस परीक्षा या परीक्षाओं के परिणाम रद्द कर दिए जाएँ, जिनमें वे उपस्थित हुए थे।

यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करने वाले छात्र इस अध्यादेश के तहत दोषी पाए जाते हैं तो विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री या डिप्लोमा वापस लेने के लिए उनके खिलाफ कानून 15 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।

इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए, रैगिंग के लिए उकसाना भी रैगिंग माना जाएगा।
दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत सभी संस्थानों को अध्यादेश के तहत जारी निर्देशों/निदेशों का पालन करना तथा अध्यादेश के कार्यान्वयन के लिए कुलपति को सहायता प्रदान करना अनिवार्य होगा।

रैगिंग के लिए सजा:

अपराध की प्रकृति और गंभीरता के आधार पर संस्था स्तर पर रैगिंग के दोषी पाए गए व्यक्तियों के लिए संभावित दण्ड निम्नलिखित में से कोई एक या इनका संयोजन हो सकता है:

i) प्रवेश रद्द करना
ii) कक्षाओं में भाग लेने से निलंबन
iii) छात्रवृत्ति/फेलोशिप और अन्य लाभों को रोकना/वापस लेना
iv) किसी भी परीक्षण/परीक्षा या अन्य मूल्यांकन प्रक्रिया में उपस्थित होने से रोकना।
v) परिणाम रोकना
vi) किसी भी क्षेत्रीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय बैठक, टूर्नामेंट, युवा महोत्सव आदि में संस्थान का प्रतिनिधित्व करने से रोकना।
vii) छात्रावास से निलंबन/निष्कासन
viii) 1 से 4 सेमेस्टर तक की अवधि के लिए संस्थान से निष्कासन
ix) संस्था से निष्कासन और इसके परिणामस्वरूप किसी अन्य संस्थान में प्रवेश से रोकना।
x) सामूहिक दण्ड: जब रैगिंग करने वाले या अपराध को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों की पहचान नहीं हो पाती है, तो संस्था संभावित रैगिंग करने वालों पर सामुदायिक दबाव सुनिश्चित करने के लिए निवारक के रूप में सामूहिक दण्ड का सहारा लेगी।

एंटी-रैगिंग समिति

भारती कॉलेज में रैगिंग विरोधी नीति बहुत सख्त है। किसी भी रूप में उत्पीड़न/रैगिंग का सामना करने वाला कोई भी छात्र त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए रैगिंग विरोधी समिति के किसी भी सदस्य से संपर्क कर सकता है:

- डॉ. हरिकृष्णी – संयोजक
- डॉ. रजनी (पदेन वार्डन)
- डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव
- डॉ. शैलजा सिंह
- डॉ. अनुराधा सिंह

ईमेल: antiragging@bharati.du.ac.in
फोन: 011-43273005

रैगिंग से संबंधित घटनाओं के कारण परेशान छात्र **टोल फ्री हेल्पलाइन 1800-180-5522** पर संपर्क कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट और यूजीसी/एआईसीटीई विनियमों के अनुसार, सभी छात्रों को हर साल एंटी-रैगिंग हलफनामा जमा करना होगा। प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए एमएचआरडी ने एक ऑनलाइन सुविधा विकसित की है, ताकि हलफनामे ऑनलाइन भरे जा सकें:

www.amanmovement.org (or)

www.antiragging.in

कृपया सुनिश्चित करें कि आपने ऑनलाइन पंजीकरण भर दिया है।

एंटी रैगिंग फॉर्म के लिए लिंक

पुरस्कार और इनाम

हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को दिए जाने वाले सामान्य शैक्षणिक, खेल, एनसीसी और सांस्कृतिक पुरस्कारों के अलावा, कॉलेज ने निम्नलिखित पुरस्कार भी शुरू किए हैं:

हिन्दी

- दुर्गा प्रसाद गौड़ स्मृति पदक, हिंदी ऑनर्स पाठ्यक्रम में तीन वर्षों के कुल योग में सर्वोच्च अंक लाने वाले छात्र को प्रदान किया जाएगा।
- गंभीर स्मृति पुरस्कार के तहत 1000/- रुपये का नकद पुरस्कार प्रत्येक वर्ष उन छात्रों को दिया जाता है, जो हिंदी (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष और बीए प्रोग्राम तृतीय वर्ष में कुल मिलाकर सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हैं।
- श्री मति लाजवंती गुप्ता पुरस्कार बीए प्रोग्राम प्रथम वर्ष में हिंदी बी विषय में सर्वोच्च अंक लाने वाली छात्रा को दिया जाएगा।
- डॉ. सुधा गुप्ता स्मृति पुरस्कार
  (i) एक बीए हिंदी (ऑनर्स) की छात्रा और
  (ii) एक बीए हिंदी (प्रोग्राम) की छात्रा को दिया जाएगा, जिसने तीनों वर्षों में हिंदी में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हों।
- हिंदी (ऑनर्स) सेमेस्टर I और II में सर्वोच्च अंक के लिए बावा रोहित भल्ला पुरस्कार (नकद इनाम)।

संस्कृत

- राम नारायण-राजकुमारी रस्तोगी स्मृति चिन्ह उस छात्र को दिया जाएगा जो संस्कृत ऑनर्स में तीन वर्षों के दौरान कुल योग में सर्वोच्च अंक प्राप्त करेगा।
- डॉ. कांता रानी भाटिया प्रायोजित पुरस्कार
  (i) संस्कृत में सर्वोच्च अंक लाने वाले छात्र को (ii) ऑलराउंडर के लिए
  (iii) कक्षा में सबसे अधिक ध्यान देने वाले छात्र के लिए।
- तीनों वर्षों में संस्कृत में उच्चतम अंकों के लिए प्रभु दत्त शर्मा स्मारक (ट्रॉफी)
- कॉलेज के टॉपर के लिए "सुल्तान चंद द्रोपती एजुकेशनल फाउंडेशन अवार्ड नकद पुरस्कार"

अंग्रेजी

- आर. आर. गुप्ता मेमोरियल पुरस्कार उस छात्र को दिया जाता है जो तीन वर्षों के दौरान अंग्रेजी ऑनर्स में सर्वोच्च अंक प्राप्त करता है।
- शिव-प्रभा पुरस्कार अंग्रेजी ऑनर्स प्रथम वर्ष में सर्वोच्च अंक लाने वाले छात्र को दिया जाएगा।

राजनीति विज्ञान

- प्रिंसिपल पी.एल.आनंद मेमोरियल पुरस्कार हर साल राजनीति विज्ञान ऑनर्स में तीन वर्षों के कुल योग में सर्वाधिक अंक लाने वाले छात्र को दिया जाएगा।

खेल

- रमा दुबे मेमोरियल पुरस्कार हर वर्ष खेल जगत में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर को दिया जाता है।
- एस.पी. दुबे मेमोरियल पुरस्कार हर वर्ष द्वितीय वर्ष में खेल के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर को दिया जाता है।

वाणिज्य

- श्री सुल्तान चंद द्रोपती देवी एजुकेशनल फाउंडेशन छात्रवृत्ति हर साल प्रदान की जाती है:
  (i) बी.कॉम (ऑनर्स) चतुर्थ सेमेस्टर में सर्वोच्च अंक लाने वाले छात्र को,
  (ii) जो बी.कॉम. ऑनर्स तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर में दूसरा सर्वोच्च प्रतिशत प्राप्त करता है।
- डॉ. उषा अग्रवाल तेजस्वनी छात्रवृत्ति हर वर्ष उस छात्रा को प्रदान की जाती है जो बी.कॉम. प्रोग्राम पाँचवीं सेमेस्टर में सर्वाधिक अंक (70% से अधिक) प्राप्त करती है।
- डॉ. उषा अग्रवाल छात्रवृत्ति उन विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है जो बी.कॉम (ऑनर्स)
- (i) प्रथम सेमेस्टर
- (ii) द्वितीय सेमेस्टर

- (iii) तृतीय सेमेस्टर और
- (iv) चतुर्थ सेमेस्टर में सर्वाधिक अंक प्राप्त करते हैं।
- 'वाणिज्य समाज में उत्कृष्टता' के लिए राजेंद्र कुमार गुप्ता मेमोरियल नकद पुरस्कार।
- बी.कॉम. प्रोग्राम प्रथम वर्ष में हिन्दी में सर्वाधिक अंक लाने वाले छात्र को उर्मिल मेमोरियल सरस्वती सम्मान।
- वाणिज्य सेमेस्टर VI में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए "उषा गुप्ता" पुरस्कार

अर्थशास्त्र

- एसआरडी गुप्ता मेमोरियल पुरस्कार उस छात्र को दिया जाएगा जिसने
  - (i) बीए (प्रोग्राम) प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर में अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हों
  - (ii) बीए (प्रोग्राम) तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर में अर्थशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हों
  - (iii) बीए (प्रोग्राम) पंचम सेमेस्टर में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हों।

इतिहास

- तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर में इतिहास में सर्वाधिक अंक लाने वाले छात्र को देवेन्द्र दत्ता पुरस्कार दिया जाएगा।
- तृतीय वर्ष में इतिहास (ऑनर्स) में सर्वाधिक अंक लाने वाले छात्र को सीता भाटिया मेमोरियल नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

सामान्य

- श्री जितेन्द्र चन्द्र बनर्जी ट्रॉफी उस छात्र को दी जाएगी जिसने कॉलेज के जीवन में अनुकरणीय योगदान दिया हो।
- सर्वश्रेष्ठ वाद-विवादकर्ता के लिए कुंती मिश्रा पुरस्कार।
- जरूरतमंद छात्रों को पुस्तकें खरीदने के लिए उषा खट्टर पुरस्कार
- कॉलेज के टॉपर के लिए द्रोपती देवी एजुकेशनल फाउंडेशन पुरस्कार।
- तीनों वर्षों के दौरान नाट्यशास्त्र में सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए रोमा सान्याल नकद पुरस्कार और ट्रॉफी।

बुनियादी ढाँचा सुविधाएँ

भारती कॉलेज छात्रों के लाभ के लिए बुनियादी ढाँचे के निर्माण और संवर्धन के प्रति सक्रिय है। कॉलेज में छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संख्या में कक्षाएँ और ट्यूटोरियल कक्ष हैं। यह छात्रों को उनके व्यक्तित्व को बेहतर बनाने, संचार कौशल को बढ़ाने और कई कार्यक्रमों, गतिविधियों आदि के माध्यम से एक सकारात्मक वैश्विक दृष्टिकोण बनाने में मदद करता है। यह समग्र दृष्टिकोण युवा महिलाओं को उनके शैक्षणिक और पेशेवर जीवन में सफलता के लिए तैयार करने में अंतर ला सकता है।

सेमिनार कक्ष

कॉलेज में लगभग 100 लोगों की बैठने की क्षमता वाला एक सेमिनार कक्ष है, जहाँ सेमिनार, सम्मेलन, विभागीय समारोह, वार्ता, विभिन्न सोसाइटी के समारोह और फिल्मों की स्क्रीनिंग आदि आयोजित करके शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाता है।

थिएटर कक्ष

कॉलेज में बड़े नाटकों के निर्माण के साथ-साथ नाटक कार्यशालाओं के आयोजन के लिए एक स्टूडियो थिएटर भी है।

कंप्यूटर लैब

यहाँ चार सुव्यवस्थित कंप्यूटर लैब हैं, जिनमें 150 कंप्यूटर हैं तथा छात्रों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए इंटरनेट सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

कॉमन रूम

कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए व्याख्यानों के बीच आराम करने हेतु एक कॉमन रूम भी है।

कैंटीन

कॉलेज में 50 लोगों की बैठने की क्षमता वाली एक बेहतरीन कैंटीन है। यह सस्ते दरों पर विभिन्न प्रकार के गुणवत्तापूर्ण भोजन और पेय पदार्थ उपलब्ध कराती है। कॉलेज में और उसके आस-पास पर्याप्त स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

खेल सुविधाएँ

कॉलेज में पर्याप्त खेल के मैदान हैं और एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, खो-खो, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल और कई अन्य खेलों के लिए पर्याप्त व्यवस्था है।

कॉलेज सभी आयु वर्गों के लिए एक क्रिकेट अकादमी भी चला रहा है। कॉलेज में नियमित रूप से एक दिवसीय और ट्वेंटी-ट्वेंटी टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं। कॉलेज में इनडोर खेलों के लिए एक समर्पित खेल कक्ष भी है।

जिम

भारती कॉलेज में, हम मानते हैं कि छात्रों और शिक्षकों दोनों के सर्वांगीण विकास के लिए शारीरिक फिटनेस महत्वपूर्ण है। इसे ध्यान में रखते हुए, 2011 में एक व्यायामशाला शुरू की गई थी जो अब मल्टी जिम स्टेशन, ट्रेडमिल, क्रॉस ट्रेनर आदि से सुसज्जित है। इस सुविधा का लाभ कॉलेज के कई छात्र, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी नाममात्र शुल्क पर उठा रहे हैं। इसके अलावा, कॉलेज में एक योग केंद्र भी है।

मेडिकल सेंटर

कॉलेज में एक मेडिकल सेंटर है, जिसमें एक महिला मेडिकल ऑफिसर और नर्स निःशुल्क परामर्श के लिए मौजूद हैं। वे विशेष रूप से कॉलेज के छात्रावास में रहने वाले छात्रों के लिए ऑनलाइन परामर्श के लिए भी उपलब्ध हैं।

बियॉन्ड स्कार्स कैफे

इस कैफ़े की स्थापना एनेक्टस भारती के प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा के तहत की गई थी। यह कैफे किफायती दरों पर स्वस्थ और स्वच्छतापूर्वक तैयार भोजन जैसे बाजरा सैंडविच, स्प्राउट्स सलाद आदि परोसता है।

दिव्यांगों के लिए सुविधाएँ

दिव्यांग छात्रों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए कॉलेज में उनके लिए अलग से शौचालय बनाए गए हैं। पार्किंग में भी उनके लिए जगह आरक्षित की गई है। कॉलेज में रैंप, शौचालय, साइनेज और उनके लिए एक कमरा भी है। इस कमरे में कंप्यूटर, प्रिंटर और पढ़ाई के लिए सुविधाएँ हैं।

वाई-फाई युक्त परिसर

पूरे परिसर में हाई-स्पीड वाई-फाई कवरेज के माध्यम से कॉलेज में इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध है। छात्रों को ई-पत्रिकाओं और अन्य उपयोगी जानकारी तक इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध होगी।

सीसीटीवी कैमरे

छात्रों की सुरक्षा के लिए कॉलेज में विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, कॉलेज में एक संगीत कक्ष, एक मानव विकास एवं परिवार सशक्तिकरण प्रयोगशाला, एक ओएमएसपी प्रयोगशाला और विभिन्न खेलों के लिए पर्याप्त खेल के मैदान भी हैं।

सभागार

कॉलेज में अत्याधुनिक, केंद्रीकृत वातानुकूलित सभागार है, जिसमें लगभग 350 दर्शकों के बैठने की क्षमता है। यह अत्याधुनिक प्रकाश और ध्वनि प्रणालियों से पूरी तरह सुसज्जित है। यह एक भव्य मंच, आरामदायक बैठने की जगह, उच्च गुणवत्ता वाले प्रोजेक्टर, ग्रीन रूम, पावर बैकअप और इंटरनेट सुविधा सहित उन्नत ऑडियो-विजुअल उपकरणों से सुसज्जित है। यह पूरी तरह से साउंड प्रूफ है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कक्षाओं में कोई व्यवधान न हो। यह सभी महत्वपूर्ण कॉलेज समारोहों, सम्मेलनों और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि के लिए एक उपयुक्त स्थान है।

नया शैक्षणिक ब्लॉक

नए शैक्षणिक ब्लॉक में व्याख्यान कक्ष, ट्यूटोरियल कक्ष और लड़कियों का कॉमन रूम शामिल है।

न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

कॉलेज छात्रावास

अपनी स्थापना के बाद से ही भारती कॉलेज ने हमेशा महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके तथा विकास, सीखने और सशक्तीकरण के लिए एक स्थान प्रदान करके अपने उद्देश्य को पूरा करने में छात्राओं की मदद करने का प्रयास किया है। दिसंबर 2016 में भारती कॉलेज ने 78 सीटों की क्षमता वाले अपने नवनिर्मित छात्रावास ब्लॉक को चालू करके एक बड़ी छलांग लगाई। छात्रावास ब्लॉक हमारे भावी बाहरी और विदेशी छात्रों के लिए एक स्वागत योग्य स्थान है। यह छात्रावास छात्रों को परिसर में रहने का आराम और सभी सुविधाओं तक पहुँच प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य छात्रों को रियायती दरों पर अवसर, जोखिम और स्वायत्तता के लिए एक सुरक्षित स्थान प्रदान करना है।

छात्रावास में प्रवेश का समय:

ग्रीष्मकाल में रात्रि 8.30 बजे तक (1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक)
शीतकाल में सायं 7.30 बजे तक (1 नवम्बर से 31 मार्च तक)

कॉलेज छात्रावास विवरणिका के लिए लिंक

पुस्तकालय और वाचनालय

कॉलेज में एक बड़ी और अच्छी तरह से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय है जिसमें विभिन्न विषयों और विधाओं में नवीनतम पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें और पत्रिकाएँ हैं। लाइब्रेरी ने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए एक वेब पेज भी लॉन्च किया है जहाँ वे मुफ्त ई-रिसोर्स, एन-लिस्ट, डेलनेट, सेज पब्लिकेशन्स, डीयू ई-पुस्तकालय, मुफ्त ऑनलाइन-कोर्स, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं। पुस्तकालय ने क्लाउड ओपेक सुविधा के साथ कोहा सॉफ्टवेयर स्थापित किया है। पुस्तकालय पूर्व छात्रों और बाहरी लोगों के लिए 1000/- रुपये प्रति वर्ष की राशि के साथ वाचनालय सुविधा के लिए सदस्यता भी प्रदान करती है। पुस्तकालय ने नियमित आधार पर आगंतुकों के रिकॉर्ड को बनाए रखने के लिए एक टेबल टॉप स्कैनर स्थापित किया है। इसमें सामान्य पढ़ने को प्रोत्साहित करने और छात्रों को व्यापक जानकारी प्रदान करने के लिए सामान्य रुचि की पुस्तकें, पत्रिकाएँ और

मैगजीन भी हैं। कॉलेज में कर्मचारियों और छात्रों के उपयोग के लिए वाई-फाई इंटरनेट कनेक्शन हैं। शोधकर्ताओं के लिए अलग से रीडिंग रूम इसे और अधिक उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाते हैं।

इसमें निःशुल्क ऑनलाइन पाठ्यक्रमों तक पहुँच के लिए लिंक, पुस्तकालय के वेब ओपीएसी तक पहुँच के लिए मोबाइल ऐप सुविधा, नई पुस्तकों के आगमन और शोध सहायता उपकरणों आदि के बारे में जानकारी भी उपलब्ध है।

पुस्तकालय कार्य समय:
कॉलेज पुस्तकालय और वाचनालय पूरे वर्ष सभी विद्यार्थियों के लिए सुबह 9:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक खुला रहता है, रविवार और अन्य राजपत्रित छुट्टियों को छोड़कर।

पुस्तकालय को विभिन्न अनुभागों में विभाजित किया गया है:

पाठ्यपुस्तक अनुभाग: इस अनुभाग में पुस्तकें भारी मांग के कारण केवल सात दिनों के लिए जारी की जाती हैं।
संदर्भ-सह-आरक्षित अनुभाग: संदर्भ अनुभाग में पुस्तकें केवल वाचनालय में पढ़ने के लिए हैं। पुस्तकें केवल आरक्षित अनुभाग से रात्रिकालीन आधार पर ही जारी की जाएंगी।
पत्रिका अनुभाग: इस अनुभाग में विशेष महत्व की पत्रिकाएँ, जर्नल आदि शामिल हैं। पत्रिकाओं के बाउंड वॉल्यूम और वर्तमान अंक केवल अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। पुस्तकालय हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में 18 समाचार पत्र भी खरीदता है।
बुक बैंक अनुभाग: सभी जरूरतमंद और योग्य छात्र इन अनुभागों से अधिकतम एक सेमेस्टर के लिए किताबें उधार ले सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों के लिए बीपीएल कार्ड जमा करने के बाद बुक बैंक की किताबें उपलब्ध हैं। उन्हें वर्ष की शुरुआत में सादे कागज पर प्राचार्य को आवेदन करना होगा।

नियम और कानून

पुस्तकालय के अंदर हर समय शांति बनाए रखी जानी चाहिए।
सदस्यता: कॉलेज के सभी छात्र पुस्तकालय के सदस्य बनने के हकदार हैं।

ऑनर्स पाठ्यक्रम के छात्रों को चार पुस्तकालय पुस्तकें जारी करवाने की अनुमति है। बीए/बी.कॉम. प्रोग्राम के छात्रों को एक बार में अधिकतम सात दिनों के लिए दो पुस्तकालय पुस्तकें जारी करवाने की अनुमति है। एम.ए. के छात्र अधिकतम एक महीने के लिए छह पुस्तकें जारी करवा सकते हैं।

यदि संदर्भ-सह-आरक्षित अनुभाग से जारी पुस्तक निर्धारित तिथि व समय पर वापस नहीं की जाती है, तो छात्र को कुछ दिनों के लिए पुस्तकालय से पुस्तकें जारी करने से वंचित किया जा सकता है।

यदि कोई छात्रा किसी पुस्तक या पत्रिका के पृष्ठ फाड़ने के लिए जिम्मेदार पाई गई तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अगर कोई छात्र किसी पुस्तक या पत्रिका खो देता है तो उसे तुरंत लाइब्रेरियन को इसकी लिखित शिकायत देनी होगी। अगर किताब एक हफ्ते के अंदर नहीं मिलती है तो छात्र को पुस्तक बदलनी होगी या मौजूदा कीमत चुकानी होगी। अगर मामले की तुरंत शिकायत नहीं की जाती है तो छात्र को पुस्तक की कीमत के अलावा देरी के लिए जुर्माना भी देना होगा।

पुस्तकें जारी करने का समय: पाठ्यपुस्तक अनुभाग: प्रातः 9.30 बजे से सायं 4.00 बजे तक।
आरक्षित अनुभाग: दोपहर 12.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

भारती कॉलेज: समग्र विकास की ओर एक कदम

भारती कॉलेज बड़ी संख्या में युवा महिलाओं को शिक्षा प्रदान करता है, जिनमें समाज के वंचित वर्गों की महिलाएं भी शामिल हैं। इसलिए, हमारी मुख्य चिंताओं में से एक इन छात्रों की शैक्षिक और सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करना और उनका समर्थन करना है। हमारे कई कार्यक्रम और गतिविधियाँ इस वर्ग को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं, लेकिन हम अधिक विशेषाधिकार प्राप्त वर्गों पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं ताकि उन्हें जिम्मेदार नागरिकों के रूप में उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक किया जा सके, साथ ही उन्हें व्यक्तिगत और शैक्षणिक विकास के लिए अधिक अवसर प्रदान किए जा सकें। अपने छात्रों की क्षमता और व्यक्तित्व को पूरी तरह से विकसित करने के प्रयास में, हम उन्हें विभिन्न प्रकार की पाठ्येतर गतिविधियों और दृष्टिकोणों से परिचित कराते हैं ताकि वे स्नातक होने तक सशक्त युवा महिलाओं के रूप में विकसित हो सकें। निम्नलिखित ईसीए सोसाइटी हमारे छात्रों को उनकी पाठ्येतर प्रतिभाओं और रुचियों को निखारने के लिए जगह देती हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना – एनएसएस

भारती कॉलेज की एनएसएस इकाई का उद्देश्य और लक्ष्य लोगों के बीच और उनके साथ काम करना, समुदाय के कमज़ोर वर्ग की सेवा करने की इच्छा विकसित करना और लोकतांत्रिक नेतृत्व में कौशल हासिल करना है। इन लक्ष्यों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है: शारीरिक श्रम के माध्यम से, कल्याणकारी संस्थाओं के साथ कार्य करके, शैक्षिक कार्य, उत्पादन-उन्मुख कार्य और आपातकालीन स्थितियों में। प्रत्येक छात्र स्वयंसेवक एक शैक्षणिक वर्ष में 120 घंटे समर्पित करता है।

छात्रों को दी जाने वाली विभिन्न गतिविधियों में लैंगिक मुद्दे, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संवर्धन आदि शामिल हैं, जो हमारे युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए एनएसएस के लक्ष्य को प्राप्त करने में एक लंबा रास्ता तय करते हैं। हमारे द्वारा गोद ली गई झुग्गी बस्ती, विकासपुरी के शंकर विहार में नियमित रूप से दौरा किया जाता है, जहाँ स्वयंसेवक मानसिक रूप से विकलांग छात्रों को पढ़ाते हैं। स्वयंसेवक विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आने वाले दृष्टिबाधित छात्रों के लिए पाठक और लेखक के रूप में भी काम करते हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर - एनसीसी

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) देश का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा संगठन है। इसका आदर्श वाक्य है 'एकता और अनुशासन।'

भारती कॉलेज में एनसीसी एक उत्तरदायी, सीखने वाला और निरंतर विकसित होने वाला संगठन है। यह कैडेटों को देशभक्ति की भावना रखने, राष्ट्रीय विकास में योगदान देने और धर्म, भाषा, संस्कृति, जातीयता, जीवनशैली और आवास में विविधताओं के प्रति सम्मान हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सामंजस्य, सामुदायिक विकास और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने की क्षमता की भावना पैदा करना है। यह ईमानदारी, सच्चाई, आत्म-बलिदान, दृढ़ता और कड़ी मेहनत के मूल्यों को भी विकसित करता है। भारती कॉलेज एनसीसी 'ए' कॉय केवल भारती कॉलेज के नियमित छात्रों के लिए है और 'बी' कॉय एक खुली कंपनी है, यह सभी के लिए खुली है।

न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

राष्ट्रीय खेल संगठन - एनएसओ

Bharati College, University Of Delhi
KHO-KHO Team

Name	Course
Shalini	B.A Political Science Honours
Kr. Neelam	B.A Political Science Honours
Shalvi Shukla	B.A Political Science Honours
Ekta	B.A Program
Rehana khatoon	B.A Program
Kumkum Bhagel	B.A Program
Varsha Pal	B.A Journalism Honours
Nikita Yadav	B.Com
Priyanka	B.Com Honours
Shalini	B.A Program
Tushita	B.A English Honours
Jyoti	B.A History Honours

Position in 2022-2023

1. Inter College Sports Fest Spardha 23
19 & 20 January 2023
Shaheed Rajguru College
(1st Position)

2. Inter College Sports Fest IGNITE
17 & 18 February 2023
Indira Gandhi Delhi Technical University
(1st Position)

3. Delhi State Tournament
8 April 2023
7 Player Participated

भारती कॉलेज में शारीरिक शिक्षा विभाग की स्थापना के साथ ही खेल संस्कृति को बढ़ावा मिला है। इसका उद्देश्य युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ एक मंच प्रदान करना है ताकि वे सीखें, प्रशिक्षण लें और खेलों में अपने स्तर को सुधारें तथा अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करें। इसका उद्देश्य उन युवाओं के बीच स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना भी है, जो किसी न किसी रूप में हमारे राष्ट्रीय खेलों में करियर की व्यापक संभावनाओं से अनभिज्ञ हैं।

कॉलेज में विशाल खेल के मैदान हैं और क्रिकेट, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हैंडबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, शतरंज, ताइक्वांडो, फुटबॉल, हॉकी, योग और मुक्केबाजी के लिए पर्याप्त व्यवस्था है। इन खेलों में विशेषज्ञता रखने वाले कोच छात्रों को प्रशिक्षित करते हैं।

भारती: कॉलेज पत्रिका

रचनात्मक और प्रभावी ढंग से लिखना एक ऐसा कौशल है जिसे समर्पण और अभ्यास के साथ निखारने की आवश्यकता है। भारती, कॉलेज पत्रिका, जो सालाना प्रकाशित होती है, हमारे छात्रों और पूर्व छात्रों को किसी भी विषय पर स्वतंत्र रूप से और रचनात्मक रूप से लिखने के लिए एक मंच प्रदान करती है, जिसमें उनकी रुचि हो और जो उनकी पसंद का हो। छात्र पत्रिका के लिए चार भाषाओं में लिख सकते हैं- अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत और पंजाबी।

जागृति: महिला विकास प्रकोष्ठ

भारती कॉलेज महिलाओं के लिए एक शैक्षणिक संस्थान होने के नाते महिलाओं की मुक्ति और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी इस प्रतिबद्धता को साकार करने के लिए इसने जागृति नामक महिला विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की। जागृति अपने प्रारंभिक सिद्धांतों को दिल्ली विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन और विकास केंद्र के अधिदेश से प्राप्त करती है।

अपनी स्थापना के बाद से ही इसने लैंगिक-विशिष्ट जाँच और हस्तक्षेप को बढ़ावा देने और शुरू करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया है, जो कि इसके तत्वावधान में कॉलेज में शैक्षणिक और अन्यथा लैंगिक मुख्यधारा और नारीवाद के मुद्दे को आगे बढ़ाने के लिए आयोजित किए गए हैं।

जागृति कॉलेज और उसके आस-पास के क्षेत्रों का सुरक्षा ऑडिट भी करती है, ताकि हम स्पष्ट रूप से जान सकें कि हमारे कॉलेज में और उसके आसपास महिलाओं की सुरक्षा के मामले में कौन-कौन सी खामियाँ हैं और समय रहते उनका समाधान किया जा सके।

उपक्रम-उद्यमिता प्रकोष्ठ

कॉलेज के उद्यमिता प्रकोष्ठ ने अपने छात्रों को उद्यमिता में प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने, संस्थान में नवाचार संचालित गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्थान, सलाह, प्रशिक्षण कार्यक्रम, नेटवर्किंग और अन्य लाभों की एक श्रृंखला सहित व्यापक और एकीकृत सहायता प्रदान करने के लिए शुरू किया है। उद्यमिता प्रकोष्ठ का दृढ़ विश्वास है कि

उद्यमिता देश में बढ़ती बेरोजगारी की स्थिति के लिए रामबाण है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्र स्तर पर जन्मजात क्षमता को सामने लाना है ताकि वे गणना और योजनाबद्ध जोखिम लेने में सक्षम हों और मौजूदा स्थितियों में नवाचार कर सकें।

इसका प्राथमिक उद्देश्य कॉलेज के छात्र समुदाय के बीच उद्यमिता के बारे में जागरूकता फैलाना और उन्हें एक मंच प्रदान करके उनकी छिपी हुई क्षमता को निखारना है, ताकि 'एक बलूत का पौधा एक बलूत का पेड़ बन सके'।

आइरिस क्वियर कलेक्टिव

भारती कॉलेज के क्वीर कलेक्टिव, आइरिस की स्थापना वर्ष 2021 में की गई थी। महामारी से प्रेरित लॉकडाउन से बाहर आने के बाद, आइरिस की स्थापना क्वीर आबादी की चिंताओं के प्रति ध्यान और जागरूकता लाने और संवेदनशीलता पैदा करने और उनकी आत्म-खोज की यात्रा के माध्यम से सहायता प्रदान करने और सबसे महत्वपूर्ण बात, परिसर में क्वीर लोगों को एक सुरक्षित स्थान प्रदान करने के लिए की गई थी।
जैसे-जैसे समाज आगे बढ़ता है, हम अपने बुनियादी मूल्यों को जारी रखते हुए अपनी सूची में नई उपलब्धियाँ और आकांक्षाएं जोड़ते रहते हैं।

पलाश: इको क्लब

भारती कॉलेज इको क्लब - पलाश - भारती लोकाचार के कुछ सबसे प्रिय सिद्धांतों को दर्शाता है। इसी भावना के साथ, अपने छात्र समुदाय की भागीदारी बढ़ाकर, पलाश एक अधिक पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ, हरित शहर और वास्तव में राष्ट्र के निर्माण में योगदान देता है। इको क्लब समग्र पर्यावरण में हमारी अपनी भूमिकाओं की समझ को

बढ़ावा देने और भारती समुदाय की पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। छात्रों को तत्काल पर्यावरण के पारिस्थितिक प्रबंधन का अनुभव प्रदान करने के लिए, इको क्लब उन्हें विभिन्न समूहों में विभाजित करता है जैसे कि पानी, बिजली, कचरा संग्रहण, पर्यावरण जागरूकता (पोस्टर आदि के माध्यम से) और स्वच्छता

आनंद - द हैप्पीनेस क्लब

"अंधकारमय समय में भी खुशी पाई जा सकती है, बशर्ते कि हम अपने भीतर के प्रकाश को जलाए रखना याद रखें।" आनंद के साथ, हमारा लक्ष्य कॉलेज परिसर को छात्रों के लिए अधिक साहसी और सकारात्मक स्थान बनाना है, ताकि वे उत्साहित और आत्मविश्वासी महसूस करें। हमारा पूरा ध्यान छात्रों को खुश करने और सकारात्मकता और खुशी से घिरे माहौल का निर्माण करने के तरीकों और साधनों की खोज पर है। आनंद कॉलेज परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगह सक्रियतापूर्ण गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला का आयोजन और संचालन करता है, जिसका मुख्य उद्देश्य खुशी का प्रचार करना और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। ये गतिविधियाँ नियमित रूप से निर्धारित और संचालित की जाती हैं।

गर्ल अप अग्नि

गर्ल अप अग्नि संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन से संबद्ध एक संस्था है। हम दो उद्देश्य स्तंभों पर काम करते हैं; अंतर-अनुभागीय और एसडीजी लक्ष्य 5 (लैंगिक समानता) और लक्ष्य 10 (असमानताओं को कम करना)। हमारा दृष्टिकोण एक अधीनस्थ और अंतरविषयी दृष्टिकोण स्थापित करना है ताकि सभी लिंगों को उनके योग्य उचित स्थान देने के संदर्भ-विशिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। इसलिए हमारा मिशन है:

1. वंचित और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के बीच की खाई को पाटना।
2. सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी 17) को प्राप्त करना, जिसमें एसडीजी-5 और 10 पर विशेष ध्यान दिया जाएगा

दास्ताँ - फिल्म और फोटोग्राफी सोसायटी

दास्ताँ, जिसका फ़ारसी में शाब्दिक अर्थ है "कहानी" यह एक समुदाय है जिसकी स्थापना 2022 में अंग्रेज़ी विभाग के तत्वावधान में फिल्मों और तस्वीरों के ज़रिए कहानियाँ बताने के उद्देश्य से की गई थी। कुछ कहानियाँ ऐसी होती हैं जो इतिहास में जी गई हैं, कुछ कहानियाँ आज की हैं, कुछ कहानियाँ उम्मीदों, दुखों और आकांक्षाओं की हैं।

दास्ताँ नियमित रूप से फिल्म स्क्रीनिंग और फोटोवॉक, कार्यशालाएँ, प्रतियोगिताएँ, फिल्म निर्माण और फोटोग्राफी से संबंधित गतिविधियाँ आयोजित करता है और सोशल मीडिया पर नियमित रूप से पोस्ट करता है। फिल्म स्क्रीनिंग दास्तान का एक अभिन्न अंग है क्योंकि यह क्रॉस-कल्चरल सिनेमा की

सराहना को बढ़ावा देता है जिसमें कला फिल्में, क्षेत्रीय फिल्में, अंतर्राष्ट्रीय फिल्में, वृत्तचित्र, लघु फिल्में, स्वतंत्र फीचर फिल्में और अन्य ऐसे विविध सिनेमा शामिल हैं। स्क्रीनिंग के बाद होने वाली चर्चाओं में छात्र और शिक्षक सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

दास्ताँ रचनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ावा देता है। उभरते फोटोग्राफर, फिल्म निर्माता, डिजाइनर, एनिमेटर, सिनेफाइल्स, स्क्रिप्ट राइटर सभी का स्वागत किया जाता है और उन्हें समान विचारधारा वाले और सहायक सदस्यों के अनुकूल माहौल में अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

चिलमैन: द ड्रामेटिक सोसाइटी

भारती कॉलेज की ड्रामेटिक्स सोसाइटी चिलमन की सदस्यता कॉलेज के सभी छात्रों के लिए खुली है। यह नाटक की विभिन्न विधाओं की खोज करती है; रंगमंच को जीवन के एक हिस्से के रूप में देखती है। यह कलात्मक आत्म-अभिव्यक्ति और सामाजिक सरोकारों से रूबरू होने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान प्रदान करती है।

चिलमन अपने छात्र सदस्यों को अभिनय से लेकर रंगमंच की तकनीक तक सभी पहलुओं में प्रशिक्षित करता है, जिसमें प्रकाश व्यवस्था, मंच और प्रॉप डिजाइन, मंच की स्थापना, संगीत और बैकस्टेज कार्य शामिल हैं। सदस्य अपने रिहर्सल और अंतिम प्रोडक्शन में नाटकीय साहित्य के महान कार्यों से जुड़ते हैं। चिलमन ने सितंबर में साहित्य कला परिषद और तीन अन्य स्थानों पर महेश दत्तानी के प्रसिद्ध नाटक थर्टी डेज़ का प्रदर्शन किया। हाल ही में एक प्रोडक्शन- ए फाल्स वूमन लव (प्रज्ञा धीमान द्वारा लिखित और मीनाक्षी भारती द्वारा निर्देशित) को कई स्थानों पर सराहा गया। यह समलैंगिक या एलजीबीटी समूह के बारे में विचारों/ रूढ़िवादिता/अस्वीकार्यता के यथार्थवादी प्रतिनिधित्व पर आधारित था।

एलांट्रे: फैशन सोसाइटी

एलांट्रे, फ्रेंच शब्द का अर्थ है, "सुरुचिपूर्ण बनें" और यही वह है जो हम चाहते हैं कि हमारी युवा लड़कियाँ हों - सुंदर, स्मार्ट और आत्मविश्वासी, जब वे अपने कॉलेज के बाद दुनिया में कदम रखेंगी। एलांट्रे, फैशन सोसाइटी की स्थापना वर्ष 2014 में हमारी लड़कियों को एक ऐसा मंच प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी, जहाँ वे फैशन के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित कर सकें। आज का युवा बहुमुखी है और गैर-पारंपरिक क्षेत्रों का पता लगाना चाहता है जहाँ वे अपनी पहचान बना सकें। एलांट्रे उन लड़कियों को लाभ पहुँचात093E है जो कॉलेज पूरा करने के बाद फैशन को करियर के रूप में अपनाना चाहती हैं। हमारी पूर्व छात्रा और मिस अर्थ 2018- निशि भारद्वाज ने एलांट्रे में अपना प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

धैर्य - सिविल सेवा सोसाइटी

भारती कॉलेज की सिविल सेवा सोसाइटी धैर्य, कैंपस में सिविल सेवक बनने के इच्छुक छात्रों के लिए एक मार्गदर्शक रही है। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के लिए लक्ष्य रखने वाले छात्रों का समर्थन करने के मिशन के साथ स्थापित, धैर्य ने लगातार अमूल्य संसाधन और मार्गदर्शन के अवसर प्रदान किए हैं।

यूपीएससी अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने से लेकर व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से दैनिक ई-समाचार पत्र साझा करने तक, जिसमें द हिंदू, टाइम्स ऑफ इंडिया और दो हिंदी समाचार पत्र जैसे प्रतिष्ठित प्रकाशन शामिल हैं, हम अपने सदस्यों को वर्तमान मामलों से अच्छी तरह से अवगत और जुड़े रखने का प्रयास करते हैं।

सूचनात्मक पहुँच के अलावा, धैर्य समृद्ध सेमिनारों का आयोजन करता है और राजेश गुप्ता और रवि कपूर जैसे प्रतिष्ठित अतिथि वक्ताओं को आमंत्रित करता है, धैर्य ने समान विचारधारा वाले छात्रों के लिए एक गतिशील मंच बनाया है ताकि वे एक साथ सीख सकें और आगे बढ़ सकें।

इसके अलावा, हमारी सोसाइटी छात्रों को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए मार्गदर्शन और सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किए गए व्यक्तिगत मेंटरशिप कार्यक्रम प्रदान करता है। धैर्य समान विचारधारा वाले व्यक्तियों का एक सहायक समुदाय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के एक समान लक्ष्य को साझा करते हैं।

फुलकारी: कुड़ियां दी फुलकारी

पंजाबी विभाग ने पंजाबी सांस्कृतिक सोसायटी 'कुड़ियां दी फुलकारी' की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य पंजाबी लोक नृत्य जैसे भांगड़ा, गिद्दा, सम्मी आदि और लोक तथा सुगम संगीत का प्रशिक्षण देकर विद्यार्थियों में पंजाबी सांस्कृतिक मूल्यों को भरना है।

इसके अलावा, छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों द्वारा आयोजित कविता, चित्रकला, भाषण, वाद-विवाद, गुरबानी शबद, लोक गायन आदि प्रतियोगिताओं के लिए भी तैयारी करते हैं। यह सोसाइटी छात्रों को आने वाले जीवन में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करती है, साथ ही उन्हें अपनी विरासत से जुड़े रहने का अतिरिक्त लाभ प्रदान करती है।

अद्वैत: द डांस सोसाइटी

अद्वैत, संस्कृत से लिया गया एक शब्द है, जिसका अर्थ है 'एक तरह का या अद्वितीय'। अद्वैत को पश्चिमी नृत्य रूपों में इसकी विशेषता द्वारा परिभाषित किया जाता है। अद्वैत हमारे वार्षिक कॉलेज कार्यक्रमों जैसे सांस्कृतिक उत्सव अभिव्यक्ति, भारती कप (वार्षिक खेल प्रतियोगिता), स्वतंत्रता दिवस और वार्षिक दिवस में प्रदर्शन करता है। यह डीयू और अन्य विश्वविद्यालयों में आयोजित सभी पश्चिमी नृत्य प्रतियोगिताओं में भी भाग लेता है।

चिंतन: वाद-विवाद सोसाइटी

भारती कॉलेज की वाद-विवाद सोसाइटी चिंतन बौद्धिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और प्रेरक उपदेश की कला को निखारने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। छात्रों और शिक्षकों के बीच बातचीत को बढ़ाने पर केंद्रित एक मुख्य मिशन के साथ, चिंतन एक ऐसी जगह के रूप में कार्य करता है जहाँ व्यक्ति अपनी वाद-विवाद, भाषण, वाक्पटुता और तर्क क्षमताओं को विकसित करते हैं। चिंतन के सदस्य आत्म-सुधार की यात्रा पर निकलते हैं, अपने जुनून और समर्पण को सम्मोहक तर्क गढ़ने में लगाते हैं। यह सोसाइटी सहयोग की भावना का एक प्रमाण है, जहाँ टीमवर्क और समन्वय मिलकर विकास और उत्कृष्टता के लिए अनुकूल सामंजस्यपूर्ण वातावरण का निर्माण करते हैं। चिंतन में, व्यावसायिकता केवल एक लक्ष्य नहीं है बल्कि एक मार्गदर्शक सिद्धांत है, जो सदस्यों को उनके जुड़ाव के हर पहलू में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है।

मृदंग

मृदंग एक सोसाइटी है जो संगीत विभाग द्वारा प्रबंधित शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य, लोक संगीत, सुगम संगीत और नृत्य के समकालीन रूप को छात्रों के बीच बढ़ावा देती है। वे अंतर महाविद्यालय और अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और कई प्रथम और द्वितीय पुरस्कार जीत चुके हैं। छात्र भरतनाट्यम, कुचुपुडी, कथक और समकालीन नृत्य रूपों में प्रदर्शन कर रहे हैं। उनमें से कुछ पेशेवर बनने की उम्मीद करते हैं और क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किए जा रहे हैं।

मंथन: स्ट्रीट प्ले सोसाइटी

मंथन - भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की नुक्कड़ नाटक सोसाइटी एक गतिशील मंच है जो सामाजिक परिवर्तन और जागरूकता के माध्यम के रूप में नुक्कड़ नाटकों की शक्ति का उपयोग करने के लिए समर्पित है। सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने के मुख्य उद्देश्य के साथ, मंथन के सदस्य शक्तिशाली कार्य तैयार करते हैं जो रोजमर्रा की जिंदगी और सामाजिक चुनौतियों से मेल खाते हैं। ये प्रदर्शन न केवल सड़कों पर दिखाए जाते हैं बल्कि संगठित प्रतियोगिताओं में भी दिखाए जाते हैं, जहाँ टीम लगातार अपने शिल्प और संदेश को निखारती रहती है।

मंथन के मूल में संवाद को प्रेरित करने, विचारों को उकसाने और समुदायों के भीतर कार्रवाई को प्रज्वलित करने की दृष्टि निहित है। इसकी जीवंत टीम संस्कृति रचनात्मकता, सहयोग और समावेशिता को बढ़ावा देती है, जिससे हर रिहर्सल और प्रदर्शन सौहार्द और साझा उद्देश्य का उत्सव बन जाता है। अपने आकर्षक और विचारोत्तेजक प्रस्तुतियों के माध्यम से, मंथन प्रत्येक प्रयास को मजेदार और उत्साह की भावना के साथ भरते हुए मुद्दों को प्रकाश में लाता है, जिससे दर्शकों और बड़े पैमाने पर समाज पर एक स्थायी प्रभाव पड़ता है।

आर्टविला- द आर्ट एंड एस्थेटिक सोसाइटी

आर्टविला में आपका स्वागत है, वह स्थान जहाँ रचनात्मकता खिलती है और सभी को आमंत्रित किया जाता है! हमारा मुख्य लक्ष्य छात्रों को यह दिखाना है कि कला एक आरामदायक गतिविधि और एक संतोषजनक कैरियर विकल्प दोनों हो सकती है। आर्टविला के माध्यम से, हम नवोदित कलाकारों को अपनी प्रतिभा को उजागर करने और रचनात्मकता के लिए अपने जुनून का पता लगाने के लिए एक खुला मंच प्रदान करते हैं। चाहे आप एक अनुभवी कलाकार हों या अपनी कलात्मक यात्रा की शुरुआत कर रहे हों, हमारा स्वागतशील समुदाय आपकी कलात्मक वृद्धि को पोषित करने के लिए यहाँ मौजूद है।

मार्शिओनिस

मार्शिओनिस की स्थापना 2023 में की गई थी। युवा उत्साही लोगों के वास्तविक समय के विपणन कौशल को निखारने के लिए, कैरियर डेवलपमेंट सेल के तत्वावधान में मार्केटिंग और विज्ञापन सोसाइटी की शुरुआत की गई थी। सोसाइटी नेटवर्किंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, डिजिटलीकरण आदि का उपयोग करके भारती कॉलेज के विभिन्न कार्यक्रमों को बढ़ावा देती है। मार्शिओनिस विभिन्न कार्यशालाओं, पॉडकास्ट, वेबिनार, सेमिनार, कैरियर परामर्श कार्यक्रमों और मार्केटिंग कॉन्क्लेव का आयोजन करता है, जिसमें ए+ स्पीकर्स होते हैं, ताकि चल रहे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और मार्केटिंग-कॉरपोरेट दुनिया से अधिक प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

यह सोसाइटी भारती कॉलेज की युवा लड़कियों को मार्केटिंग में अग्रणी बनने तथा मार्शिओनिस की सफलता और दृढ़ संकल्प से प्रेरित होकर आधुनिकता की अवधारणा में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करने का एक प्रयास है।

एनैक्टस

एनैक्टस भारती का उद्देश्य दूरदर्शी सोच है। हम युवा नेताओं का एक समूह हैं, जिनका लक्ष्य अपने समुदाय की बेहतरी के लिए काम करना है। सामाजिक परिवर्तन अपने आस-पास के हर व्यक्ति को समृद्ध बनाने के लिए काम करने के जुनून से उभरते हैं।

एनैक्टस भारती में, उद्यमिता - हम व्यवसाय को ऊर्जावान बनाने के लिए ईमानदारी और नवाचार के प्रति जुनून का लाभ उठाने में विश्वास करते हैं।

कार्रवाई - हमारा मानना है कि सामाजिक उद्यम सामाजिक प्रभाव अनुभव से उत्पन्न होता है।
US - हम छात्र, शिक्षाविद और व्यवसायिक नेता हैं जो एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। हम एनेक्टस भारती हैं।

काव्य

काव्य, कविता के प्रति जुनून रखने वाले लोगों का एक समूह है। इसका उद्देश्य अपने सदस्यों के बीच उभरती हुई काव्य प्रतिभा और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है और हम हमेशा अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं।

यह सोसाइटी छात्रों को अपनी साहित्यिक रुचियों को व्यक्त करने और कविता में अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु समर्पित है। काव्य विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है, जैसे पुस्तक विमोचन, कविता स्लैम, ओपन-माइक नाइट्स और कविता कार्यशालाएँ, छात्रों और लेखकों को अपने काम को साझा करने और एक-दूसरे के जुनून और तकनीकों को साझा करने के अवसर प्रदान करने के लिए एक साथ लाता है।

वित्त 'एन' निवेश

भारती कॉलेज का वित्त और निवेश प्रकोष्ठ, वित्त 'एन' निवेश, छात्रों को वित्तीय ज्ञान और निवेश के बारे में शिक्षित करने के अपने उद्देश्यों को दृढ़ता से कायम रखता है। 2022 में स्थापित, एफआईसी वित्त और निवेश के विशाल महासागर में ज्ञान और जागरूकता का एक छात्र-नेतृत्व वाला प्रकाश स्तंभ है। अपने साथियों को सशक्त बनाने के एक उत्कट मिशन के साथ, हमारा लक्ष्य वित्तीय बाजारों और व्यक्तिगत वित्त की पेचीदगियों को उजागर करना है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक सदस्य स्नातक होने पर एक सुरक्षित भविष्य के लिए सूचित, समझदार निवेश विकल्प बनाने के लिए उपकरण

प्राप्त करे। सेमिनार, वेबिनार, सोशल मीडिया जुड़ाव और इंटरैक्टिव प्रतियोगिताओं के एक आकर्षक मिश्रण के माध्यम से, हम सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक ज्ञान में बदलने का प्रयास करते हैं

कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन - सीडीएफ भारती

कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन (सीडीएफ) - भारती चैप्टर एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो बदलाव लाने के लिए युवाओं के नेतृत्व वाली उद्यमिता पहल है। इसका उद्देश्य कनेक्टिविटी और उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण भारत में युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाना है। इसका अंतिम उद्देश्य शिक्षा और सामाजिक उद्यमिता को आगे लाना है। यह कई परियोजनाएं चला रहा है, जैसे कि प्रोजेक्ट संभव, प्रोजेक्ट हील, प्रोजेक्ट एम्पोवहर, प्रोजेक्ट वारियरेस, प्रोजेक्ट स्पेक्ट्रम और प्रोजेक्ट परिस्कार। सीडीएफ भारती को सीडीएफ इंडिया द्वारा तीन प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है- अपकमिंग ड्रीम टीम अवार्ड, प्रोजेक्ट संभव को ड्रीम प्रोजेक्ट अवार्ड और कोविड रिस्पांस टीम अवार्ड।

सीडीएफ भारती ने हमारे कॉलेज का शून्य अपशिष्ट वार्षिक उत्सव "अभिव्यक्ति 23" सफलतापूर्वक आयोजित किया, जहाँ टीम के सदस्यों ने रीसाइक्लिंग के लिए संपूर्ण प्लास्टिक कचरे को एकत्र किया।

न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

गाँधी स्टडी सर्किल

'दुनिया में आप जो बदलाव देखना चाहते हैं' के उद्देश्य से, भारती कॉलेज के गाँधी स्टडी सर्किल का उद्देश्य छात्रों और कॉलेज बिरादरी के बीच गाँधीवादी विचारों और सिद्धांतों को फैलाना और विकसित करना है।

यह संस्था छात्रों को अपने विविध विचारों और राय को व्यक्त करने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करती है। गाँधी स्टडी सर्किल पूरे वर्ष निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता, वार्ता, फिल्म स्क्रीनिंग, पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता, क्षेत्र भ्रमण आदि का आयोजन करता है।

<u>अंबेडकर स्टडी सर्किल</u>

अंबेडकर स्टडी सर्किल का मुख्य उद्देश्य खुद को सीखने और शोध दोनों के लिए एक आधार के रूप में स्थापित करना है, जो विशेष रूप से बी.आर. अंबेडकर के लेखन पर ध्यान केंद्रित करता है। इसका व्यापक लक्ष्य हाशिए पर पड़े समुदायों की सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक चुनौतियों के इर्द-गिर्द एक व्यापक चर्चा को बढ़ावा देना है। इस ढांचे के भीतर, सर्किल एक अंतःविषय मंच प्रदान करता है जो विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि से छात्रों और संकाय सदस्यों को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। प्राध्यापकों और छात्रों को अपनी प्रासंगिक अंतर्दृष्टि, सैद्धांतिक दृष्टिकोण और रोजमर्रा के अनुभवों का योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया

जाता है। इससे विविध और महत्वपूर्ण मुद्दों पर सामूहिक समझ और संवाद समृद्ध होता है। 15 अप्रैल, 2024 को अंबेडकर स्टडी सर्किल ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 133वीं जयंती को एक शानदार समारोह के साथ मनाया। हमने दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू कॉलेज (एम) के प्रोफेसर नेत्रपाल सिंह द्वारा एक मुख्य व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान का शीर्षक था "महिलाओं के सशक्तिकरण में डॉ. बी.आर. अंबेडकर का योगदान"। प्रो. नेत्रपाल सिंह ने महिलाओं के उत्थान के उद्देश्य से नीतियों और विचारधाराओं को आकार देने में डॉ. अंबेडकर के स्थायी प्रभाव को स्पष्ट रूप से स्पष्ट किया। कानूनी और सामाजिक क्षेत्रों में महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने से लेकर महिलाओं के लिए शैक्षिक अवसरों और राजनीतिक भागीदारी की वकालत करने तक, डॉ. अंबेडकर की विरासत लैंगिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में गहराई से गूंजती है।

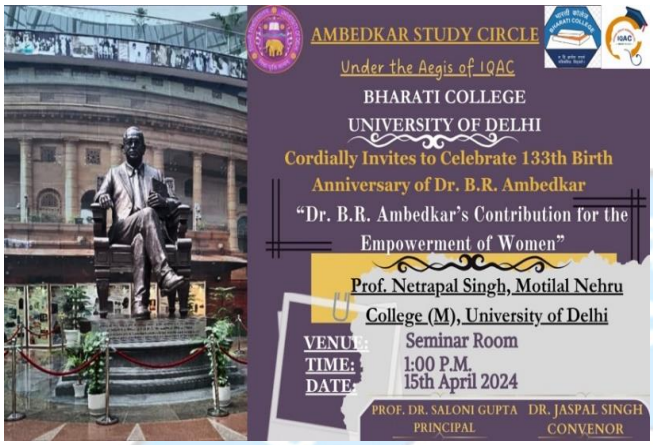

न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

अकादमिक सोसाइटी

वाणिज्य समिति

कॉमर्स सोसाइटी का आयोजन और संचालन बी. कॉम (ऑनर्स) और बी. कॉम (प्रोग्राम) के छात्रों द्वारा किया जाता है। सोसाइटी मूल्य-आधारित गतिविधियों का आयोजन करती है जिसमें प्रख्यात शिक्षाविदों और प्रसिद्ध उद्योगपतियों द्वारा कार्यशालाएँ और व्याख्यान शामिल हैं। हर साल विभाग "कॉमर्सियो" नाम से एक वार्षिक एक दिवसीय कॉमर्स उत्सव का आयोजन करता है। इसमें कॉमर्स क्विज, गिल्टी ऐज चार्ज्ड, आईपीएल बिडिंग, इकनॉमिक्स, बी'होन्चो, बिजनेस प्लान आदि जैसे विभिन्न अंतर-कॉलेज कार्यक्रम शामिल हैं। पूरे साल, यह एक्सटेमैक्ट, एडमैड, केस स्टडी, मॉक टेस्ट, बिजनेस क्विज, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आदि जैसे विभिन्न बौद्धिक अंतर-कॉलेज कार्यक्रम आयोजित करता है।

लोक संवाद सोसाइटी

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संचालित यह छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों, सामान्य रूप से और विशेष रूप से राजनीतिक विषयों के बारे में सक्रिय, जागरूक और अद्यतन रखने के उद्देश्य से काम करता है। यह सेमिनार, वार्ता, वाद-विवाद और छात्रों से संबंधित अन्य गतिविधियों का आयोजन करता है।

रेड स्टॉकिंग्स सोसाइटी

अंग्रेजी विभाग की रेडस्टॉकिंग्स लिटरेरी सोसाइटी का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को चर्चा और वाद-विवाद को प्रोत्साहित करने के अवसर प्रदान करना और साहित्यिक प्रदर्शन के माध्यम से बौद्धिक जाँच की भावना को बढ़ावा देना है। सोसाइटी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए साहित्यिक गतिविधियाँ और सेमिनार आयोजित करती है। चर्चाओं, वाद-विवादों, कविता पाठ सत्रों और अन्य गतिविधियों के अलावा सदस्य एक मासिक ऑनलाइन पत्रिका 'द रेडस्टॉकिंग्स क्रॉनिकल' प्रकाशित करते हैं जो अपने सदस्यों को रचनात्मकता और प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करती है। हाल ही में, प्राप्त अनुरोधों की संख्या को देखते हुए, सोसाइटी ने समान रुचियों वाले अन्य पाठ्यक्रमों के सदस्यों को स्वीकार करना शुरू कर दिया।

'द रेडस्टॉकिंग्स क्रॉनिकल' - https://rlschronicle.wixsite.com/the-chronicle

संस्कृतपरिषद

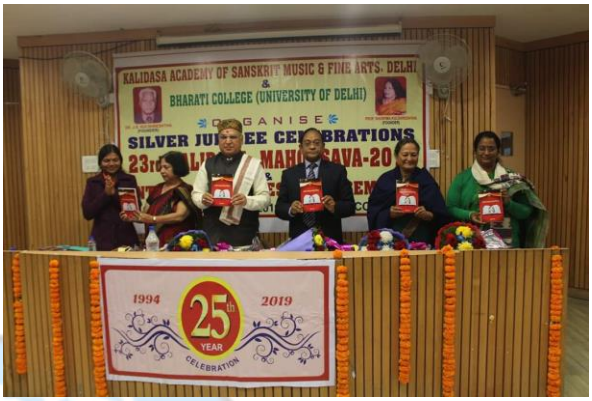

संस्कृत विभाग द्वारा संचालित इस सोसायटी का उद्देश्य पाठ्येतर गतिविधियों जैसे कि कविता पाठ, प्रश्नोत्तरी, भाषण, वाद-विवाद, रेखाचित्र निर्माण, नारा लेखन प्रतियोगिताओं आदि के माध्यम से छात्रों की संस्कृत पर पकड़ बढ़ाना है। छात्रों को अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे उन्हें आत्मविश्वास और स्पष्ट अभिव्यक्ति प्राप्त करने में मदद मिलती है।

प्रवाह – इतिहास सोसायटी

प्रवाह का अर्थ है बहाव। समाज का निर्माण अतीत से वर्तमान तक समाज के निरंतर बहाव को समझने और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार करने के लिए किया जाता है। इतिहास समाज का उद्देश्य अतीत में खोजबीन की भावना पैदा करना है, और इसका उद्देश्य वैज्ञानिक सोच और तर्कसंगत सोच को बढ़ावा देना है। यह सोसायटी अकादमिक वार्ता, सेमिनार आयोजित करने के साथ-साथ दिल्ली और उसके बाहर के विरासत स्थलों का दौरा करने में भी सहायक है। इन गतिविधियों से छात्रों को विशेषज्ञों से प्रासंगिक विषयों को समझने का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होता है और उनकी आलोचनात्मक विचार प्रक्रिया को तेज करता है। इसी

तरह, विरासत स्थलों का दौरा छात्रों को अतीत की दृश्य समझ हासिल करने में सक्षम बनाता है और कल्पना को बढ़ावा देता है, जो अतीत को समझने के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

सृजन हिंदी साहित्य सभा

हिंदी विभाग शिक्षा दिवस, तुलसीदास जयंती और हिंदी दिवस पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की पहल करता है। यह नारा लेखन, कविता लेखन, वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। यह अपने पाठ्यक्रमों से संबंधित फिल्में भी दिखाता है और छात्रों को मीडिया से संबंधित शैक्षिक यात्रा पर ले जाता है।

फ्रीकोनोमिक्स

फ्रीकोनॉमिक्स छात्रों और शिक्षकों को अर्थशास्त्र को सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों से जोड़ने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह सोसाइटी अर्थशास्त्र और वाणिज्य विभागों के छात्रों के लिए जीएसटी, विमुद्रीकरण आदि जैसे समकालीन आर्थिक मामलों के ज्ञान का आकलन करने के लिए अर्थशास्त्र में इंट्रा-क्लास क्विज़ आयोजित करती है। इसका अंतर कॉलेज वार्षिक उत्सव अकादमिक रूप से चुनौतीपूर्ण है और इसे बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। छात्रों को प्रवेश परीक्षा में नवीनतम रुझानों से अवगत कराने के लिए समस्या समाधान सत्र आयोजित करने के लिए विशेषज्ञों को बुलाया जाता है।

सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य आर्थिक अध्ययनों को मनोरंजक नवीन गतिविधियों के साथ मिलाना है ताकि इसे रोचक बनाया जा सके, और यह स्पष्ट किया जा सके कि अर्थशास्त्र उबाऊ और सूखा विषय नहीं है। सोसाइटी युवा आर्थिक उत्साही लोगों को ऐसी गतिविधियों में प्रभावी रूप से शामिल करने के लिए एक मंच प्रदान करती है जो आर्थिक सिद्धांत को वैश्विक मुद्दे से जोड़ेगी। सोसायटी का उद्देश्य संगठन कौशल विकसित करना और टीम वर्क को बढ़ावा देना है, साथ ही उनकी आलोचनात्मक सोच क्षमताओं को विकसित करना है।

हेस्टिया

'हेस्टिया' भारती कॉलेज में समाजशास्त्र की विभागीय सोसाइटी है। सोसाइटी का उद्देश्य अधिगम के क्षेत्र में बदलाव लाना है, जहाँ छात्र विभिन्न समाजशास्त्रीय दृष्टिकोणों से विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करने वाले कार्यक्रम आयोजित करते हैं। यह एक ऐसी जगह है जहाँ विचार और कल्पनाएँ उत्पन्न होते हैं। 'हेस्टिया' विभाग के छात्रों के लिए विभिन्न समाजशास्त्रीय सिद्धांतों और अवधारणाओं के अनुप्रयोग के साथ सीखने और सुसज्जित होने के लिए जगह बनाता है। सोसायटी विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल है। जैसे फिल्म स्क्रीनिंग, निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद और समाजशास्त्रीय साहित्य से संबंधित विभिन्न विषयों और अवधारणाओं के आसपास विशेष व्याख्यान जैसी प्रतियोगिताएँ।

तरसील

तरसील भारती कॉलेज में पत्रकारिता विभाग की सोसाइटी है। तरसील शब्द का अर्थ है संवाद करना, संवाद की संस्कृति के माध्यम से जिज्ञासु और सामाजिक रूप से जागरूक दिमाग विकसित करने के आदर्श वाक्य को दर्शाता है। तरसील छात्रों को नियमित रूप से प्रसारण स्टूडियो में जाने, मीडिया उद्योग और राजनीति, समाज, लिंग और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं से संबंधित वाद-विवाद, चर्चा, फिल्म स्क्रीनिंग, सेमिनार, कार्यशाला आदि आयोजित करके छात्रों को अकादमिक और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने का प्रयास करता है।

तरसील एक वार्षिक मीडिया उत्सव 'जर्नउत्सव' भी आयोजित करता है, जहाँ छात्रों को प्रतिष्ठित मीडिया हस्तियों से मिलने और अपनी प्रतिभा दिखाने का भरपूर अवसर मिलता है।

तरसील, छात्रों को अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए, सत्य का पीछा करने के लिए, यथास्थिति को चुनौती देने से न डरने, प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपना नैतिक आधार न खोने और व्यावहारिक परिवर्तन निर्माता बनने के लिए प्रोत्साहित करता है।

कैथेक्ट

कैथेक्ट भारती कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की सोसायटी है। कैथेक्ट शब्द का अर्थ है भावनाओं और संवेदनाओं का निवेश करना। यह विभाग की इस मान्यता से मेल खाता है कि छात्रों के रूप में अपनी भूमिकाओं के भीतर काम करने के बजाय मनोविज्ञान 'उत्साही' बनने के लिए पर्याप्त निवेश करना चाहिए। विभाग का उद्देश्य छात्रों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहाँ वे न केवल सीखें, बल्कि नए अनुभवों में संलग्न होने के लिए अकादमिक सिद्धांतों को भी लागू करें जो उन्हें पूरी तरह से कार्यशील व्यक्ति बनने के लिए ढाल, विकसित और रूपांतरित कर सकते हैं।

द एक्सपोनेंट्स

भारती कॉलेज के गणित विभाग में एक सक्रीय सोसाइटी है जिसका नाम है "द एक्सपोनेंट्स"। जैसा कि नाम से पता चलता है, एक्सपोनेंट्स का मतलब है e को x की घात तक बढ़ाना। यह विभाग के अपरिहार्य और सकारात्मक विकास में दृढ़ विश्वास को दर्शाता है। समाज सकारात्मकता की ओर प्रयास करने में विश्वास करता है।

इस सोसायटी की स्थापना छात्रों के समग्र विकास के लिए एक स्थान बनाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए की गई थी। यहाँ सार्थक व्यावहारिक कौशल विकसित करने और सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण में अनुभव प्राप्त करने पर जोर दिया जाता है।

उत्कर्ष

एचडीएफई विभाग के सोसाइटी को उत्कर्ष कहा जाता है जिसका अर्थ है 'प्रगति' या 'समृद्धि'। उत्कर्ष का अर्थ है ऊँचाईयों तक पहुँचना, इसमें एक सक्रिय छात्र निकाय है जो कई छात्र से जुड़े गतिविधियों का आयोजन करता है। उत्कर्ष का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता दिखाने और बढ़ाने और समाज में होने वाले बदलावों के साथ तालमेल बिठाने के अवसर प्रदान करना है। शुरू से ही, विभाग शैक्षणिक और पाठ्यचर्या गतिविधियों के माध्यम से मानव विकास के अनुशासन के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।

उत्कर्ष पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है, जिसमें वसंत सेमेस्टर में एक से दो दिवसीय वार्षिक विभागीय उत्सव भी शामिल है। उत्कर्ष पूरे वर्ष विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है और उनमें भाग लेता है।

टेक्नोफाइल्स

टेक्नोफाइल्स भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में कंप्यूटर साइंस विभाग की एक छात्र-संचालित पहल है। 2024 में स्थापित, यह छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान में गहराई से जाने, नवीन विचारों के साथ प्रयोग करने और एक जुनूनी समुदाय से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करता है। टेक्नोफाइल्स का उद्देश्य छात्रों को तकनीकी उद्योग में भविष्य के नेतृत्वकर्ता और नवप्रवर्तक बनने के लिए सशक्त बनाना है। वे इसे इवेंट, वर्कशॉप, कोडिंग प्रतियोगिताओं और अपनी मासिक पत्रिका, द बाइट के माध्यम से हासिल करते हैं।

विश्वविद्यालय शैक्षणिक कैलेंडर

कॉलेज वार्षिक शैक्षणिक/गतिविधियों का कार्यक्रम

(शैक्षणिक वर्ष: 2024-25)

विवरण	दिन/महीना
विस्तारित अभिविन्यास	**22** जुलाई **2024**
प्रथम आंतरिक मूल्यांकन जमा करने की अंतिम तिथि	18 सितंबर 2024
वार्षिक दिवस	20 सितंबर 2024
दूसरा आंतरिक मूल्यांकन जमा करने की अंतिम तिथि	21 अक्टूबर 2024
कोई पाठ्येतर गतिविधियाँ नहीं	**1 नवंबर 2024 - 30 नवंबर 2024**
विभागीय उत्सव (एक दिवसीय)	4 फरवरी 2025 - 8 फरवरी 2025
खेल दिवस	फरवरी, 2025 का दूसरा सप्ताह
अभिव्यक्ति - वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव	20 फरवरी से 28 फरवरी, 2025 के बीच
प्रथम आंतरिक मूल्यांकन जमा करने की अंतिम तिथि	18 फरवरी 2025
कोई पाठ्येतर गतिविधियाँ नहीं	**15 मार्च 2025 - 15 अप्रैल 2025**
दूसरा आंतरिक मूल्यांकन जमा करने की अंतिम तिथि	21 अप्रैल 2024

छात्राओं को सहायता

शुल्क माफी योजना

समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए, कॉलेज एक शुल्क माफी योजना चलाता है जिसके तहत जो छात्र कॉलेज की शिक्षा का खर्च नहीं उठा सकते हैं, उन्हें वार्षिक शुल्क की छूट सहित पूरी शुल्क माफ़ की जाती है। यह पूरी तरह से स्वैच्छिक प्रयास है जो केवल कॉलेज के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और शुभचिंतकों के दान पर चलता है।

सीखो और कमाओ योजना – स्वयं सहायता प्रकोष्ठ

कॉलेज ने अब एक स्वयं सहायता प्रकोष्ठ भी शुरू किया है, जिसने कई क्षेत्रों की पहचान की है, जहाँ कॉलेज और उसके कर्मचारी कुछ अतिरिक्त लोगों को काम पर रख सकते हैं। इसलिए, छात्र सीखते हुए कमा सकते हैं - और उन्हें न केवल औपचारिक शिक्षा में प्रशिक्षण मिलता है, जो उनके पाठ्यक्रम का हिस्सा है, बल्कि उन्हें बहीखाता रखने, फाइल प्रबंधन, चिकित्सा आपात स्थितियों से निपटने आदि में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी मिलता है। इस प्रकार नियुक्त किए गए अधिकांश छात्र सशक्त महसूस करते हैं। उन्हें स्वतंत्रता और मूल्य की भावना मिलती है और उन्हें कुछ बहुत ही उपयोगी प्रशिक्षण मिलता है जो उन्हें नौकरी के लिए तैयार होने पर अच्छी स्थिति में लाता है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्ति

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक छात्रों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति उपलब्ध है। छात्र एनएसपी पोर्टल के माध्यम से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को भी उनके राज्य द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। ऐसे छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे कॉलेज द्वारा नोटिस बोर्ड पर अधिसूचित तिथियों तक अपने नाम से आय प्रमाण पत्र, अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण अंकों का विवरण और जाति प्रमाण पत्र के साथ विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र कार्यालय में जमा करें। यदि आवेदन सरकार/कॉलेज द्वारा अधिसूचित तिथि तक जमा नहीं किया जाता है तो कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए अखिल भारतीय दृष्टिबाधित महासंघ छात्रवृत्ति और दृष्टिबाधित सहायता छात्रवृत्ति भी उपलब्ध है।

ओपस- प्लेसमेंट और प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

कॉलेज में एक सक्रिय प्लेसमेंट प्रकोष्ठ है। इसका उद्देश्य नए स्नातकों को नौकरी के अवसर प्रदान करना है। शैक्षणिक सत्र 2015-16 में, 94 छात्रों का चयन जेनपैक्ट, इंफोसिस, एमबीआईटी कंप्यूटर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड, टीसीएस, ग्रिपडील, करियर इनोवेटर्स, इंडिगो और प्रैक्सिस जैसी कंपनियों में हुआ। शैक्षणिक सत्र 2023-24 में भर्ती करने वालों में जोमैटो, ट्रेड एंड प्रमोशन काउंसिल ऑफ़ इंडिया और अन्य शामिल हैं। पिछले वर्ष 35 छात्रों को नौकरी मिली थी।

अकादमिक सहायता प्रकोष्ठ [सहयोग]

अकादमिक सहायता प्रकोष्ठ/सहयोग कॉलेज के छात्रों को अंग्रेजी और गणित में निःशुल्क सुधारात्मक और सुधारात्मक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। 2017 में स्थापित, इसका उद्देश्य भाषा और गणितीय दक्षता को बढ़ाना और छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। सहकर्मी समूह शिक्षण पर आधारित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र और शिक्षक क्षमताओं को विकसित करना, समुदाय को मजबूत करना और कुशल व्यक्तिगत प्रदर्शन को प्रोत्साहित करना है। यह प्रकोष्ठ अंग्रेजी पाठ्यक्रम जैसे "अंग्रेजी भाषा और व्याकरण अनिवार्य", "सीयूईटी अंग्रेजी (पीजी) के लिए क्रैश कोर्स" और गणित में पाठ्यक्रम जैसे "ऐस द चैलेंज" और "वैदिक गणित" प्रदान करता है। अकादमिक प्रकोष्ठ भारती कॉलेज की यूएसपी बनने और अपने छात्रों के लिए शैक्षिक अनुभव को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की आकांक्षा रखता है। इसका उद्देश्य विभागों में पेश किए जाने वाले विषयों की संख्या का विस्तार करना और अधिक विषयों की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ट्यूशन प्रदान करना है। इसकी योजना शीघ्र ही सामान्य ज्ञान और TOEFL/IELTS कोचिंग पाठ्यक्रम शुरू करने की है। इच्छुक छात्र संस्कृत भाषा के कार्यक्रमों में भी दाखिला ले सकेंगे। यह पूरे दिल्ली विश्वविद्यालय में विस्तार करके अधिक से अधिक छात्रों की सहायता करना चाहता है। प्रकोष्ठ उन सभी को आमंत्रित करता है जो भाग लेना चाहते हैं, लाभ उठाना चाहते हैं और अपने ज्ञान और विकास के स्तर को बढ़ाना चाहते हैं। यह प्रकोष्ठ गंभीर और नियमित छात्रों की सेवा के लिए समर्पित है।

अरेया – नेतृत्व प्रकोष्ठ

अरेया- भारती कॉलेज का नेतृत्व प्रकोष्ठ प्रत्येक छात्र में से एक नेतृत्वकर्ता को बाहर निकालने की दिशा में काम करने का प्रयास करता है क्योंकि हमारा मानना है कि नेतृत्व की प्रवृत्ति सर्वव्यापी है, हमें बस इसे सही दिशा दिखाने की जरूरत है। हमने महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके आंतरिक आत्मविश्वास को बढ़ाने की दिशा में उत्साहपूर्वक काम किया है, जो एक अच्छे नेतृत्वकर्ता का प्रमुख गुण है।

अब, आपको खुद से पूछना चाहिए कि आपको अरेया का हिस्सा क्यों बनना चाहिए क्योंकि जिज्ञासा रचनात्मकता को जन्म देती है! इस सवाल का जवाब यह है कि अरेया न केवल मौजूदा कौशल को निखारता है बल्कि नए कौशल सीखने और उन्हें एक परिसंपत्ति के रूप में उपयोग करने के लिए उपकरण भी प्रदान करता है। हम महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं जो भविष्य की सबसे अच्छी नेतृत्वकर्ता होंगी। इसलिए, आपको भीड़ से अलग दिखने और अपनी खुद की पहचान बनाने के लिए हमसे जुड़ना चाहिए।

समान अवसर प्रकोष्ठ, ईओसी

समान अवसर प्रकोष्ठ, जिसे पहले सक्षम इकाई के नाम से जाना जाता था, एक वैधानिक निकाय है जो दिव्यांग छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह कम से कम **40%** विकलांगता वाले छात्रों के प्रवेश की देखरेख करता है, जिनके लिए सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में तीन प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं। समिति को संसाधनों और बुनियादी सुविधाओं तक पहुँच प्रदान करके दिव्यांगों को सशक्त बनाने का भी काम सौंपा गया है। यह सुनिश्चित करता है कि दिव्यांग व्यक्ति जागरूक हों और सरकारी प्रावधानों और छात्रवृत्तियों से लाभान्वित हों। सभी छात्रों के पूर्ण एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए यह कॉलेज के भीतर दिव्यांग व्यक्तियों की बुनियादी जरूरतों पर कड़ी नजर रखता है। उदाहरण के लिए, कॉलेज में विभिन्न प्रमुख स्थानों पर ब्रेल साइनेज लगाए गए हैं; पूरे परिसर में रैम्प बनाए गए हैं ताकि सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन सुनिश्चित हो सके; समर्पित शौचालय बनाए गए हैं, आदि। ईओसी ने संसाधनों में निवेश करके एक नॉलेज हब बनाया है, जिसमें लैपटॉप, प्रासंगिक रीडिंग सॉफ्टवेयर और दृष्टिबाधित छात्रों के लिए विशेष रूप से उपयोग की जाने वाली पठन सामग्री है। यह सुनिश्चित करता है कि शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों को आसानी से सुलभ कक्षाएँ दी जाएँ। ईओसी छात्रों को व्यक्तिगत रूप से सलाह देता है और हितधारकों और प्रासंगिक गैर सरकारी संगठनों के साथ बातचीत के माध्यम से नवीनतम सहायक तकनीकों से अवगत रहने का प्रयास करता है। ईओसी कक्ष सहायक तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए समर्पित है।

यह प्रकोष्ठ हमारे दिव्यांग छात्रों के लिए नियमित रूप से व्यक्तित्व विकास और कौशल संवर्धन कार्यशालाओं का आयोजन करके उनमें आत्मविश्वास पैदा करने की दिशा में काम करता है, तथा उन्हें कैरियर परामर्श सत्र आयोजित करके तथा कॉलेज के प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के सहयोग से विशेष प्लेसमेंट अभियान आयोजित करके रोजगार के लिए तैयार करता है।
ईओसी बड़े पैमाने पर कॉलेज समुदाय के लिए संवेदनशीलता कार्यशालाओं और व्याख्यानों का आयोजन करके विकलांगता से जुड़ी सामाजिक वर्जनाओं से निपटने का भी प्रयास करता है।

मेंटरशिप कार्यक्रम

चयनित पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के बाद छात्रों को अपने करियर, निजी जीवन या शैक्षणिक प्रदर्शन से जुड़े दबावों का अनुभव हो सकता है। वे कभी-कभी चिंतित महसूस कर सकते हैं। कॉलेज ने छात्रों को उपरोक्त मुद्दों पर काबू पाने और इन तनावों से बचने में मदद करने के लिए संकाय सलाहकारों की एक प्रणाली स्थापित की है। शिक्षक छात्रों के एक समूह के लिए संकाय सलाहकार के रूप में कार्य करता है, जो युवा वयस्कों को उनके जीवन के संक्रमणकालीन और कठिन चरणों में सहायता करता है। सलाहकार अपने कौशल और अनुभव का उपयोग अपने प्रशिक्षुओं के साथ व्यक्तिगत स्तर पर बातचीत करके पेशेवर और व्यक्तिगत रूप से बढ़ने में सहायता करने के लिए

करते हैं। भारती कॉलेज में, छात्र अपने संकाय सलाहकार का चयन करते हैं। अध्ययन के दौरान वही सलाहकार मौजूद रहता है, जो आपसी विश्वास के विकास को बढ़ावा देता है।

स्वास्थ्य देखभाल

छात्रों और कर्मचारियों की चिकित्सा आवश्यकताओं की देखभाल के लिए अंशकालिक आधार पर एक चिकित्सा अधिकारी उपलब्ध है। कॉलेज में चिकित्सा कक्ष एक बाह्य रोगी विभाग के रूप में कार्य करता है, जो छोटी-मोटी बीमारियों और चोटों की देखभाल करता है और सामान्य दवाइयाँ वितरित करता है और एक स्ट्रेचर और एक व्हील चेयर से सुसज्जित है। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी आवश्यकतानुसार छात्रों के लिए परामर्श सत्र भी आयोजित करते हैं। वह सीखो और कमाओ योजना के छात्रों को बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण भी देती है।

न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

परामर्श केंद्र

अपने बारे में अच्छा महसूस करना, दूसरों के साथ सहानुभूतिपूर्ण संबंध विकसित करना, तनावमुक्त और आत्मविश्वासी होना, ऐसे लक्ष्य हैं जो हमारे जीवन के दौरान वास्तव में नहीं बदलते हैं। स्कूल से लेकर कॉलेज तक हम उन सभी लोगों से अलग होने की चिंता का अनुभव करते हैं जिनके हम करीब थे, और कभी-कभी अपनी सभी इच्छाओं, संघर्षों और भय को व्यक्त करने की इच्छा होती है। काश हम अपने पैटर्न बदल पाते!

भारती कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के उन कुछ कॉलेजों में से एक है, जिनके पास एक विशेष संस्थागत परामर्श केंद्र है। भावनात्मक कठिनाइयों, चिंताओं और निराशा को इस सेंटर में नियंत्रित किया जा सकता है, जो कॉलेज में एक अच्छा, सुरक्षित स्थान है। यह सेंटर मेडिकल रूम के पास गलियारे के अंत में स्थित है।

परामर्श केंद्र मनोविज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा चलाया जाता है। आपातकालीन स्थिति को छोड़कर, सत्र पूर्व नियुक्ति के आधार पर होते हैं। प्रत्येक सत्र 45 मिनट का होता है। पूर्ण गोपनीयता सुनिश्चित की जाती है।

परामर्शदाता का नाम - सुश्री शीतल चौधरी
दिन - सोमवार और बुधवार
समय - दोपहर 12:00 बजे से अपराह्न 2:30 बजे तक

अनंत– पूर्व छात्र संघ

भारती कॉलेज हर वर्ष अप्रैल के तीसरे शनिवार को अपना पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित करता है। यह मिलन समारोह हमारे पूर्व छात्रों को अपने पुराने दोस्तों, सहपाठियों और शिक्षकों से बातचीत करने और अपने यादगार अनुभवों को सभी के साथ साझा करने का अवसर देता है। यह हमारे छात्रों को अपनी सफलता की कहानियाँ साझा करने और कॉलेज के साथ एक रिश्ता बनाने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

INVITES YOU TO THE
ALUMNI MEET 2023
DATE - MAY 7, 2023
TIME - 10:30 AM
AUDITORIUM

संकाय के सदस्य

प्राचार्या: प्रो. सलोनी गुप्ता

वाणिज्य विभाग

सुश्री उमा ग्रोवर- एम.कॉम, एम.फिल.
डॉ. पूनम- एम.कॉम, एम.फिल, पीएच.डी.
प्रो. सलोनी गुप्ता- एम.कॉम, एम.फिल, पीएच.डी.
सुश्री हिमांशु गर्ग- एम.कॉम, एम.फिल.
डॉ. वंदना बंसल- एम.कॉम, पीएच.डी, एसीएस.
प्रो. (डॉ.) अनुपमा महाजन- एम.कॉम, एम.फिल, पीएच.डी.
प्रो. माला रानी- एम.कॉम, एम.फिल, पीएच.डी.
प्रो. रजनी- एम.कॉम, एम.फिल, पीएच.डी.
प्रो. कामिनी भूटानी- एम.कॉम, एम. फिल, पीएच.डी.
डॉ. निष्ठा भूषण- एम.कॉम, एम. फिल, पीएच.डी
सुश्री मोनिका आर्य- एम.कॉम, एम.फिल.
डॉ. रूपा जौहरी- एम.कॉम, एम.फिल, पीएच.डी.
प्रो. हरिकिशनी- एम.कॉम, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. सोनिया कौशिक- एम.कॉम, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. कल्पना कटारिया- एम.कॉम, पीएच.डी.
सुश्री सीमा क्वात्रा- एम.कॉम.
डॉ. अर्शी जरीन- एम.कॉम., पीएच.डी. **(विभाग प्रभारी)**
सुश्री चित्रांगदा- एमबीए, एम.कॉम. **(विभाग प्रभारी)**
डॉ. आरिफ़ हुसैन हैदरी- एमबीए, एम. फिल, पीएच.डी
डॉ. दिव्या शर्मा- एम.कॉम, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. सोनाली जैन- एमबीए, पीएच.डी.
सुश्री अलका देवी- एम.कॉम.
डॉ. साक्षी मित्तल- एम.कॉम, एम.फिल, पीएच.डी.
सुश्री सुनीता- एम.कॉम, सीएमए
डॉ. मोनिका दहिया- एम.कॉम, एम.फिल, पीएच.डी.
सुश्री दीपिका दीवान- एम.कॉम.
डॉ. शिल्पी साही- एम.कॉम, एम.फिल, पीएच.डी.
श्री आलोक आनंद-एम.बी.ए.
सुश्री मीनू – एम.कॉम
सुश्री लक्ष्मी देवी- एम.कॉम
सुश्री स्वाति खन्ना- एम.कॉम, एम.फिल

श्री अनिल कुमार- एम.कॉम

कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग

डॉ. अरुणा जैन – एमसीए, पीएच.डी.
डॉ. सरिता कादियान - एम.एससी. (कम्प्यूटर विज्ञान), पीएच.डी. **(विभाग प्रभारी)**
डॉ. विनेश कुमार - एम.टेक, पीएच.डी.
सुश्री शीतल मावी- पीएच.डी. (अध्ययनरत), एमसीए
डॉ. यजुवेंद्र प्रताप सिंह- पीएच.डी, एम.टेक
सुश्री चिंगमुआनकिम नौलक- पीएच.डी. (अध्ययनरत), एम.टेक

अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. लवलीन गुप्ता - एमए (अर्थशास्त्र), पीएच.डी.
डॉ. वंदना यादव - एमए (अर्थशास्त्र), पीएच.डी. **(विभाग प्रभारी)**
श्री हनीश पाल - एमए (अर्थशास्त्र)
सुश्री प्रिंसी जैन - एमए (अर्थशास्त्र)
सुश्री महिमा- एमए (अर्थशास्त्र)

अंग्रेजी विभाग

डॉ. नैला अंजुम – एमए, एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. राखी जैन – एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. नंदिनी चौधरी सेन - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. आतेका खान – एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. सोनाली जैन – एमए, एम.फिल, पीएच.डी. **(विभाग प्रभारी)**
डॉ. भावना काले - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. अनाविशा बनर्जी - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. खुशी सरोहा - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
सुश्री कंगकाना रॉय - एमए, एम.फिल.
डॉ. एति शर्मा- एमए, पीएच.डी.
सुश्री हिमानी गिरोह- एमए, नेट (जेआरएफ)
सुश्री जया यादव- नेट, एम.फिल
सुश्री आकांक्षा बरवाल- बीए, एमए
सुश्री मनु श्री- नेट(जेआरएफ), एमए

श्री सूरज अग्रवाल- एमए, एम.फिल.

पर्यावरण विज्ञान विभाग

डॉ. प्रियम्बदा पत्री - एम.एस.सी., एम.फिल, पीएच.डी. **(विभाग प्रभारी)**
डॉ. रश्मि कुमारी - एम.एससी. (एप्लाइड बायोलॉजी), एम.एससी. (पारिस्थितिकी और पर्यावरण), पीएच.डी.

मानव विकास एवं परिवार सशक्तिकरण विभाग

प्रो. रेखा सपरा - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
सुश्री स्वाति बावा साहनी - एम.एससी. (मानव विकास) **(विभाग प्रभारी)**

हिन्दी विभाग

प्रो. अनीता सीमर – एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
प्रो. मंजू शर्मा – एमए, एम.एड, पीएच.डी.
प्रो. संगीता रानी - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. प्रेम कुमारी सिंह – एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. गीता मीना – एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. सविता जैमिनी - एमए, एम.फिल, पीएच.डी. **(विभाग प्रभारी)**
डॉ. रेखा शर्मा - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. राजीव रंजन निराला - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. अभिषेक पुनीत - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. गोल्डी कुमारी- एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. प्रत्यय अमृत- एम.फिल, पीएच.डी.
सुश्री ललिता रत्नू- एमए, एम.फिल
सुश्री अनुप्रिया- नेट, एमए
डॉ. गोपाल जिंगार- एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. वसुंधरा शर्मा- एमए, पीएच.डी.
श्री प्रदीप कुमार- एमए, एम.फिल

इतिहास विभाग

डॉ. शक्ति मधोक - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. फातिमा हुसैन - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.

डॉ. माधुरी शर्मा - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
श्री नागेन्द्र कुमार - एमए, एम.फिल.
डॉ. दिनेश कुमार सिंह - एमए, एम.फिल, पीएच.डी. **(विभाग प्रभारी)**
श्री लेविन एन आर – एमए
सुश्री शोभना सिन्हा - एमए, एम.फिल.
श्री जसपाल सिंह - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. मिथिलेश कुमार मिश्रा - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. छाया झा- एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. माधवी- एम.फिल, पीएच.डी.
श्री रमेश राम पटेल- एमए, एम.फिल
श्री पुना राम- एमए, पीएच.डी.

पत्रकारिता विभाग (अंग्रेजी)

डॉ. नाज़िश हिना खान - एमए (जनसंचार), पीएच.डी.
श्री कुणाल आनंद - एमए

गणित विभाग

डॉ. अनुभा भार्गव - एमए (गणित), एम.टेक (आईटी), पीएच.डी.
डॉ. अंकित गुप्ता - एम.एससी, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. मीनाक्षी गुप्ता - एम.एससी, पीएच.डी

संगीत विभाग

डॉ. सरिता पाठक यजुर्वेदी - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
श्री अमित सिंह- एमए, पीएच.डी. **(विभाग प्रभारी)**

शारीरिक शिक्षा विभाग

सुश्री लूकी कुमारी - एमए, एम.फिल, पीएच.डी. **(विभाग प्रभारी)**

राजनीति विज्ञान विभाग

डॉ. विभा मौर्य - एमए, एम.फिल.
प्रो. संगीत सरिता द्विवेदी - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. जया केरल - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.

डॉ. बिंदु कोहली – एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. अनुरंजिता वाधवा –एमए, एम.फिल, पीएच.डी. **(विभाग प्रभारी)**
डॉ. इंदु बघेल - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. शैलजा सिंह – एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
सुश्री लूकी कुमारी – एमए, एम.फिल.
डॉ. अनुराधा सिंह – एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
सुश्री साधना गुप्ता - एमए, एम.फिल.
श्री जतिन- एमए, एम.फिल
डॉ. इंद्र नारायण रमन- एमए, पीएच.डी.
श्री अक्षत पुष्पम- एमए
श्री विमलोक तिवारी- एमए, एम.फिल.
सुश्री स्टैनजिन चुस्किट- एमए
सुश्री अंकिता किलसन- बीए, एमए
सुश्री अंकिता सिंह- एमए, एम.फिल.
श्री अजीत कुमार- एम.फिल

मनोविज्ञान विभाग

सुश्री. ताविशी सांघी- एमए
एलंगबम रीबिका- एमए

पंजाबी विभाग

डॉ. शालू कौर - एमए, एम.फिल, पीएच.डी. **(विभाग प्रभारी)**

संस्कृत विभाग

डॉ. आशा तिवारी - एमए, आचार्य, पीएच.डी., पोस्टडॉक
डॉ. बिंदिया त्रिवेदी - एमए, एम.फिल, पीएच.डी. (**विभाग प्रभारी**)
डॉ. अजीत कुमार - एमए, पीएच.डी.
डॉ. प्रेम बल्लभ देवली - एमए, एम.एड, एम.फिल, पीएच.डी.
डॉ. दीप्ति सिंह - एमए, पीएचडी.
डॉ. शैलेन्द्र विक्रम - एमए, पी.एच.डी.
डॉ. सुमन रानी – एमए, एम.एड, पीएच.डी.

समाजशास्त्र विभाग

डॉ. भावना शिवन - एमए, एम.फिल, पीएच.डी.

प्रॉस्पेक्टस समिति

प्रो. सलोनी गुप्ता (प्राचार्या)
डॉ. भावना काले (संयोजक)
डॉ. प्रेम कु. सिंह
सुश्री शोभना सिन्हा
डॉ. निष्ठा भूषण
डॉ. नाजिश खान
डॉ. अंकित गुप्ता
डॉ. अनविशा बनर्जी
डॉ. अभिषेक पुनीत
डॉ. सरिता कादियान
सुश्री प्रीति कपाही

प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन): श्री इंद्र कांत मिश्रा – एम.कॉम

प्रशासनिक अधिकारी (लेखा): श्री परमानंद सिंह - एम.कॉम, एमबीए

भारती कॉलेज
BHARATI COLLEGE
न हि ज्ञानेन सदृशं
पवित्रमिह विद्यते।

समन्वयक और नोडल अधिकारी

क्र.सं.		नाम	संपर्क सूत्र
1	नोडल अधिकारी, एनईपी	डॉ. वंदना यादव	9873354497
2	समन्वयक, एसईसी	डॉ. निष्ठा भूषण	98115 59391
3	समन्वयक, वीएसी	सुश्री स्वाति खन्ना	9873030388
4	समन्वयक, जीई	डॉ. प्रिंसी जैन	9910963542
5	समन्वयक, एईसीसी	डॉ. प्रत्यय अमृत	9973050001

भारती कॉलेज

सी-4, जनकपुरी

नई दिल्ली-110058

वेबसाइट: http://www.bharaticollege.du.ac.in/

ईमेल: principalbc@gmail.com

फोन: **011 - 43273000**

फोन: **011 - 43273030**